{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 02 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 130
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग, पुलिस बल तैनात

मुंबई। बालीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग हुई। घटना की खबर मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीमें वहां पहुंचीं। रोहित शेट्टी मुंबई के जुहू इलाके में रहते हैं। उनके घर के पास बॉलीवुड की कई हस्तियों के घर भी हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि ये घटना शनिवार रात करीब 3 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने चार राउंड फायरिंग की। इसके बाद जुहू में रोहित शेट्टी के घर के आसपास सुरक्षा बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस हमलावरों की पहचान करने हर एंगल से जांच कर रही है। हमले की वजह अभी पता नहीं चली है। मामले में अभी तक किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है।

जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर ने लिया इस्तीफा वापस, भाई पर लगाए गंभीर आरोप

अयोध्या। यूपी में अयोध्या के जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि बिना किसी दबाव के यह फैसला लिया है और फिलहाल अपने दफ्तर में काम कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। प्रशांत कुमार ने अपने भाई विश्वजीत सिंह पर गंभीर आपराधिक आरोप भी लगाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई विश्वजीत सिंह, मुख्तार अंसारी के मऊ गैंग का सक्रिय सदस्य है और उसका फाइनेंशियल एडवाइजर भी रहा है। उनके मुताबिक विश्वजीत सिंह के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि विश्वजीत सिंह ने अपने माता-पिता के साथ मारपीट की, जिस मामले में एफआईआर दर्ज है। प्रशांत कुमार ने यह भी आरोप लगाया कि उनके भाई ने जियो ब्रांच मैनेजर को जान से मारने की धमकी दी और लोगों से वसूली करता है। उन्होंने कहा कि उसका काम लोगों पर पैसे के लिए दबाव बनाना है, वह एक अपराधी है।

बारामती विमान हादसे का मलबा और जले अवशेष की जांच की प्रक्रिया शुरु

बारामती। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे से मलबा और जले हुए हिस्सों को इकट्ठा कर जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विमानन प्राधिकरण और जांच एजेंसियों की टीम चार दिन बाद मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त ढांचे को हटाने का काम शुरू किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तकनीकी कर्मचारियों और मजदूरों की मदद से जले हुए हिस्सों को क्रेन के जरिए कंटेनर पर लोड किया गया।

कुछ ना कहना

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया 53 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट...

इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं, शेयर निवेशकों को भी झटका, चुनावी राज्यों पर फोकस

मध्यम वर्ग खाली हाथ, युवा, किसान, निवेशक नजरअंदाज

कैंसर की 17 दवाइयां कस्टम ड्यूटी फ्री, 3 आयुर्वेदिक एम्स; 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का बजट 2026 पेश कर दिया है। यह बजट आम आदमी, महिलाओं, किसानों और युवाओं पर फोकस बताया जा रहा है। इस बजट का कुल साइज 53.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस बजट में आम आदमी के लिए कई बड़े ऐलान किए गए हैं। 7 नए रेल कोरिडोर का ऐलान किया गया है। वहीं गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता कर दिया गया है। लेकिन इस बजट में अभी कई बड़े ऐलान नहीं किए गए हैं, जिसपर आम आदमी को उम्मीद थी कि ये बड़े ऐलान हो सकते हैं और उन्हें बड़ी राहत दी जा सकती है। पिछले बजट में नए इकनम टैक्स रिजीम के तहत आम टैक्सपेयर्स को 12 लाख रुपये तक की सालाना कमाई पर 0 टैक्स का ऐलान किया गया था, जिसकी लिमिट बढ़ाकर इस बार14 लाख रुपये तक किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन सरकार ने इसमें कोई बदलाव नहीं किया है। नए टैक्स सिस्टम के तहत पीपीएफ, एनपीएस और ईएलएसएस जैसी योजनाओं में निवेश पर टैक्स छूट दिए जाने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन सरकार ने इसमें कोई बदलाव नहीं किया है। यह सिर्फ पुराने टैक्स रिजीम के तहत ही छूट के योग्य होंगे। ओल्ड टैक्स रिजीम में इन योजना में निवेश पर इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट दी जाती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही गई हैं। वित्त मंत्री के भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं था। वे लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं। वित्त मंत्री ने भाषण में जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों का जिक्र किया और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। इसमें से 2.19 लाख करोड़ सैन्य बलों के आधुनिकीकरण पर खर्च किए जाएंगे। यह रकम पिछले साल 1.80 लाख करोड़ थी।

ज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं और दुर्लभ बीमारियों की 7 दवाओं को पूरी तरह से सीमा शुल्क मुक्त कर दिया
ऽ लिए आयातित दवाओं पर शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है।

नेक्स- देश में बने स्मार्टफोन और टैबलेट सस्ते हो सकते हैं क्योंकि कैमरा मॉड्यूल और डिस्प्ले पैनल जैसे कंपोनेंट्स
र शुल्क घटाया गया है। इसके अलावा, माइक्रोवेव ओवन के कुछ हिस्सों पर भी छूट दी गई है।

इलेक्ट्रिक वाहन - ईवी बैटरी और लिथियम-आयन बैटरी निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल (जैसे लिथियम, कोबाल्ट) पर सीमा शुल्क कम किया गया है।

जूते और कपड़े - चमड़े के जूते और कपड़ों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इनके कच्चे माल के आयात पर शुल्क घटाया गया है, जिससे घरेलू बाजार में भी इनकी कीमतों में राहत मिल सकती है।

खेल का सामान- खेलो इंडिया मिशन के तहत खेल उपकरणों को अधिक किफायती बनाया गया है।

विमान यात्रा- नागरिक विमानों के पुर्जों और रखरखाव के लिए कच्चे माल पर सीमा शुल्क में छूट दी गई है,
ससे लंबी अवधि में विमानन क्षेत्र की लागत कम हो सकती है।

र और सीएनजी- सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा को बढावा देने के लिए सोलर सिस्टम पर लगने वाले टैक्स को कम किया है,
थ ही सीएनजी भी सस्ती हो सकती है।

महंगा हुआ

कू उत्पाद और सिगरेट- बजट में सिगरेट और पान मसाला पर नई एक्साइज ड्यूटी और सिन टैक्स लगाने का प्रस्ताव है,
उत्पाद महंगे हो गए हैं।

गी शराब- आयातित शराब पर लगने वाले शुल्कों में वृद्धि की गई है।

तेत लग्जरी वस्तुएं- विदेशी परफ्यूम, महंगे जूते, कपड़े और लग्जरी घडि़यों पर आयात शुल्क बढने से ये महंगे हो सकते

और चांदी- कीमती धातुओं पर आयात शुल्क में बदलाव के कारण घरेलू बाजार में इनके दाम बढ़ सकते हैं।

ाजार में निवेश- फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स में भारी बढ़ोतरी की गई है, जिससे शेयर बाजार में
अब और महंगा हो जाएगा।

की कमाई, कर्ज और घाटे का पूरा हिसाब

कर्ज में कमी लाने का लक्ष्य

लक्ष्य रखा है कि 2030-31 तक देश का कुल कर्ज, जीडीपी के 50 प्रतिशत के बराबर लाया जाए। 2025-26 में यह
ाशत था, जो अब 2026-27 में घटकर 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह कर्ज कम होगा तो सरकार को ब्याज कम
ससे वो पैसा स्कूल, अस्पताल और सडकों पर खर्च हो सकेगा।

बजट की 7 सबसे बड़ी घोषणाएं

इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

3 आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब भी बनेंगे।

कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया। अभी 5 प्रतिशत शुल्क लगता था। हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयांभी ड्यूटी फ्री।

7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा। इनमें मुंबई -पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी।

5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान।

15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी।

करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे। हर जिले में एक हॉस्टल बनाया जाएगा।

बजट को सत्ता पक्ष ने बताया ऐतिहासिक तो विपक्ष ने कहा, चुनौतियों का ठोस समाधान नहीं

वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा रविवार को पेश केंद्रीय बजट 2026-27 को सत्ता ने जहां ऐतिहासिक करार दिया वहीं विपक्ष ने इसमें देश में मौजूद समस्याओं और चुनौतयों का ठोस समाधान नहीं देने वाला बताया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बजट की सराहना की और ऐतिहासिक बताया वहीं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने बजट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है और कहा है कि इस सरकार के पास अब नए विचार नहीं बचे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा, कि मोदी सरकार के पास अब नए विचारों के नाम पर कुछ भी बचा नहीं है। खड़गे ने कहा, यह बजट देश में मौजूद आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का कोई ठोस समाधान पेश नहीं करता है।

वहीं दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बजट की न सिर्फ सराहना की बल्कि इसे ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा, कि विगत एक वर्ष में जीडीपी में 7.5 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। महंगाई पर नियंत्रण रहा है और राजकोषीय घाटा भी काबू में है। सिंधिया ने कहा, कृषि, सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों में लगातार मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। इस मायने में बजट ऐतिहासिक है।

रक्षा क्षेत्र में आधुनिकीकरण पर फोकस- राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बजट को जनता की उम्मीदों के अनुरूप बताते हुए कहा, कि यह आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 की मजबूत नींव रखने वाला है। बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है और तीनों सेनाओं के आधुनिकीकरण पर खास फोकस किया गया है।

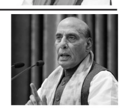

विकसित भारत का बजट- शिवराज

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह 'विकसित भारत' का बजट है। उन्होंने कहा, यह 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की मजबूत नींव रखेगा। बजट में सुधारों पर खास जोर दिया गया है। इस बजट में गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं की चिंताओं को केंद्र में रखा गया है।

विकास का रोडमैप - सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने आज विकसित भारत का रोडमैप पेश किया। उन्होंने कहा कि यह बजट 145 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं और उम्मीदों को दर्शाने वाला है। यह आम लोगों और महिलाओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया बजट है, जो जीवन को आसान बनाने वाले सुधारों से परिपूर्ण है।

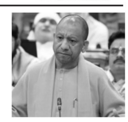

बजट पर बोले राहुल गांधी- युवा, किसान और निवेशक सबको नजरअंदाज किया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026 को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। सरकार जहां इस बजट को 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने वाला बता रही है, वहीं विपक्ष ने इसे आम जनता की समस्याओं से दूर करार दिया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बजट पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इसमें युवा, किसान और निवेशकों की चिंताओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, बिना नौकरी वाले युवा, गिरता हुआ मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, निवेशकों का पूंजी निकालना, घरेलू बचत में तेज गिरावट, परेशान किसान और आने वाले वैश्विक झटके— सभी को नजरअंदाज कर दिया गया है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि यह ऐसा बजट है जो सुधार करने से इनकार करता है और भारत के असली आर्थिक संकटों से अनजान नजर आता है। कांग्रेस नेता का कहना है कि देश में बेरोजगारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है, लेकिन बजट में रोजगार सृजन को लेकर ठोस रोडमैप नहीं दिखता। उन्होंने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गिरती स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि 'मेक इन इंडिया' जैसे अभियानों के बावजूद जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ रहा है और घरेलू बचत में गिरावट अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। किसानों के मुद्दे पर भी राहुल गांधी ने सरकार को घेरा। उनके मुताबिक किसान पहले से ही महंगाई, लागत बढ़ने और फसलों के उचित दाम न मिलने से परेशान हैं, लेकिन बजट में उनकी समस्याओं का ठोस समाधान नहीं किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आने वाले वैश्विक आर्थिक झटकों को लेकर गंभीर नहीं दिख रही है।

10, 20 और रू.50 के नोट निकलेंगे एटीएम से

जल्द लगेंगे हाइब्रिड एटीएम

नईदिल्ली। इन दिनों बाजार में 10, 20 और रू.50 के नोटों की भारी कमी है। नोटबंदी के बाद से छोटे मूल्य के नोट एटीएम से नहीं निकलते हैं। रिजर्व बैंक भी छोटे नोटों को कम प्रिंट कर रही है। छोटे नोटों की आपूर्ति के लिए नए एटीएम लगाए जाएंगे। इस कमी को पूरा करने के लिए हाइब्रिड एटीएम लगाने का प्रस्ताव किया गया है। परीक्षण के तौर पर मुंबई में इसे लगाया गया है। जो सफलतापूर्वक काम कर रहा है। अब इसे देश भर के रेलवे स्टेशन, बाजार,अस्पताल और सरकारी कार्यालयों में लगाने का प्रस्ताव किया गया है। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद रिजर्व बैंक छोटे नोट को ज्यादा छापेगी। अभी बाजार में ?500 के 86 फ़ीसदी नोट चलन में है। 100 और ?200 के लगभग 10 ।9 फ़ीसदी नोट चलन में है ।छोटे नोट मात्र 3 ।1 फ़ीसदी प्रचलन में है। छोटे नोटों की हालत खराब है। छोटे नोटों और सिक्कों की कमी के कारण आए दिन विवाद की स्थिति बनती है। इसको देखते हुए भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों में हाइब्रिड एटीएम लगाने का प्रस्ताव किया गया है। इस एटीएम के माध्यम से बड़े नोटों को छोटे नोटों और सिक्कों में बदल सकेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया की अनुमति के बाद मुंबई की बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शाखा में इसका सफल परीक्षण हो चुका है। अप्रैल के बाद हाइब्रिड एटीएम लगाने का काम तेज हो जाएगा। इस एटीएम को राष्ट्रीय स्तर पर भीड़भाड़ वाले इलाकों में सभी जिलों में लगाए जाने का प्रस्ताव है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया का होगा विलय, प्रक्रिया शुरु

नई दिल्ली। देश के बैंकिंग सेक्टर में एक बार फिर बड़े बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के विलय की प्रक्रिया शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक फिलहाल आंतरिक समीक्षा और ड्यू डिलिजेंस में जुटे हैं। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो यह विलय इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक पूरा हो सकता है, जिससे देश की बैंकिंग संरचना में बड़ा बदलाव दिखेगा।

सूत्रों का कहना है कि यूनियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने अपने-अपने ऑपरेशनल प्रोसेस, जोखिम प्रबंधन और शाखा नेटवर्क के स्तर पर आकलन शुरू कर दिया है। सरकार का मकसद छोटे और मध्यम आकार के पीएसयू बैंकों को बड़े बैंकों में मिलाकर मजबूत संस्थान तैयार करना है। एक वरिष्ठ बैंकिंग अधिकारी के मुताबिक सरकार चाहती है कि मौजूदा 12 सरकारी बैंकों की जगह 4 से 5 बड़े पीएसयू बैंक हों, जो ज्यादा प्रभावी ढंग से काम कर सकें और बड़े कर्ज की जरूरतों को पूरा कर सकें।

अगर दोनों बैंकों में विलय होता है, तो बनने वाला बैंक देश का दूसरा सबसे बड़ा पीएसयू बैंक होगा। वित्त वर्ष 2025 के आंकड़ों के आधार पर संयुक्त बैंक की कुल संपत्ति करीब 25.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। कुल मिलाकर यह बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एचडीएफसी बैंक के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक होगा। मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से भी यह बैंक करीब 2.13 लाख करोड़ रुपए के साथ छठे स्थान पर आ सकता है, जिससे बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और पंजाब नेशनल बैंक जैसे बैंकों को पीछे छोड़ देगा।

इस संभावित विलय में सबसे बड़ी चुनौती टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म का एकीकरण मानी जा रही है। दोनों बैंकों के कोर बैंकिंग सिस्टम और डिजिटल ढांचे अलग-अलग हैं, जिन्हें एकसाथ लाना आसान नहीं होगा। इसके अलावा, कर्मचारियों के तालमेल और संचालन प्रक्रियाओं का समन्वय भी एक अहम मुद्दा होगा। राहत की बात यह है कि दोनों बैंकों ने हाल के वर्षों में एसेट क्वालिटी और मुनाफे के मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे मर्जर की नींव मजबूत मानी जा रही है।

इंदौर सीवरेज घोटाले में फोटोकॉपी को सबूत मानने के फैसले को हाईकोर्ट ने किया रद्द

-नगर निगम ने 150 करोड़ के घोटाले में पांच से ज्यादा एफआइआर दर्ज करवाई थी

भोपाल,(ईएमएस)। 2 साल पहले सामने आए करोड़ों रुपए के इंदौर सीवरेज घोटाले में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में पेश की गई फोटोकॉपी को सबूत मानने के फैसले को रद्द कर दिया है। जस्टिस गजेंद्रसिंह की कोर्ट ने साफ कहा कि कानून की अनिवार्य शर्ते पूरी किए बिना फोटोकॉपी दस्तावेजों को साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं की जा सकती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में नगर निगम ने 150 करोड़ के कथित घोटाले में अलग-अलग पांच से ज्यादा एफआइआर करवाई थी। निगम के ही कार्यपालन यंत्री अभय राठौर सहित अन्य को आरोपित बनाया गया था। इस घोटाले से जुड़े 17 मामलों में ट्रायल कोर्ट में धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र सहित अन्य धाराओं में चालान के साथ 31 जुलाई 2025 को घोटाले से जुड़े दस्तावेजों की फोटोकॉपी दी गई थी। कोर्ट में एक आवेदन पुलिस की ओर से लगाया गया था, जिसमें कहा गया था कि मामले से जुड़े मूल दस्तावेज नगर निगम के आधिपत्य में थे जो गुम हो गए हैं। इनके मिलने की भी संभावना नहीं है। फोटो कॉपी को ही सबूत माना जाए।

कोर्ट ने साफ कहा है कि किसी भी दस्तावेज को सेकंडरी एविडेनस मानने के लिए यह साबित करना जरुरी है कि फोटोकॉपी मूल दस्तावेज से बनाई गई है, फोटोकॉपी का मिलान मूल दस्तावेज से किया गया हो, केवल मूल दस्तावेज के गुम होने का दावा पर्याप्त नहीं है। वरिष्ठ वकील के मुताबिक साक्ष्य अधिनियम में केस चलाने के लिए साक्ष्य पेश करने के लिए नियम तय हैं। धोखाधड़ी और ऐसे गंभीर मामलों में मूल दस्तावेज जिन्हें प्राथमिक साक्ष्य कहा जाता है, कोर्ट में पेश करना जरूरी है।

यदि किसी दस्तावेज को पेश नहीं किया जा सकता है तो उसकी की

बालाघाट में बजट को किसी ने सराहा तो किसी ने नकारा

बजट को लेकर मिली अलग-अलग प्रतिक्रियाएं, लोग बोले आम लोगो का आम बजट में नही रखा गया ध्यान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार 1 फरवरी को देश का आम बजट पेश किया। जिन्होंने अपने 09 वे बजट के दौरान कई नई योजनाओं और परियोजनाओं का ऐलान किया, वही इस बजट को प्रभावशाली बजट बाते हुए इसकी शान में कई कसीदे गढ़े। बजट में महंगाई व बेरोजगारी को लेकर कोई बात स्पष्ट नहीं की गई है। बजट में टैक्स में छूट दिया गया है तो देश की सुरक्षा के लिए रक्षा खर्च में बढ़ोत्तरी की गई है। रेल्वे सुविधाओं को लेकर भी बजट में वृद्धि की गई है। तो उधर किसान कर्ज माफी को लेकर कोई गाइडलाइंस नही आई। ईधर बजट के पेश होते ही आज पूरे जिले में इस बजट को लेकर तरहा तरहा की चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। बजट पर न सिर्फ राजनीतिक गलियारे में चर्चा होती रही बल्कि चौक-चौराहे से लेकर, चाय पान की टपरियो, व सरकारी कार्यालयों में भी इस पर पूरे दिन तर्क वितर्क चलता रहा। बजट को लेकर की गई चर्चा के दौरान अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिली, किसी ने पेश किए गए इस बजट को सराहा ,तो किसी ने इस बजट को नकार दिया है। किसी ने इस बजट को स्वागत योग्य बजट बताते हुए इसे सर्वश्रेष्ठ बजट होने की संज्ञा दी तो किसी ने इस बजट को पूंजीपतियों के लिए बनाया गया बजट बताते हुए इसकी निंदा की और इस बजट को निराशाजनक बजट बताया। वही किसी ने इसे आगामी समय मे होने वाले आगामी चुनाव को देखते हुए जनता को लुभाने वाला बजट बताया है। तो वही किसी ने इस बजट को मिला जुला बजट बताते हुए आगामी समय मे इस बजट के परिणाम सामने आने की बात कही।

नया कर नहीं, उधर महंगाई पर भी राहत नहीं

केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए इस बजट से महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को किसी भी प्रकार की राहत नहीं मिल पाई है।आम लोगों को आशा थी कि इस बजट में पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले टैक्स को कम किया जाएगा ,वहीं खाद्य तेल, रसोई गैस, किचन में लगने वाली वस्तुओं के दामों में उन्हें राहत मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सरकार ने पेश किए इस बजट में महंगाई की मार झेल रही जनता को किसी भी प्रकार की राहत नहीं दी। गनीमत यह रही कि सरकार ने इस बजट में किसी भी प्रकार का नया कर भी नहीं लगाया है।

पुराने बजट में मिली सौगाते, अब भी अधूरी

बात अगर पिछले वर्ष 2025 को पेश किए गए आम बजट की करें तो पिछले बजट में जिले को कई सौगात मिली थी लेकिन पूरा साल बीत जाने के बाद भी पुराने बजट की घोषणा है अब भी अधूरी है। वही नए बजट में पुरानी घोषणाओं को पूरी करने के लिए धनराशि भी नही दी गई।इसके अलावा इस नए बजट में भी आम जनता को उम्मीद के मुताबिक कोई नई सौगात नहीं मिली है।आम लोगो के अनुसार इस बजट में आम लोगो को कोई खास उपलब्धि नहीं मिल पाएगी।

बजट उम्मीदों पर खड़ा नहीं उतरा- वर्मा

बजट को लेकर की गई चर्चा के दौरान मेडिकल स्टोर्स संचालक प्रियंक वर्मा ने बताया कि आज जो बजट पेश किया गया है, उसमे कैंसर संबंधित बीमारियों में काम आने वाली दवाओ के दामो में 17 प्रतिशत की कटौती की गई है। जो की काफी अच्छी बात है,लेकिन इसमें अन्य दवाओ के दामों पर ध्यान नहीं दिया गया है। वर्तमान समय में दुर्लभ के अलावा ऐसी अन्य बीमारियां हैं जिनकी दवाओं के दाम आसमान छू रहे हैं,उन्हें कम करना चाहिए था, ताकि आम लोगों को भी इससे राहत मिल सके। बहुत सी ऐसी दवाईयां है जो बहुत महंगी है,जो आम लोगों के बजट में नहीं आ पाती, सरकार ने उनके दाम भी घटाने चाहिए थे।यह बजट हमारी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है।

घरेलू उघोगों में मिलेगा फायदा- बागरेचा

चार्टेट अकाउंटेंट सुनील बागरेचा ने बताया कि आज का यह बजट, इकोनॉमी के लिए बहुत अच्छा बजट है माइनिंग सेक्टर में कस्टम ड्यूटी कम कर दी गई है। इससे फायदा होगा, माइनिग से संबंधित घरेलू उद्योगों को भी इसका फायदा मिलेगा।इसके अलावा हर जिले में जो बालिकाओं के लिए हॉस्टल बनाने की बात कही गई है उसमें लड़कियों की पढ़ाई के लिए काफी सुविधा होगी। प्रथम दृष्टि या बजट अच्छा लग रहा है।

यह बजट आम लोगों का बजट नहीं है- सोहेल खान

बस स्टैंड में अपने साथियों के साथ चाय का जायका ले रहे नगरवासी सोहेल खान ने बताया कि मेरी नजर में यह बजट आम बजट नहीं है, क्योंकि आम बजट, आम लोगों के लिए होता है। लेकिन इस बजट में खास वर्गों का ध्यान रखा गया है। पेट्रोल डीजल के रेट कम नहीं हुए, महंगाई पर कंट्रोल नहीं किया गया, तो फिर यहां बजट किस काम का है। आम लोगों की जरूरतो को बजट में शामिल करना था, महंगाई पर कंट्रोल करना था बेरोजगारी को दूर करने के लिए प्रयास करना था। इसके अलावा किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए भी इस बजट में कुछ खास नहीं है। मेरी नजर में यहां बजट निराशाजनक बजट है, इसका आम लोगों को कोई फायदा नहीं होगा।

यह फेकोलाजी बजट है, 2026-27 की जगह 2047 की बात कर रहे हैं -मनोज

बजट पर चर्चा करते हुए आम नागरिक मनोज पमनानी ने केंद्र द्वारा पेश किए गए इस बजट को फेकोलाजी बजट की संज्ञा दी है।उन्होंने बताया कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बिजली जैसे मुद्दों को शामिल नहीं किया गया है। बजट में आम लोगों के लिए कुछ भी नहीं है, यह बजट 2026-27 के लिए पेश किया गया है तो इस बजट में इस 1 वर्ष की बात होनी चाहिए, लेकिन इस बजट में 2047 तक की बात की गई है, जो की पूरी तरह से फेकोलॉजी बजट साबित होता है।

पूरी तरह से फेल है यह बजट- जायसवाल

वही आम नागरिक ओपी जायसवाल ने बताया कि आज जो बजट केंद्र सरकार की तरफ से पेश किया गया है वह बजट सार्थक नहीं है, अभी तक इन्होंने जितने भी बजट पेश किए हैं वह निराशाजनक रहे हैं अन्य बजट की तरह इस बजट में भी शिक्षा स्वास्थ्य के लिए कुछ नहीं कहा गया है। यह बजट आम लोगों की उम्मीदो पर खरा नहीं उतरता ,इसीलिए यह बजट फेल बजट है।

जनता को गुमराह करने वाला बजट -श्याम पंजवानी

कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने अपना वक्तव्य जारी कर बताया कि आज सरकार द्वारा पेश किया गया बजट पूरी तरह से जनविरोधी, दिशाहीन और आम जनता के साथ छलावा है। यह बजट किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और मध्यम वर्ग की पीड़ा को समझने में पूरी तरह विफल रहा है। महंगाई आसमान छू रही है, बेरोज़गारी चरम पर है, लेकिन सरकार ने इन बुनियादी समस्याओं पर कोई ठोस रोडमैप देने के बजाय केवल आंकड़ों का खेल दिखाया है।किसानों की लागत बढ़ रही है, खाद-बीज और डीज़ल महंगे हो चुके हैं, लेकिन एमएसपी की कानूनी गारंटी और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे वादों पर बजट पूरी तरह मौन है। मनरेगा जैसी योजना, जो ग्रामीण गरीबों की जीवनरेखा है, उसके बजट में वास्तविक बढ़ोतरी न होना यह साबित करता है कि सरकार को ग्रामीण भारत की चिंता नहीं है।युवाओं के लिए रोजगार सृजन के नाम पर केवल खोखले भाषण और योजनाओं की घोषणाएं की गई हैं। न तो स्थायी नौकरियों का ज़िक्र है, न ही भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर कोई भरोसा। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कटौती करके सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसका झुकाव आम आदमी की बजाय बड़े उद्योगपतियों की ओर है।

सरहानीय बजट है- सरिता

वार्ड नंबर 12 पार्षद सरिता केवल सोनेकर ने बताया की केन्द्र सरकार द्वारा पेश किया बजट सराहनीय है। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने उनके उद्यमों के लिये सी-मार्टस का ऐलान किया गया है। वहीं लड़कियों के लिये हर जिले में हॉस्टल बनाए जाएगे। जिससे छात्राओं को सुरक्षित व सुविधा पूर्ण शिक्षा मिलेगी।महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने लखपति दीदी योजना को मजबूत किया जाएगा। शिक्षा के लिये भी सरकार द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।

सामान्य वर्ग को बेवकूफ बनाने वाला है बजट- सरिता

वार्ड 11 की पार्षद सरिता महेंद्र सिंह उईके ने वक्तव्य जारी कर बताया कि बजट में ग्रहणी महिलाओं के लिए कुछ नही है, तेल,शक्कर चावल ,गेहूं, मिर्ची, गैस के दाम कम नहीं हुए। बस महिलाओं को पैसा देने के अलावा सरकार कुछ नहीं करती।जो हमारा हक है उसे सरकार दबाने का कार्य कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि लाडली बहना योजना को सरकार ने बंद कर युवाओं को रोजगार देना चाहिए, ताकि हमारे बच्चों का भविष्य बन सके। उन्होंने आगे बताया कि जिले में 15 साल में 3 बार इनवर्स मिट हुई लेकिन उसका कोई फायदा नहीं। जिले की मायल खदानों में बहुत से बाहर के लोग आकर कार्य करते हैं। क्यों न जिले के विद्यार्थियों को वो कोर्स कराया जाय ताकि जिले के युवा बाहर न जा सके।सरकार ने बजट में युवाओ की भी उपेक्षा की है।

बजट में आम आदमी को ध्यान में नही रखा गया है- जैसवाल

आम आदमी पार्टी कार्यकारी जिला अध्यक्ष शिव जैसवाल ने बताया कि वर्तमान बजट आम आदमी को ध्यान में रखते हुए नहीं बनाया गया है। वही बालाघाट जिले के औद्योगिक विकास को ध्यान नहीं रखा गया,न ही रेल के दोहरीकरण पर कोई राशि स्वीकृत की गई, यातायात से ही उद्योग धंधे जुड़ते हैं। गरीब, मजदूर, महिला, व्यापारी, छात्र किसी को प्रोत्साहित करने वाला बजट नहीं है। 2022 विधानसभा चुनाव में किसानों से 3100 रु प्रति क्विंटल धान खरीदी का वादा किया गया था। गेहूं 2700 रु प्रति क्विंटल की दर से 2022-23, 2023-24, 2024-25वर्तमान वर्ष 2025-26 का अभी तक का बकाया राशि किसानों के खाते में जमा नहीं करना जनता से वादा खिलाफी है।

आर्थिक संतुलन का उदाहरण है केन्द्र सरकार का बजट-नपाध्यक्ष

केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए नगर पालिका परिषद बालाघाट अध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने कहा कि यह बजट देश के सर्वांगीण विकास की नींव है, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनहितैषी निर्णय ले रहे है जिससे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बजट में हर जिलों में महिला छात्रावास, चैपियंस एमएसएमई की म्रदा योजना के माध्यम से महिलाओं को फायदा मिलेगा। टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं होना बड़ी राहत है। छोटे-मध्यम कस्बों के लिये 200 करोड़ रूपये तक के बॉन्ड वाली अमृत योजना दीर्घकालिक उन्नति लाएगी। जबकि हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। एम्स स्तर के 3 नए आयुर्वेद संस्थान बनाने तथा कैंसर की 17 दवाओं के दाम घटाने का कदम स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतरी लाएगा। यह बजट विकासोन्मुखी होने के साथ ही आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और आर्थिक अनुशासन का संतुलित उदाहरण है।

जिले भर मे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जी 649 वीं जयंती

जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में 1फरवरी रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जहां संत रविदास जी की 649 वी जयंती पर जगह-जगह प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयकारे लगाए गए।वहीं जगह-जगह पूजा,अर्चना ,हवन, पूजन, मंचीय कार्यक्रम, सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम व भंडारे का वितरण कर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन देर शाम तक चलते रहे।इसी कड़ी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर के वार्ड नंबर 13 बूढ़ी स्थित संत गुरु रविदास सांस्कृतिक भवन में भी सामाजिक बंधुओं द्वारा संत रविदास जी की जयंती धूमधाम के साथ मनाई।जहा जयंती विशेष पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां सुबह से ही सामाजिक बंधुओं द्वारा संत रविदास मंदिर में विशेष पूजा अर्चना हवन सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न कराए गए, वहीं मंचीय कार्यक्रम का आयोजन कर गीत, संगीत, कविता पाठ, आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

भव्य शोभायात्रा निकालकर दिया संत गुरु का संदेश

सद्गुरु रविदास सामाजिक संगठन द्वारा सामाजिक बन्धुओ के साथ सर्वप्रथम बूढ़ी अस्पताल परिसर स्थित संत सविदास जी की प्रतिमा पर पहुँचकर माल्यापर्ण किया गया।जिसके उपरांत विशेष पूजा अर्चना कर जयकारे लगाए गए तो वही, प्रसाद का वितरण किया गया।जिसके उपरांत जयंती विशेष पर संत गुरु रविदास सांस्कृतिक भवन धाम से विशाल शोभायात्रा निकाली गई जो जिला अस्पताल समीप स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास जी चौक पहुंची, जहां सामाजिक बंधुओं ने संत रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका गुणगान किया। जहां से यहा शोभायात्रा बस स्टैंड रानी आवन्ति बाई चौक से काली पुतली चौक वहां से पीजी कालेज होते हुए आम्बेडकर चौक पहुची जहा सामाजिक बन्धुओ ने सविधान रचियता डॉ बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर, जयकारे लगाए, वही उनका गुणगान कर यह यात्रा वहां से बीजेपी कार्यालय होते हुए जय स्तम्भ चौक ,वहां से वापस संत शिरोमणि गुरु रविदास चौक और वहां से पुन: वापस बुढी स्थित संत रविदास धाम पहुंची। जहां शोभा यात्रा का समापन कर मंचीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहाँ मंची कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए ,उनका गुणगान किया। तो वही उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का भी संकल्प लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे मुख्य आकर्षण का केंद्र

जयंती विशेष पर नगर के वार्ड नंबर 13 बूढ़ी स्थित संत गुरु रविदास सांस्कृतिक भवन में आयोजित कार्यक्रमों में सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केंद्र बने रहे।जहा सामज के बच्चो द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। जिसके उपरांत रंगोली प्रतियोगिता ,फिर गीत और नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।वही मंदिर में भजन कीर्तन पूजन संतों की वाणी का वचन कर प्रसाद वितरण किया गया। इसके अलावा वर्ष 2024-25 की बोर्ड परीक्षा में कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले समाज के बच्चों को स्मृति चिन्ह सहित विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।तो वही 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी पुष्पगुच्छ, माला स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जहां आयोजित कार्यक्रम के अंत में भोजन वितरण कार्यक्रम कर जयंती का समापन किया गया। इस दौरान सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन के संरक्षक अमीर चंद छिपेश्वर, अध्यक्ष-राधेश्याम कनौजिया,सचिव दिलीप कुम्भरे, कोषाध्यक्ष भैयालाल महोबे,उपाध्यक्ष विनोद छिपेश्वर, सुरेंद्र पटले,लालदास बारेकर,संगठन मंत्री अनिल बारेकर, एसएल बैरय्या सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
दो छोटे बच्चों की देखरेख करने और घरेलू कार्य करने के लिये युवती की आवश्यकता है
आकर्षक वेतनमान
6269524236
9009712121

मार्शल वाहन की टक्कर से 70 वर्षीय वृद्धा घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना अंतर्गत रामपायली रोड पर स्थित ग्राम खरखड़ी में मार्शल रोड पर हो रही एक वृद्धा को ठोस मारकर फरार हो गई। मार्शल की ठोकर से गंभीर रूप से घायल वृद्धा सुशीला पति गुलाब सरोदे 70 वर्ष ग्राम खरखड़ी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुशीला सरोदे घरेलू काम करती है और वह अपनी बड़ी बहू के साथ में ही रहती है। जिसकी दो बेटों की पूर्व में ही मृत्यु हो चुकी है। बताया गया कि सुशीला

सरोदे को आंख से कम दिखाई देता है। 31 जनवरी की शाम 7=30 बजे करीब सुशीला सरोदे सामान खरीदने के लिए दुकान जा रही थी। तभी रोड पार करते समय खैरलांजी की ओर से तेज रफ्तार से आ रही मार्शल कार सुशीला सरोदे को ठोस मारकर फरार हो गई। मार्शल की ठोकर से सुशीला सरोदे को सिर के अलावा अंदरूनी चोटे आई ।जिसे तुरंत ही खैरलांजी के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। जिला अस्पताल में सुशील सरोदे का इलाज किया जा रहा है।

यूजीसी कानून के विरोध में 2 फरवरी को रैली निकालने कायस्थ समाज ने किया आह्वान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सरकार द्वारा लागू किए गए यूजीसी कानून के विरोध में शहर में सामाजिक संगठनों और व्यापारी वर्ग के बीच सक्रियता तेज हो गई है। इसी क्रम में 1 फरवरी को कायस्थ समाज के पदाधिकारियों और व्यापारी वर्ग से जुड़े प्रतिनिधियों ने शहर के विभिन्न व्यापारी प्रतिष्ठानों का दौरा किया और व्यापारी बंधुओं से इस कानून को लेकर विस्तार से चर्चा की। कायस्थ समाज के पदाधिकारी राजेश वर्मा और अनिल शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा लाया गया यूजीसी कानून समाज के विभिन्न वर्गों के हितों के विपरीत है। उनका कहना है कि यह कानून शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है, इसलिए इसका विरोध किया जाना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना है। पदाधिकारियों ने बताया कि इसी मांग को लेकर 2 फरवरी को एक रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी, जहां यूजीसी कानून को वापस लिए जाने की मांग को लेकर कलेक्टर के माध्यम से शासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने व्यापारी बंधुओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस रैली में शामिल होकर अपना समर्थन दें। 1 फरवरी को किए गए संपर्क अभियान के दौरान व्यापारियों को कानून से जुड़े संभावित दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई और उनसे एकजुट होकर विरोध दर्ज कराने का आग्रह किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापार जगत समाज का अहम हिस्सा है और ऐसे मुद्दों पर उनकी भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इस दौरान कई व्यापारियों ने भी कानून को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं और शांतिपूर्ण आंदोलन में सहयोग का भरोसा दिलाया। आयोजकों का कहना है कि 2 फरवरी की रैली के माध्यम से प्रशासन और सरकार का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित किया जाएगा।

आवश्यकता है
दवा दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता हे
योग्यता- 10वीं पास
पार्ट टाईम जॉब वाले संपर्क न करें।
वेतन-योग्यतानुसार
कार्य सीखे व्यक्ति को प्राथमिकता
संपर्क-9340308019

आवश्यकता है
- कुक
- वेटर (महिला)
- हेल्पर (पुरूष)
- किचन हेल्पर (पुरूष/महिला)
- गार्ड
- सुपरवाईजर
- फ्राई मेन
- हेड कुक
- तंदूरवाला
- मेनेजर
- अनुभवी को प्राथमिकता
- आकर्षक वेतनमान

संपर्क करें- होटल कायनात
बैहर रोड, बालाघाट
मो. 6261931815, 7828373189

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

वार्ड क्रमांक एक में संत रविदास जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक एक स्थित बूढ़ी दुर्गा मंदिर परिसर में संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिल सोनी सहित वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया और उनके विचारों को स्मरण किया गया। पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष

अनिल सोनी ने इस मौके पर कहा कि वे पिछले कई वर्षों से वार्ड के दुर्गा मंदिर में संत रविदास जी की जयंती मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से समाज को एक नई दिशा देने का कार्य किया। उन्होंने समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। अनिल सोनी ने आगे कहा कि संत रविदास जी ने समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और लोगों को सत्य, सद्भाव और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आज की पीढ़ी को उनके बताए रास्तों पर चलकर समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान वार्डवासियों ने संत रविदास जी के विचारों पर प्रकाश डालते हुए उनके संदेशों को अपने जीवन में अपनाने की बात कही। जयंती समारोह शांतिपूर्ण और धार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया गया।

पालतू और आवारा कुत्तों को लेकर न सर्वे, न योजना, नपा. के पास नहीं है खतरनाक नस्लों का आंकड़ा

शहर में खतरनाक आवारा कुत्तों पर नगर पालिका बेखबर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर में आवारा श्वानों की बढ़ती संख्या अब एक गंभीर समस्या का रूप ले चुकी है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका के पास न तो आवारा श्वानों की सटीक संख्या का कोई रिकॉर्ड है और न ही यह जानकारी उपलब्ध है कि इनमें से कितने श्वान खतरनाक और आक्रामक नस्लों से संबंधित हैं। स्थिति यह है कि शहर की गलियों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर आवारा श्वान खुलेआम घूमते नजर आते हैं । बीते कुछ समय से श्वानों के हमले और पीछा करने की घटनाओं में इजाफा हुआ है, खासकर देर शाम के समय राहगीरों, बुजुर्गों और बच्चों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा अब तक न तो कोई विस्तृत सर्वे कराया गया है और न ही आवारा श्वानों की नस्लों की पहचान को लेकर कोई ठोस योजना बनाई गई है।

शहर में बीते कुछ महीनों से आवारा श्वानों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालात यह हैं कि वार्डों से लेकर प्रमुख सार्वजनिक स्थलों तक आवारा श्वान खुलेआम घूमते नजर आ रहे हैं। इसी बीच न्यायालय द्वारा नगर पालिकाओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि बस स्टैंड, चौक-चौराहों, स्कूल, कॉलेज और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे आवारा श्वानों को पकड़कर उनके लिए पृथक केंद्र स्थापित किए जाएं, ताकि उन्हें सुरक्षित रखा जा सके और आमजन को होने वाले खतरे को रोका जा सके। जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आ रही है। शहर के कई वार्डों में आवारा श्वान आम लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। सुबह और शाम के समय राहगीरों, बच्चों और बुजुर्गों को इनसे सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर श्वानों के झुंड द्वारा पीछा करने और काटने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं । केवल आमजन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव भी इन आवारा श्वानों के कारण सुरक्षित नहीं हैं। शहर और आसपास के क्षेत्रों में वन्यजीवों पर आवारा श्वानों के हमले बढ़ते जा रहे हैं। विशेष रूप से चीतल जैसे वन्य प्राणियों को आए दिन श्वानों द्वारा काटे जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें उनकी मौत का आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। यह स्थिति वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से भी बेहद चिंताजनक मानी जा रही है। सबसे हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका के पास न तो शहर में मौजूद आवारा श्वानों की संख्या का कोई सटीक आंकड़ा है और न ही घरों में पाले जा रहे श्वानों की कोई विधिवत गणना की गई है। विशेषज्ञों और नागरिकों का मानना है कि नगर पालिका को तत्काल एक व्यापक सर्वे कराना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि शहर में कितने आवारा श्वान हैं, उनकी नस्लें कौन-कौन सी हैं और इनमें से कौन-सी नस्लें अधिक आक्रामक और खतरनाक मानी जाती हैं। यदि इस प्रकार की जानकारी उपलब्ध हो, तो आम नागरिक भी सतर्क रह सकते हैं और संभावित खतरों से खुद को बचा सकते हैं। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा अब तक न तो कोई ठोस सर्वे कराया गया है और न ही आवारा श्वानों के प्रबंधन को लेकर कोई प्रभावी योजना तैयार की गई है। न्यायालय के निर्देशों के बाद भी स्थिति में सुधार न होना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

विदेशी नस्ल के श्वान हो जाते हैं आक्रामक

विशेषज्ञों के अनुसार शहर में कुछ लोग विदेशी नस्ल के श्वानों को अपने घरों में पाल रहे हैं। देखा गया है कि विदेशी नस्ल के श्वान भारतीय जलवायु में अनुकूलन न कर पाने के कारण धीरे-धीरे आक्रामक हो जाते हैं। ऐसे में ये श्वान कई बार आम नागरिकों के साथ-साथ अपने ही स्वामियों के लिए भी घातक सिद्ध होते हैं। इस गंभीर विषय को लेकर नगर पालिका द्वारा अब तक किसी प्रकार की कोई गणना, सर्वे नहीं किया गया है, जो कि एक बड़ी लापरवाही मानी जा रही है।

श्वानों की नस्ल की कोई गिनती नहीं हैं-अजय

जब इस पूरे मामले को लेकर नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा के स्वच्छता प्रभारी अजय पटले से चर्चा की गई तो उन्होंने अनौपचारिक बातचीत में बताया कि शहर में न तो आवारा श्वानों और न ही पालतू श्वानों की कोई गणना की गई है। इसके साथ ही शहर में घूम रहे आवारा श्वानों में कौन-कौन सी नस्ल के कितने श्वान हैं, इसका भी कोई रिकॉर्ड नगर पालिका के पास उपलब्ध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर पालिका के पास वर्तमान में आवारा और पालतू श्वानों से संबंधित कोई भी आधिकारिक आंकड़ा मौजूद नहीं है।

ये हैं खतरनाक नस्ल श्वानों की

खतरनाक श्रेणी में गिनी जाने वाली प्रमुख नस्लों में पिटबुल टैरियर, टोसा इनू, अमेरिकन स्टैफोर्डशायर टैरियर, काकेसियन शेफर्ड डॉग, अमेरिकन बुलडॉग, फिला ब्राजीलेरियो, डोगो अर्जेंटीनो, बोजवोएल, कांगल (कैगल), रॉटवाइलर, सेंट्रल एशियन शेफर्ड डॉग, साउथ रशियन शेफर्ड डॉग, तोरनजैक, सरप्लैनिनाक, जापानी टोसा, अकीता, मिस्टिफ, विभिन्न टेरियर नस्लें, रोडेशियन रिजबैक, वुल्फ डॉग, कैनैरियो, अक्काश, मास्को गार्ड डॉग, केन कोर्सो (केनकोर्सो), बैनडॉग सहित अन्य भारी और आक्रामक प्रवृत्ति की नस्लें शामिल हैं।

गंभीर गड़बड़ियों के नोटिस पर खुलकर बोलने से बच रहे पालिका में कांग्रेस के पार्षद!!

नपाध्यक्ष पर जांच नोटिसः भाजपा पार्षदों की याचिका पर कांग्रेस पार्षदों की चुप्पी बनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका अध्यक्ष पर उन्हीं की पार्टी भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों द्वारा न्यायालय में अनियमितताओं के आरोप लगाए जाने के बाद शहर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इस मामले के सामने आने के बाद से ही शहरभर में चर्चाओं का दौर जारी है और आम नागरिकों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक, सभी इस पूरे प्रकरण को लेकर खुलकर बातचीत कर रहे हैं। लोग नगर पालिका अध्यक्ष पर लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच और न्यायोचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह मामला विपक्ष द्वारा नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ दल के ही चार पार्षदों द्वारा उठाया गया है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए न्यायालय की शरण ली है। इसके बाद से नगर पालिका की कार्यप्रणाली और आंतरिक राजनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस पूरे मामले में नगर पालिका में विपक्ष की भूमिका निभा रही कांग्रेस के पार्षदों की चुप्पी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। आमतौर पर ऐसे मामलों में विपक्ष सरकार या सत्ताधारी पक्ष पर हमलावर नजर आता है, लेकिन इस प्रकरण में कांग्रेस के पार्षद न तो खुलकर कोई बयान दे रहे हैं और न ही मीडिया के सामने आने को तैयार हैं। कैमरे के सामने बोलने से इनकार करना कई तरह के सवालों को जन्म दे रहा है।

इस खामोशी के कई मायने

नगर पालिका बालाघाट की राजनीति इन दिनों अजीब मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है। आमतौर पर नगर पालिका अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाने और प्रशासन की खामियों को उजागर करने वाली कांग्रेस और उसके पार्षद इस बार पूरी तरह खामोश दिखाई दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि यह वही कांग्रेस पार्षद हैं, जो पहले समय-समय पर नगर पालिका अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी पर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए मीडिया की सुर्खियां बटोरते रहे हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि भारतीय जनता पार्टी के ही चार पार्षदों ने अपनी ही पार्टी की नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए न्यायालय में याचिका दायर कर दी है। इसके बाद से पूरे शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है। आमजन, सामाजिक संगठन और राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर लगातार चर्चा हो रही है कि मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है और आगे किस तरह का फैसला सामने आता है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा सवाल विपक्ष की भूमिका को लेकर खड़े हो रहे हैं। नगर पालिका में कांग्रेस के पार्षद, जो स्वयं को विपक्ष की भूमिका में बताते हैं, इस बड़े मुद्दे को भुनाने के बजाय चुप्पी साधे बैठे हैं। यही नहीं, जब हमनें 1 फरवरी को कुछ कांग्रेसी पार्षदों से इस विषय पर प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कैमरे के सामने बोलने से साफ इनकार कर दिया। कुछ पार्षदों ने तो यह तक कह दिया कि वे इस पूरे मामले पर मीडिया में कुछ भी नहीं कहना चाहते। इस चुप्पी ने कई तरह की अटकलों को जन्म दे दिया है। विपक्ष अपनी भूमिका से कन्नी काट रहा राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जिन मुद्दों को कांग्रेस पार्षद पहले जोर-शोर से उठाते थे, वही मुद्दे आज न्यायालय तक पहुंच चुके हैं। इसके बावजूद कांग्रेस पार्षदों का पीछे हटना समझ से परे है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या किसी दबाव या राजनीतिक समीकरण के चलते विपक्ष अपनी भूमिका निभाने से बच रहा है। नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे ने इस विषय पर 1 से 2 दिनों के भीतर प्रेस वार्ता कर अपनी बात रखने की बात जरूर कही है, लेकिन तब तक कांग्रेस पार्षदों की चुप्पी शहर में चर्चा का केंद्र बनी हुई है। खास बात यह भी है कि आगामी लगभग एक वर्ष बाद नगर निकाय चुनाव प्रस्तावित हैं और यही मुद्दे चुनाव के समय जनता के बीच ले जाए जाएंगे। ऐसे में अभी इस विषय पर चुप रहना कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से कितना उचित है, इस पर भी सवाल उठने लगे हैं। सत्तापक्ष के पार्षदों पर विपक्ष की भूमिका की जिम्मेदारी राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी जोरों पर है कि वर्तमान में विपक्ष की भूमिका सत्ता पक्ष के कुछ पार्षद निभा रहे हैं, जिन्होंने अपनी ही पार्टी की अध्यक्ष के खिलाफ आवाज उठाई है। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्षद विपक्ष में रहते हुए भी मानो सत्ता पक्ष जैसी भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह स्थिति नगर पालिका की राजनीति में एक नया और असामान्य परिदृश्य प्रस्तुत कर रही है। कुछ वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का भी मानना है कि इस पूरे मामले को कांग्रेस के पार्षदों को मजबूती से उठाना चाहिए और नगर पालिका के भीतर व बाहर अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी चाहिए। कांग्रेस की विधायक अनुभा मुंजारे भी कई मंचों और मीडिया के माध्यम से नगर पालिका अध्यक्ष पर गंभीर सवाल उठाती रही हैं। ऐसे में जब मामला अब न्यायालय तक पहुंच चुका है, तब कांग्रेस और उसके पार्षदों द्वारा न्यायोचित कार्रवाई की मांग न किया जाना लोगों को हैरान कर रहा है।

बालाघाट की उड़ान अकादमी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इंदौर में आयोजित मध्यप्रदेश खेलो युवा वर्ग की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में उड़ान स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने ऐसा प्रदर्शन किया, जो बालाघाट की ओर से पहली बार देखने को मिला। अंडर-19 वर्ग में मात्र 12 वर्ष के विवान कोचर और 10 वर्ष के स्वयं बागरेचा ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि सिंगल्स मुकाबलों में अपने से उम्र में बड़े खिलाड़ियों को हराकर अपने पहले मैच जीतकर सभी को चौंका दिया। दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे राउंड तक पहुँचकर अपनी प्रतिभा साबित की। डबल्स में भी खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया, जहाँ विवान-स्वयं की जोड़ी ने टॉप सीडेड इंदौर टीम को कड़ी टक्कर दी, वहीं जागृत सिरामे और काव्य उईके की जोड़ी चौथे राउंड में बाहर हुई। सिंगल्स में जागृत ने टॉप 16 और काव्य ने टॉप 32 तक का सफर तय किया। उड़ान स्पोर्ट्स अकादमी के संचालक एवं कोच सम्यक जैन के मार्गदर्शन में बच्चों का यह प्रदर्शन बालाघाट के टेबल टेनिस इतिहास में एक नई उड़ान का संकेत है।

ग्राम कायदी और बनियाटोला में अवैध शराब का मकड़जाल

वारासिवनी थाना क्षेत्र का मामला, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाला ग्राम कायदी इन दिनों अवैध शराब बिक्री के भंवरजाल में बुरी तरह फँसता हुआ नजर आ रहा है। गांव में खुलेआम हो रही देसी शराब और हाथ भट्टी की कच्ची शराब की बिक्री से न सिर्फ सामाजिक माहौल बिगड़ता जा रहा है। बल्कि ग्रामीणों का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम कायदी में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर अवैध शराब के अड्डे संचालित हो रहे हैं। यहां देसी शराब के साथ-साथ हाथ भट्टी की कच्ची शराब धड़ल्ले से बेची जा रही है। यही नहीं, इसी पंचायत के ग्राम बनियाटोला में भी सड़क किनारे खुलेआम देसी और कच्ची शराब की बिक्री की जा रही है। जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।स्थिति यहीं तक सीमित नहीं है। कायदी बस स्टॉप कहे जाने वाले जोडपाट क्षेत्र सहित बस्ती के भीतर तक शराब की अवैध बिक्री जारी है। शाम ढलते ही गांव में शराबियों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाता है। शराब के अड्डों के सामने खड़े शराबियों की भीड़ के कारण महिलाओं और युवतियों को वहां से गुजरने में शर्मिंदगी महसूस करनी पड़ती है। आए दिन आपसी विवाद, मारपीट और पारिवारिक झगड़ों की घटनाएं सामने आ रही हैं। जिससे गांव का शांत वातावरण पूरी तरह से तहस-नहस हो चुका है।ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध शराब कारोबार का सीधा असर युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। गांव के युवक तेजी से शराब की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। जिससे उनका भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। कई परिवारों में आर्थिक तंगी, घरेलू हिंसा और आपसी कलह जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। सूत्रों की मानें तो गांव में बिकने वाली शराब शहर के अधिकृत शराब ठेकेदारों की दुकानों से पहुंचाई जाती है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों का आरोप है कि वारासिवनी पुलिस को इस अवैध शराब कारोबार की पूरी जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है कि अवैध शराब के अड्डों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। दोषियों पर कड़ी कार्यवाही हो और गांव को इस नशे के जाल से मुक्त कराया जाए, ताकि सामाजिक वातावरण सुधर सके और युवा पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रह सके।

5 वर्षीय नमन की मौत पर सस्पेंस बरकरार, नहर तक कैसे पहुँचा मासूम ?

25 जनवरी से लापता था बालक, 26 जनवरी को नहर से मिला शव, पुलिस जांच पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कायदी में 5 वर्षीय बालक नमन की संदिग्ध मौत का मामला लगातार गहराता जा रहा है। 26 जनवरी को गांव के समीप नहर से बालक का शव बरामद होने के बाद भी पुलिस अब तक यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि नमन की मौत नहर में डूबने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य गंभीर वजह है। जानकारी के अनुसार 25 जनवरी की शाम बालक नमन अपने घर से अचानक लापता हो गया था। परिजनों और ग्रामीणों द्वारा पूरी रात तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। अगले दिन 26 जनवरी को गांव से कुछ दूरी पर स्थित नहर से उसका शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि परिजनों और ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि नमन कभी भी नहर की ओर नहीं जाता था। जिस दिशा में उसका शव बरामद किया गया। उस ओर तो ग्रामीणों ने उसे कभी देखा तक नहीं था। ऐसे में यह सवाल अब गंभीर रूप ले चुका है कि आखिर मासूम बालक नहर तक पहुँचा कैसे ?ग्रामीणों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं कि कहीं बालक किसी परिचित व्यक्ति के संपर्क में तो नहीं आया जो नशे की हालत में था। उल्लेखनीय है कि ग्राम कायदी और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री खुलेआम जारी है। शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लगना आम बात है, जिससे गांव का सामाजिक माहौल पहले ही खराब हो चुका है।इस पृष्ठभूमि में मासूम की मौत को महज हादसा मान लेना ग्रामीणों को गले नहीं उतर रहा। लोगों का कहना है कि यदि यह डूबने का मामला है तो पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के तथ्यों को सार्वजनिक करना चाहिए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। लेकिन अब तक न तो मौत के कारणों का खुलासा किया गया है और न ही किसी ठोस निष्कर्ष पर पुलिस पहुंच सकी है।ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष, गंभीर और हर एंगल से जांच की जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि नमन की मौत एक दुर्घटना थी या किसी लापरवाही अथवा अपराध का नतीजा।

अमोली गर्डर सहित अन्य स्थानों पर ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर हुई क्षतिग्रस्त

पानी का दबाव बढ़ा तो फूट सकती है नहर, व्यर्थ में बहेगा पानी, मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जिला सिवनी की सीमा से निकली ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर का पानी खैरलांजी तक नहर के माध्यम से किसानों के खेतों तक पहुंचता है। जिससे किसान अपनी फसलों की सिंचाई करते है। वहीं यह नहर पूर्व में मिट्टी की बनी हुई थी, जिसके कारण टेल क्षेत्र में पानी नही पहुंच पाता था और पानी के अभाव में किसानों की फसल प्रभावित हो जाती थी, ऐसी स्थिति में फसल उत्पादन कम होता था। किसानों के खेतों तक सरलता से पानी पहुंचाने के लिए विगत वर्ष पूर्व जल संसाधन विभाग के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से ढूटीवीयर से लेकर खैरलांजी तक वैनगंगा बड़ी नहर का सीमेन्टीकरण किया गया है ताकि मिट्टी का कटाव रूक सके और पानी का बहाव तेज हो सके परन्तु नहर के सीमेन्टीकरण का कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ ही सालों में सीमेन्टीकरण नहर में जगह-जगह से दरारे आने लगी है एवं कुछ स्थानों पर नहर क्षतिग्रस्त भी हो चुकी है। जिसमें अमोली गाडर के पास, मिरेगांव सहित अन्य स्थानों पर सीमेन्ट की परत क्षतिग्रस्त हो चुकी है एवं मिट्टी धसक रही है। वहीं अमोली गाडर के पास सीमेन्ट की परत क्षतिग्रस्त होने के बाद धीरे-धीरे मिट्टी धसकने लगी है और मिट्टी धसकते हुए करीब पार के आधे हिस्से तक नीचे भाग में पहुंच चुकी है। अगर नहर में अधिक पानी छोड़ा जाता है तो उक्त स्थान पर पानी का दबाव बढ़ता है, पानी का रिसाव होने पर पार की मिट्टी कटकर बह सकती है जिससे नहर की पार ढह सकती है और नहर का पानी व्यर्थ में बहेगा एवं फसल को भी काफी नुकसान होगा। इसलिए किसानों ने शासन-प्रशासन से जल्द ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर अमोली गर्डर एवं अन्य स्थानों पर क्षतिग्रस्त नहर व जिस स्थान से मिट्टी धसक रही है उक्त स्थानों का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

निर्माण के कुछ साल बाद ही गुणवत्ता की खुली पोल

आपकों बता दें कि वैनगंगा नदी के ढूटीवीयर में अंग्रेजों के जमाने में स्टाप डैम कर निर्माण किया गया था ताकि वैनगंगा नदी का पानी एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सके और मिट्टी से ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर का निर्माण खैरलांजी क्षेत्र तक किया गया था। जिससे नहर के माध्यम से खैरलांजी तक पानी पहुंचता है। लेकिन समय-समय पर नहर का मरम्मत कार्य नही होने के कारण टेल क्षेत्र तक पानी नही पहुंच पा रहा था और किसान परेशान थे। जिसके बाद किसानों की मांग पर जल संसाधन विभाग के द्वारा विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की लागत से सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण किया गया है किन्तु गुणवत्तापूर्ण कार्य नही होने के कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पोल खुलने लगी है। इस तरह से निर्माण कंपनी व विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण करोड़ों रूपयों की लागत से निर्मित सीमेन्टीकरण नहर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। वहीं जिस स्थानों पर नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है उक्त स्थानों का जल्द मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो अमोली गाडर के पास से नहर की पार फुट सकती है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए किसानों ने जल संसाधन विभाग से ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर के अमोली गर्डर व अन्य स्थानों पर क्षतिग्रस्त नहर का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है। वहीं जल संसाधन विभाग के एसडीओं दिलीप परते से दूरभाष पर ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर अमोली गाडर एवं अन्य स्थानों पर क्षतिग्रस्त नहर का मरम्मत कार्य करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

मरम्मत कार्य जल्द करवाये प्रशासन - रामकिशोर

किसान रामकिशोर पंचेश्वर ने बताया कि ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर का विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण किया गया है लेकिन यह सीमेन्टीकरण का कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण नहर में जगह-जगह दरारे आने लगी है। साथ ही अमोली गाडर के पास सीमेन्ट की परत क्षतिग्रस्त होने के साथ ही मिट्टी धसक गई है। अगर नहर में पानी का दबाव बढ़ता है तो उक्त स्थान से नहर की पार फुट सकती है, जिससे व्यर्थ में पानी बहेगा। श्री पंचेश्वर ने बताया कि अमोली गाडर सहित अन्य स्थानों पर नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है इसलिए जल संसाधन विभाग से मांग है कि जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि करोड़ों रूपयों की लागत से बनाई गई सीमेन्टीकरण नहर लंबे समय तक सुरक्षित रह सके।

आज मनाई जायेगी संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन लालबर्रा के तत्वाधान में 2 फरवरी को दोपहर 12 बजे से संत शिरोमणि रविदास महाराज की 649 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत पांढरवानी एवं लालबर्रा मुख्यालय में विविध धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। चर्चा में सद्गुरू रविदास सामाजिक संगठन अध्यक्ष दीपक चौधरी, महिला संगठन अध्यक्ष श्रीमती गीता खरोले, सचिव कमलेश खरोले, संरक्षक रमेश झाडेकर ने बताया कि संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती के अवसर पर 2 फरवरी को दोपहर 12 बजे ग्राम पंचायत पांढरवानी द्वारा पंचायत निधि से स्वीकृत नवनिर्मित सभामंच का भूमिपूजन किया जायेगा। तत्पश्चात दोपहर 12.30 बजे रविदास चौक (वार्ड क्र. 18) से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी, जो डीजे की धुन पर भजनों के साथ राजाभोज कृषि उपज मंडी प्रांगण तक पहुंचेगी। जहां दोपहर 2 बजे से मुख्य समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती भारती पारधी, पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे और जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष राधेश्याम कनौजे करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन व जनपद अध्यक्ष सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इस अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रम एवं बौध्दिक सभा संपन्न होने के बाद शाम 6 बजे गुरूपूजा व महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। आगे बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य संत रविदास जी के 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' और 'समरसता' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। सर्व रविदास समाज ने क्षेत्र की धर्मप्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

शिक्षक वैभव आयतेकर को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के शांति नगर निवासी शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय जाम में पदस्थ लोकप्रिय शिक्षक 45 वर्षीय वैभव आयतेकर का शनिवार को रात करीब 8 बजे अचानक तबियत खराब होने एवं हृदय गति रूक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। जिनके निधन की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार को गमगीन माहौल के बीच स्थानीय मोक्षधाम में शिक्षक स्व. वैभव आयतेकर का शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस शव यात्रा में उपस्थित जनसमुदाय ने शिक्षक स्व. आयतेकर को नम आंखों से अंतित विदाई दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शांति नगर लालबर्रा निवासी शिक्षक 45 वर्षीय वैभव आयतेकर जाम के शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय में अंग्रेजी विषय के शिक्षक के पद पर पदस्थ थे, शनिवार की रात करीब 8 बजे अचानक तबियत खराब होने एवं हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। इतने कम अल्पायु में इस दुनिया से शिक्षक श्री आयतेकर के चले जाने से उनके परिजनों, शुभचिंतकों एवं शिक्षा जगत में शोक की लहर व्याप्त है। स्व. वैभव आयतेकर एक मृदुभाषी, कर्तव्यनिष्ठ और ऊर्जावान शिक्षक थे, उनका इस तरह से अचानक जाना शिक्षा जगत के लिए एक ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। उन्होंने न केवल छात्रों को किताबी ज्ञान दिया, बल्कि एक मार्गदर्शक की भूमिका भी बखूबी निभाई है।

आपकों बता दें कि शिक्षक स्व. वैभव आयतेकर शिक्षा जगत का एक जाना-माना नाम था। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम में उच्च माध्यमिक शिक्षक के पद पर कार्यरत रहते हुए उन्होंने अंग्रेजी विषय में अपनी विशेष महारत हासिल की थी। उनके पढ़ाने के सहज और सरल अंदाज के कारण वे विद्यार्थियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय थे। उन्होंने अपने कैरियर के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं में अपनी सेवाएं दी थी, जहां उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। यहीं वजह है कि उनकी अंतिम यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। अपने प्रिय शिक्षक को अंतिम विदाई देने के लिए वर्तमान विद्यार्थियों के साथ-साथ कई पुरातन छात्र भी पहुंचे। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, स्थानीय जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से उन्हें श्रध्दांजली अर्पित की है। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं नाते-रिस्तेदार उपस्थित रहे।

कटंगटोला लालबर्रा में संगीतमय भागवतकथा में बह रही ज्ञान की गंगा

संगीतमय कथा में उमड़ रहा श्रध्दालुओं का सैलाब, कथा श्रवण कर प्राप्त कर रहे धर्मलाभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सिवनी मार्ग स्थित ग्राम कटंगटोला स्थित लॉन परिसर में गत दिवस से संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम जारी है। जहां गत दिवस से भक्ति और अध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। इस दौरान माँ बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ (छ. ग.) से पधारे पं. पू'य श्री मुकुन्द कृष्ण जी महाराज के द्वारा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण के जीवनगाथाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जा रहा है। जिससे पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बह रही है और क्षेत्रीय श्रध्दालुजन कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। साथ ही महाराज जी के भजनों और ओजस्वी वाणी से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। वहीं 31 जनवरी को वामन अवतार, रामकथा, कृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया एवं 1 फरवरी को बाललीला, गोवर्धन पर्वत धारण की कथा पर संगीतमय प्रवचन दिया गया। इस संगीतमय प्रवचन के दौरान भजनों की धुन पर श्रध्दालु भाव-विभोर होकर झुम उठे। इस तरह से कटंगटोला में गत दिवस से श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम जारी है और बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन कथा श्रवण कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से गत दिवस से ग्राम कटंगटोला में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम जारी है और माँ बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ (छ. ग.) से पधारे पं. पूज्य श्री मुकुन्द कृष्ण जी महाराज के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन लीलाओं पर प्रवचन दिया जा रहा है और क्षेत्रीयजन पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। आगे बताया कि 1 फरवरी को बाललीला, गोवर्धन धारण पर महाराज जी के द्वारा प्रवचन दिया गया है, 2 फरवरी को महारास, रूखमणी विवाह, 3 फरवरी को सुदामा चरित्र, परिक्षित मोक्ष, 4 फरवरी को गीतापाठ, कथा विराम के बाद हवन पुर्णाहुति संपन्न होने के बाद महाप्रसादी का वितरण के साथ ही 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

कैरियर मेले के समापन पर विद्यार्थियों को मिले सफलता के मंत्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय कैरियर मेले का समापन शनिवार को गरिमामय समारोह के साथ संपन्न हुआ। कैरियर मेले के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय स्नातक महाविद्यालय लालबर्रा के प्रोफेसर डॉ. देवराज चौरे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आकाशवाणी एनाउंसर व समाजसेवी चैनलाल चौधरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. देवराज चौरे ने छात्र-छात्राओं को कैरियर की असीम संभावनाओं, विभिन्न पाठ्यक्रमों और कॉलेज प्रवेश के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान की जानकारी देते हुए महाविद्यालय के हेल्प डेस्क से लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। वहीं आकाशवाणी एनाउंसर व समाजसेवी चैनलाल चौधरी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में विद्यार्थियों को महापुरूषों के आदर्शों को अपनाने, अनुशासित दिनचर्या और व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया। इस तरह से विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र मिले। स्कूल प्राचार्य शिवचरण मरावी के उपस्थित अतिथियों का आभार प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि इस 5 दिवसीय कैरियर मेले के माध्यम से जो जानकारियां उपलब्ध करवाई गई है उसे आत्मसात कर अच्छी पढ़ाई कर अपना भविष्य बेहतर बनाने की बात कही। इस तरह से 5 दिवसीय कैरियर मेले के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके भविष्य और सही कैरियर चुनाव के प्रति जागरूक किया गया है क्योंकि विद्यार्थी इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि स्कूली शिक्षा के बाद उन्हें किस दिशा में जाना चाहिए। इस मेले के माध्यम से उन्हें एक ही मंच पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से सीधा संवाद करने का अवसर मिला है और कैरियर मेले के माध्यम से अधिकारियों से मिली जानकारी से वे समय रहते अपने लक्ष्यों का निर्धारण कर सकें। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन नोडल शिक्षक सुनीलकुमार बिसेन ने किया। इस अवसर पर शिक्षक हेमंत रहांगडाले, शब्बीर अहमद कुरेशी, डी. एल. कटरे सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बेहरई सरपंच ने सीमा सुरक्षा बल में चयनित 4 युवाओं का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज ।बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई में गत दिवस गणतंत्र दिवस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस गणतंत्र दिवस के अवसर पर ग्राम के 4 युवा जिला सीमा सुरक्षा बल में चयनित नितिन पटले पिता नारायण पटले, समीर घोटीवार पिता शोभाराम घोटीवार, दीपक पटले पिता मानीक पटले, निशांत लिमझे पिता दिलीप लिमझे एवं उनके परिजनों का बेहरई सरपंच श्रीमती शारदा दिलीप टेंभरे के द्वारा शाल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। बेहरई सरपंच श्रीमती शारदा दिलीप टेम्भरे ने कहा कि यह बेहरई के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि ग्राम के चार युवाओं का सीमा सुरक्षा बल में चयनित हुआ है। जिनके द्वारा निरंतर प्रयास कर मेहनत करते हुए देश सेवा का सपना साकार किया। इन चारों की सफलता से गांव के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा है। इस अवसर पर पंचायत के जनप्रनिनिधि, प्राथमिक शाला के शिक्षक-शिक्षिकाऐं व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सन् 712 में मुगल भारत आये और तहस-नहस करने का षड्यंत्र रचा- विनोद

विराट हिन्दू सम्मेलन में सनातन संस्कृति संस्कार धर्म एवं सामाजिक एकता पर हुआ चिंतन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में १ फरवरी को सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीमद् जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य महाराज के सानिध्य में वीर रस के कवि सुमित ओरछा के मुख्य आतिथ्य, प्रांत प्रचार प्रमुख महाकौशल प्रांत विनोद दिनेश्वर ,मुख्य वक्ता श्रीमती प्रतिमा बिसेन प्रांत बौद्धिक प्रमुख राष्ट्रीय सेविका समिति प्रांत प्रचार प्रमुख महाकौशल प्रांत के विशिष्ट आतिथ्य सहित ४६ समाज प्रमुखो की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा भारत माता एवं संत शिरोमणि रविदास महाराज के छायाचित्र के समस्त दीप प्रचलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात गौ माता का पूजन कर नौ कन्या पूजन विधिविधान से कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। जिसमें हिन्दू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने एवं सर्व हिन्दू समाज के द्वारा सनातन संस्कृति सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के विषय पर चिंतन किया गया। जिसमें भारत माता की आरती के साथ विराट हिंदू सम्मेलन का समापन कर सामूहिक भोज किया गया। इस अवसर पर भारी तादात में सकल हिंदू समाज मौजूद रहा।

श्रीराम मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकली

विराट हिंदू सम्मेलन का प्रारंभ भव्य शोभायात्रा से किया गया। यह शोभायात्रा श्री राम मंदिर से प्रारंभ की गई जो नगर के गोलीबारी चौक ,आंबेडकर चौक ,नेहरू चौक ,जय स्तंभ चौक ,बस स्टैंड सहित विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम पहुंची। जहां मुख्य कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। यह शोभायात्रा नगर में काफी आकर्षक का केंद्र रही इसमें प्रमुख रूप से आकर्षण के केंद्र विभिन्न डीजे बैंड पर बज रहे भक्ति गीत, अश्व पर सवार महापुरुषों की जीवंत झांकी, रथ पर सवार राम दरबार, माता अहिल्याबाई होलकर, मां सरस्वती, भारत माता सहित ट्रैक्टर में विराजित अन्य जीवंत झांकियां सहित शोभायात्रा में लहराते भगवे ध्वज आकर्षण का केंद्र रहे।

मनमोहक प्रस्तुति का भव्य रूप से प्रदर्शन हुआ

विराट हिंदू सम्मेलन में सनातन समाज के चिंतन एवं समाज को जागरूक करने मंच पर विभिन्न नृत्य प्रस्तुति का भव्य रूप से आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से लोगों को आपसी व्यवहार में कटुता को दूर कर सामाजिक एकता के साथ रहने का संदेश दिया गया। जिसमें द्वापर सतयुग त्रेतायुग एवं कलयुग की झलकियां प्रस्तुत की गई। वहीं छत्रपति संभाजी महाराज पर नाट्य एवं नृत्य प्रस्तुति भी दी गई। इस दौरान बालक बालिकाओं के द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समाज को संदेश देने का कार्य किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के द्वारा मंत्र मुग्द होकर प्रस्तुति का आनंद लेकर सराहना भी की जाती रही। वहीं लोगों को एकता के सूत्र में बांधने के साथ राष्ट्र को मजबूत करने का चिंतन करते हुए स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग ,उपभोग एवं विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने का संदेश दिया गया। इसमें स्वदेशी वस्तुओं के स्टाल भी लगाए गए जहां पर लोगों के द्वारा भ्रमण कर खरीदी की गई।

रुद्राक्ष का नि:शुल्क किया गया वितरण

कार्यक्रम में श्रीमद् जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य महाराज शामिल हुए। उनके द्वारा सनातन धर्म को जागरूक करने का कार्य किया गया। वहीं उनके द्वारा समस्त सनातनियों को नि:शुल्क रुद्राक्ष का वितरण किया गया। जिसमें बारी बारी से उपस्थित लोगों के द्वारा जगतगुरु महाराज का आशीर्वाद लिया गया। तो वहीं कार्यक्रम स्थल से रुद्राक्ष प्राप्त कर अपने घरों के लिए रवाना हुए। रुद्राक्ष वितरण के दौरान उपस्थित लोग काफी हर्षित नजर आए । जिसमें आयोजन समिति के द्वारा सभी को लाइन से रुद्राक्ष वितरण करवाया गया। वहीं प्रसादी के रूप में सभी सकल हिन्दू समाज ने भोजन ग्रहण भी किया।

जगह जगह भव्य शोभायात्रा का स्वागत हुआ

श्री राम मंदिर से विराट हिंदू सम्मेलन के लिए भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो नगर के विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस दौरान मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर उपस्थित लोगों के द्वारा पुष्प की पंखुड़ियां की वर्षा कर भव्य शोभायात्रा का स्वागत किया गया। तो वहीं जगह.जगह नगर वासियों के द्वारा स्टार लगाकर शोभायात्रा में शामिल लोगों को पानी पुलाव एवं अन्य सामग्री का वितरण किया जाता रहा।

ग्रंथ कहते हैं नारी पूजनीय है पूजा होनी चाहिए-प्रतिमा बिसेन

श्रीमती प्रतिमा बिसेन ने कहां की हिंदू राष्ट्र जिस संस्कृति का निर्माण करता है उस संस्कृति की पहली कड़ी उसका परिवार और उसे परिवार की नीव और धुरी नारी है। यह नारी परिवार का निर्माण कर अपना सर्वस्व निछावर करती है वह ऐसे परिवार का निर्माण करें जो राष्ट्र के लिए हो सभी सुखी रहे। किसी घर में जब बेटी जन्म लेती है तो मां उसे सब सिखाती है और उसे बताती है कि उसकी भूमिका केवल अकेली नहीं परिवार समाज और राष्ट्र निर्माण की है। हमारे ग्रंथ भी कहते हैं कि नारी पूजनीय है उनकी पूजा इसलिए होनी चाहिए कि वह अपना सब देकर परिवार का निर्माण करती है। जब परिवार का निर्माण होता है तो उसके राष्ट्र के प्रति कर्तव्य भी माँ सिखाती है और ऐसे इतिहास में कई उदाहरण आपको देखने को मिलेंगे।

७१२ में मुगल भारत आए और भारत को तहस नहस करने का षड्यंत्र रचा था-विनोद दिनेश्वर

विनोद दिनेश्वर ने कहा कि अतीत का गौरव रहा है कि खतरनाक आक्रांताओं को हमने यहीं खत्म करने का काम किया है। दुर्भाग्य से ७१२ में मुगल भारत आए वह भारत को तहस नहस करने का षड्यंत्र रचकर आए थे। यही सोचकर उन्होंने आक्रमण भी किया कि भारत के मान बिंदुओं को वह समाप्त कर देंगे। जिसके लिए उन्होंने मंदिर तोड़े गौ हत्या की माता बहनों की इज्जत लूटी और चारों तरफनरसंहार किया। ऐसे मान बिंदु खत्म करने का उन्होंने प्रयास किया किंतु वह हमें और हमारी संस्कृति को हिला नहीं पाये। उस समय हम संघर्ष करते रहे जिससे हमारे अंदर कमी आई यह जो पर्दा प्रथा है वह हमारी नहीं है । बुंदेलखंड और बघेलखंड में आज भी घुंघट होता है वह केवल हमारी माता बहनों को बचाने के लिए लिया गया। इसी के साथ महिलाओं को घर में रखना बाल विवाह करने पेट विवाह तक करने जैसी कुरीतियों इन्हीं आक्रांताओं के कारण पैदा हुई।

जोन स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी जबलपुर में बालाघाट के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार २८ व २९ जनवरी २०२६ को जोन स्तरीय विज्ञान गणित पर्यावरण और सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी डाइट जबलपुर में आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं ने अपने मार्गदर्शी शिक्षकों के साथ हिस्सा लिया। प्रदर्शनी में गणित विज्ञान पर्यावरण इतिहास राजनीति और भूगोल विषय के २-२ मॉडल साथ ही पर्यावरण एकल गीत लघु नाटिका छात्र विचार संगोष्ठी सेमिनार प्रश्न मंच और शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया जाता हैं। बालाघाट जिले से कुल ३३ छात्र छात्राओं जिनमें उज्ज्वल पटले, आरव सोनी, आर्यन वर्सेकर, अनु कालबेले, श्रुति बोरीकर, सिल्की मेश्राम, स्नेहा पंचतिलक, श्रद्धा नारबोदे, वेदिका ठाकुर, अश्मि पटले, गगन तुरकर,चाहत गौतम ,छवि बिसेन ,नैन्सी भुजाड़े, नंदनी जैतवार, साक्षी झंझाड़े ,युक्ति सुलाखे,चाहत ठाकरे, कशिश कटरे, गौरव लिल्हारे, कशिश तुरकर और एकता झंझाकर शामिल है। प्रभारी शिक्षकों और ५ मार्गदर्शी शिक्षकों ने भाग लिया। जोन स्तर पर शिक्षक संगोष्ठी में बालाघाट जिले से माध्यमिक शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने संगोष्ठी में सहभागिता करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रदर्शनी में सहभागिता करने वाले छात्र छात्राओं के परिणाम ऑनलाइन एंट्री के माध्यम के साझा किए जाएंगे। प्रदर्शनी में बच्चो ने बेहतर प्रदर्शन किया है जिसके आधार पर बेहतर परिणाम की अपेक्षा है। प्रदर्शनी में प्रभारी शिक्षक श्रीमती मोनिका जैन, धन्नालाल बिसेन , कृष्ण कुमार कुशवाह, श्रीमती प्रभावती इडपाचे ,श्रीमती कुलकर्णी राणा और मार्गदर्शी शिक्षकों में श्रीमती अर्चना माहुरकर ,श्रीमती दिनेश्वरी हरिनखेडे,श्रीमती प्रभा बिसेन ,श्रीमती सुनीता नगपुरे ,तरुण कुमार मेश्राम ने सहभागिता की। जिला शिक्षा केंद्र बालाघाट के डीपीसी जी पी बर्मन, एपीसी विवेक गुप्ता तथा वारासिवनी बीआरसी सतेंद्र शरणागत के द्वारा बच्चों को अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी प्री.क्वार्टर फाइनल में जबलपुर ने वारासिवनी को 6 विकेट से हराया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी २०२६ क्रिकेट फेस्टिवल के दूसरे दिन रविवार को देवधर क्रिकेट क्लब और जबलपुर की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया । इस दौरान श्रीमती स्मिता जायसवाल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, श्रीमती मीनाक्षी ठाकरे,श्रीमती निर्मला परयानी,श्रीमती भारती आडे,श्रीमती रश्मि सिघंई,श्रीमती प्रीति मिश्रा,श्रीमती नीलम वर्मा,श्रीमती रितु अग्रवाल,श्रीमती शुभा मिश्रा,श्रीमती रूबी चौरसिया,श्रीमती योगिता वर्मा,श्रीमती मनीषा पिपलेवार,श्रीमती कल्पना रुसिया,श्रीमती कमला मडंले,आरती मंडले उपस्थिति रही। आयोजन समिति के पदाधिकारियों के द्वारा सभी अतिथि महिलाओं का पुष्पहार से आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रगान के पश्चात टॉस कराकर विधिवत मैच का प्रारंभ किया गया । पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने कहा कि इस टूर्नामेंट की ख्याति अब दिल्ली और मुंबई तक पहुँच चुकी है और पूरा जिला साल भर फरवरी महीने का इंतजार करता है। देवधर मैदान पर खेले जा रहे ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी २०२६ के एक रोमांचक प्री.क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जेपी जबलपुर ने देवधर वारासिवनी को ६ विकेट से शिकस्त देकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वारासिवनी की टीम जबलपुर के घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाई। पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला वारासिवनी के लिए सही साबित नहीं हुआ। पूरी टीम १८.३ ओवरों में मात्र १०४ रन बनाकर सिमट गई। टीम की ओर से चंदू यादव ने सर्वाधिक २४ रन ,१६ गेंद बनाए जबकि शुभम डोंगरे ने १८ रनों का योगदान दिया। कप्तान प्रशांत मांडले और प्रबल जायसवाल ने १३-१३ रन बनाए। इसके अलावा अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार करने में संघर्ष करता नजर आया। वहीं जबलपुर के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही शिकंजा कसे रखा। जयंत अवस्थी सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने ४ ओवर में मात्र १९ रन देकर ४ महत्वपूर्ण विकेट झटके। यश जुलकर ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए ३ विकेट अपने नाम किए। शुभंक पांडे और अमित राजपूत को १-१ सफलता मिली। १०५ रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी जेपी जबलपुर की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने मात्र ३९ रन पर अपने ४ मुख्य विकेट खो दिए थे। संकट की स्थिति में आराध्या यादव और कप्तान निखिल नामदेव ने मोर्चा संभाला। आराध्या यादव ३३ गेंदों में ६ चौकों की मदद से नाबाद ४७ रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज तक पहुँचाया। निखिल नामदेव कप्तान ने २४ गेंदों में नाबाद २३ रन १ चौका, १ छक्का बनाकर आराध्या का बखूबी साथ निभाया। दोनों के बीच हुई शानदार साझेदारी की बदौलत जबलपुर ने १४.४ ओवर में ४ विकेट खोकर १०५ रन बना लिए और मैच ६ विकेट से जीत लिया। वारासिवनी की ओर से संकेत दुबे ने ३ विकेट लिए लेकिन वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। जबलपुर के गेंदबाज जयंत अवस्थी ने ४ ओवर की गेंदबाजी में १९ रन देकर वारासिवनी के ४ महत्वपूर्ण विकेट लिए । उनके शानदार परफॉर्मेंस के लिए उन्हें मैन ऑफद मैच घोषित किया गया। रोजाना मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार १ हजार रुपये पार्षद पवनसिंह धुर्वे के द्वारा प्रदान किया जा रहा है जिसे देवधर क्लब के संरक्षक दीपक आडे के हाथों दिया गया । इस मैच में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल भी देखने के लिए पहुंचे। टूर्नामेंट को सफ ल बनाने में अध्यक्ष राजा चौरसिया,सचिव संतोष आडे, कोषाध्यक्ष प्रबल जायसवाल,उपाध्यक्ष संजय मिश्रा, तरुण मोहरकर, सहसचिव मिथुन मिश्रा, राहुल चौहान मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का गमछा पहनाकर हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रदेश में विधानसभा चुनाव सम्पन होने के बाद भाजपा पार्टी ने पूर्ण बहुमत से सरकार बना ली है। मगर बालाघाट जिले की छः सीटों में से चार सीटों में कांग्रेसियों का दबदबा बना हुआ है और इसी उत्साह के चलते अब कांग्रेसियो में जोश दिखाई दे रहा है। यही जोश को कायम रखने के लिए वारासिवनी नगर के जनसंपर्क कार्यालय में जिला अध्यक्ष संजय उइके के हस्ते वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के तीन ब्लाक अध्यक्ष,मंडलम अध्यक्ष,यूथ कांग्रेस अध्यक्ष, सेवादल ब्लाक अध्यक्ष, कांग्रेस विधानसभा मीडिया प्रभारी, कांग्रेस ब्लॉक मीडिया प्रभारी सहित विभिन्न पदाधिकारियों के नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र गमछा पहनाकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव में कांग्रेस पार्टी को जीताने वाले कार्यकर्ताओं का आभार जताया गया। वहीं वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं से कहाँ की आप पार्टी की रीढ़ की हड्डी हो चुनाव जितने का श्रेय जनता को जाता है। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत, तेजराम नगपुरे,सुनील राणा, खैरलांजी जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे, शाहिद खान, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष गोकुलप्रसाद गौतम, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल माडल, जैसराज पारधी, रामकिशोर बिसेन, सुदेश गुड्डू सोनी, राजकुमार चौधरी, संदेश बिसेन,हरि क्षीरसागर,भुवन लोहार सहित कांग्रेसीगण मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि प्रदेश में २० वर्षों से हमारी सरकार नहीं है फिर भी हमारी पार्टी के हर कार्यकर्ता सक्रिय है। हमारी कांग्रेस पार्टी चुनाव के समय हर व्यक्तियों की मदद करती है। भाजपा सरकार एसआईआर के माध्यम से कांग्रेस पार्टी के वोट काटने का प्रयास कर रही है। प्रदीप जयसवाल कांग्रेस से भाजपा में चले गए उन्होंने सोचा था कि वारासिवनी से कांग्रेस पार्टी अब खत्म हो गई। मगर कार्यकर्ता ने अपना जोश बता दिया कि किसी के जाने से पार्टी खत्म नहीं होती है। कार्यकर्ताओं ने आपको मंत्री बनाया था मगर आपने उन्हीं को धोखा दे दिया। नवनिर्मित सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया गया है। अब वो अपनी टीम का गठन करे। जितने लोग जुड़ेंगे उतनी ही हमारी पार्टी और मजबूत होगी। हमें हमारे क्षेत्र को मजबूत करना है हर पंचायत में कमेटी बनायी जाएगी। जनता को धोखा देने वालो को जनता ने ही सबक सिखा दिया है। वारासिवनी खैरलॉजी क्षेत्र के विधानसभा प्रभारी राकेश सनोडिया ने कहा कि जब भी ग्राम में पदाधिकारियों का गठन होगा। विधायक खुद साथ रहकर गठन करेंगे और वहीं ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करेंगे। इससे गांव के लोग जुड़ेंगे और काग्रेस पार्टी और मजबूत होगी। हमारे पार्टी में सभी जाति धर्म के लोग है सभी को सम्मान मिलता है किसी के साथ भेदभाव नहीं किया है। आने वाले समय पर जरूर प्रदेश और देश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

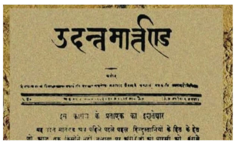

बजट से फ्रीबीज गायब, स्थानीय स्वशासन के लिए उम्मीदें

केंद्रीय बजट 2026-27 में सोलहवें वित्त आयोग के अनुदान के तहत पंचायती राज संस्थाओं के लिए ऐतिहासिक वृद्धि हुई है. केंद्रीय बजट 2026-27 ने ग्रामीण भारत में स्थानीय स्वशासन को नई ताकत दी है। सरकार ने 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए अगले पांच वर्षों (2026-31) में ?4.35 लाख करोड़ का ऐतिहासिक आवंटन किया है, जो 15वें आयोग की तुलना में लगभग 84त्न अधिक है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्यों को ?1.40 लाख करोड़ का अनुदान प्रदान किया गया है, जिसमें ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों के साथ-साथ आपदा प्रबंधन के लिए भी प्रावधान शामिल हैं।

16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट 17 नवंबर 2025 को राष्ट्रपति को प्रस्तुत की गई और इसे समय पर स्वीकार किया गया, जिससे स्थानीय शासन और पंचायतों को अधिक सक्षम, जवाबदेह और विकासोन्मुख बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

दूसरा पहलू यह है कि इस तरह 2026 का बजट एक साफ़ संदेश देता है गाँव, किसान और खेती अब सरकार की प्राथमिकताओं से बाहर हैं। पहली बार ऐसा बजट, जिसमें किसान का नाम तक नहीं ङ्क न सिंचाई, न खाद, न खेतिहर मज़दूर। यह चूक नहीं, राजनीतिक घोषणा है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के दौर में फ्रीबीज़ नहीं,बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपिटल एक्सपेंडिचर को प्राथमिकता दी गई है। ज़ोर तात्कालिक राहत पर नहीं,बल्कि दीर्घकालिक विकास, रोज़गार और आर्थिक मजबूती पर है. सार यही है,बाक़ी सब राजनैतिक प्रतिक्रियायें हैं । युवा शक्ति संचालित बजट गरीब, शोषित व वंचित समुदायों पर विशेष ध्यान के सरकार के संकल्प पर जोर देता है.कर्तव्य भवन में तैयार किया गया पहला बजट, जो तीन कर्तव्यों से प्रेरित है.पहला कर्तव्य है आर्थिक वृद्धि को तेज करना व बनाए रखना। दूसरा कर्तव्य है लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमता का निर्माण करना. तीसरा कर्तव्य सबका साथ सबका विकास के विज़न से जुड़ा है।

बजट के अनुसार नया आयकर अधिनियम, 2025; अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा, सरलीकृत आयकर नियम और फॉर्म जल्द ही अधिसूचित किए जाएगे. जुर्माना और अभियोजन को युक्तिसंगत बनाने के लिए प्रक्रियाओं की गुणात्मकता को कम करना जरूरी है.कुछ प्राथमिक सहकारी समितियों को प्राप्त रियायत को पशु खाद्य और कपास बीच तक विस्तारित किया जाएगा।

कैंसर की सत्रह दवाइयों का सस्ता होना

आम जनता को राहत : कैंसर की 17 दवाएं हुईं सस्ती, बैटरी और विमान ईंधन पर भी कस्टम ड्यूटी घटी

● विजेता संघवी

1 फरवरी है. देश की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाला दिन. आज संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण थोड़ी देर में 9वां केंद्रीय बजट पेश करेंगी. इस बजट से जहां टैक्सपेयर्स को राहत की उम्मीद है तो वहीं मिडिल क्लास से लेकर गांव-किसान की नजरें भी सरकार पर टिकी हैं. निवेशक इस बात पर टिके हैं कि सरकार ग्रोथ और वित्तीय संतुलन के बीच कैसा तालमेल बैठाती है. यह बजट ऐसे वक्त में आ रहा है जब एक तरफ देश की घरेलू मांग मजबूत बताई जा रही है तो दूसरी तरफ दुनिया में उथल-पुथल का माहौल है. अमेरिकी टैरिफ नीतियों और भू-राजनीतिक तनावों के बीच वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है।

बजट से ठीक पहले संसद में पेश इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ी तस्वीर रखी है. वर्किंग-एज आबादी का फायदा मिल रहा है, लेकिन हेल्थ और रोजगार की बड़ी चुनौती सामने है. आगामी वित्त वर्ष में 6.8त्न से 7.2त्न ग्रोथ का अनुमान है. घरेलू मांग मजबूत हुई है. फिलहाल, हर वर्ग जानना चाहता है कि क्या बजट 2026 में टैक्स स्लैब में बदलाव होगा? क्या रोजगार और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फिर जोर रहेगा? या ग्रामीण खर्च बढ़ाने वाला होगा?

राजकोषीय घाटा 4.3 प्रतिशत रखा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा 4.3 प्रतिशत रखने का लक्ष्य रखा है. उन्होंने कहा कि नया इनकम टैक्स एक्ट 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा और इसके फॉर्म्स जल्द ही जारी किए जाएंगे ताकि टैक्सपेयर्स नए नियमों से आसानी से परिचित हो सकें. छोटे टैक्सपेयर्स के लिए एक नई स्कीम पेश की जाएगी, जिसमें नियम-आधारित ऑटोमेटेड प्रक्रिया के जरिए लोअर या निल डिडक्शन सर्टिफिकेट आसानी से मिल सकेगा. मानव संसाधन सेवाओं की आपूर्ति अब टीडीएस के दायरे में आएगी और एलआरएस के तहत शिक्षा और चिकित्सा उद्देश्यों के लिए टीसीएस दर 2 प्रतिशत कर दी जाएगी.

बजट 2026ः कॉर्पोरेट जगत को राहत, मेट दर घटकर हुई 14 प्रतिशत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कंपनियों के लिए मिनिमम अल्टरनेट टैक्स (मेट) में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। अब मेट की दर 15त्न से घटाकर 14त्न कर दी गई है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि 1 अप्रैल, 2026 से मेट को 'अंतिम टैक्स' (फाइनल टैक्स) माना जाएगा। इसका मतलब है कि अब भविष्य में कोई मेट क्रेडिट नहीं मिलेगा और पुरानी क्रेडिट-ऑफसेट व्यवस्था खत्म हो जाएगी। सरकार का यह कदम टैक्स प्रक्रिया को सरल बनाने और विवादों को कम करने के लिए उठाया गया है।

चिकित्सा पर्यटन के लिए पांच केंद्रों की स्थापना में मदद करेगी सरकार

वित्त मंत्री ने कहा, भारतीय मूल के व्यक्ति को 'पोर्टफोलियो निवेश योजना' के तहत भारत की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में निवेश की अनुमति होगी. आत्मनिर्भर भारत कोष में 4,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जोड़ी जाएगी और अगले पांच वर्षों के लिए बायोफार्मा 'शक्ति' के लिए 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.

शिक्षा से रोजगार और उद्यम के क्षेत्र में एक उच्चस्तरीय स्थायी समिति गठित की जाएगी, जो विकसित भारत के मुख्य चालक के रूप में सेवा क्षेत्र पर केंद्रित उपायों की सिफारिश करेगी. वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूंजीगत व्यय लक्ष्य को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा।

सरकार चिकित्सा पर्यटन के लिए पांच केंद्रों की स्थापना में राज्यों की मदद करेगी और बजट में इसी के तहत पांच चिकित्सकीय पर्यटन केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है. लोथल और हस्तिनापुर सहित 15 पुरातात्विक स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव भी बजट में शामिल किया गया है. कुल सरकारी व्यय 2026-27 में 53.5 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है. पूर्वोत्तर क्षेत्र में मंदिरों और मठों को संरक्षित करने के लिए बौद्ध सर्किट के विकास की योजना शुरू की जाएगी. राजकोषीय घाटा 2026-27 में 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष में 4.4 प्रतिशत था.

आयुर्वेद के तीन नए एम्स

निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है और 41 प्रतिशत कर हस्तांतरण का फार्मूला बरकरार रखा गया है.

आयुर्वेद के तीन नए अखिल भारतीय संस्थानों की स्थापना की जाएगी. नगर निगम के बॉन्ड जारी करने पर 100 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन का प्रस्ताव रखा गया है.

खेल क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू किया जाएगा. एसएमई के लिए बजट में 10,000 करोड़ रुपये का कोष प्रस्तावित किया गया है. एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र में तेजी को देखते हुए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज को 15,000 माध्यमिक विद्यालयों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी 'कंटेंट क्रिएटर लैब' स्थापित करने में सहायता दी जाएगी.

'करीब 2.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए'

बजट 2026 में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि करीब 2.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आ चुके हैं. उन्होंने बताया कि राजकोषीय घाटा 2026-27 में 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि चालू वित्त वर्ष में यह 4.4 प्रतिशत है. सरकार ने कर्ज-जीडीपी अनुपात 2026-27 में 55.6 प्रतिशत रहने का प्रस्ताव रखा है, जो चालू वित्त वर्ष 56.1 प्रतिशत है.

वित्त मंत्री ने बजट में कार्बन अवशोषण और उपयोग योजना के लिए 20,000 करोड़ रुपये की घोषणा की है और पशु चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पताल और डायग्नोस्टिक लैब के लिए ऋण-संबंधित पूंजी सब्सिडी सहायता योजना का प्रस्ताव रखा है. उन्होंने क्लाउड सर्विसेज़ को 2047 तक टैक्स फ्री करने की व्यवस्था का ऐलान किया.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में बजट 2026 पेश करते हुए आयकर (Income Tax) ढांचे में कई महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की। सरकार ने एक ओर जहां टैक्स चोरी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं, वहीं छोटे करदाताओं और विदेश यात्रा करने वालों को बड़ी राहत भी दी है।

1. गलत जानकारी देने पर भारी जुर्माना- वित्त मंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि टैक्स नियमों का उल्लंघन अब महंगा पड़ेगा। उन्होंने घोषणा की कि यदि कोई करदाता अपनी आय की गलत जानकारी (मिसरेपोर्टिंग) देता है, तो उस पर टैक्स राशि का 100त्न जुर्माना लगाया जाएगा। यह कदम कर अनुपालन (ञ्जड्ड× कम्पलायंस) को और अधिक पारदर्शी और सख्त बनाने के लिए उठाया गया है।

2. विदेश यात्रा हुई सस्तीः टीसीएस दर में भारी कटौती- पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए सरकार ने विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाले टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) को घटाकर 2त्न कर दिया है। इससे पहले यह दर 5त्न से 20त्न के बीच थी। अब विदेश घूमना आम जनता के लिए काफी किफायती हो जाएगा।

3. किसानों को AI टूल और गर्ल हॉस्टलः बजट में एक साथ कई बड़े ऐलान

बजट में किसानों के लिए भारत विस्तार-्ढ्ढ एग्री टूल का ऐलान किया गया. इसके अलावा, हर जिले में एक गर्ल हॉस्टल बनाया जाएगा. केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव रखा. भारत को मेडिकल टूरिज्म हब के रूप में बढ़ावा देने के लिए राज्यों की मदद से देश में 5 क्षेत्रीय मेडिकल टूरिज्म हब स्थापित करने की योजना लाई जाएगी. सेवा क्षेत्र को विकसित भारत का प्रमुख इंजन बनाने के लिए 'एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइज' पर एक उच्चाधिकार प्राप्त स्थायी समिति गठित करने का प्रस्ताव है, जिसका लक्ष्य 2047 तक सेवाओं में भारत की 10 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है. यह समिति विकास, रोजगार और निर्यात की संभावनाओं को प्राथमिकता देगी और-्ढ्ढ समेत उभरती तकनीकों के रोजगार व कौशल पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर सिफारिशें देगी. निवेश को बढ़ावा देने के लिए विदेश में निवास करने वाले भारतीय नागरिकों (प्रोई) को पोर्टफोलियो निवेश योजना के तहत सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों के इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश की अनुमति दी जाएगी और उनकी निवेश सीमा 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है. विकसित भारत के लिए बैंकिंग सेक्टर को नई विकास यात्रा के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से बैंकिंग पर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का ऐलान किया गया है, जो वित्तीय स्थिरता, समावेशन और उपभोक्ता संरक्षण को ध्यान में रखते हुए व्यापक समीक्षा करेगी. पर्यावरण के अनुकूल यात्री परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर- मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी विकसित किए जाएंगे. इसके साथ ही 2026-27 में सार्वजनिक पूंजीगत खर्च बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया है।

सुविधा की राजनीति

अजित पवार का अंतिम संस्कार जिस दिन किया जा रहा था, मैं एक मराठी दोस्त के साथ उनकी अंतिम विदाई को टीवी पर देख रही थी। उनको विदा करने बड़ी संख्या में आए लोगों को जब देखा, तो आश्चर्य हुआ मुझे और अपने दोस्त से पूछा कि उनकी लोकप्रियता कैसे कायम रही, बावजूद इसके कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे। मेरे दोस्त ने कहा 'भ्रष्टाचार इतना है अब महाराष्ट्र में, बल्कि सारे देश में कि आम लोग मान गए हैं कि हमारे शासक भ्रष्ट हैं इसलिए उनके काम पर ज्यादा ध्यान देते हैं न कि उनके भ्रष्टाचार पर'। दुख हुआ इस बात को सुन कर।

याद आया कि जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, तो उन्होंने कहा था 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा' और उनकी इस बात को लेकर हम सब खुश हुए थे। तो भष्टाचार की इस मुसीबत को वे क्यों नहीं अभी तक समाप्त कर पाए हैं? सच बोला जाए, तो पिछले दशक में मैंने अपनी आंखों से देखा है किस तरह भ्रष्टाचार बढ़ता गया है हर साल और हर तरह से। महाराष्ट्र में इन दिनों चर्चा खूब हो रही है बड़े उद्योगपतियों के गलियारों में कि सरकारी ठेका हासिल करना हो किसी सड़क या पुल के निर्माण के लिए, तो पहले पैसा निकालना पड़ता है। फिर मिलता है ठेका। ऐसा कभी हुआ करता था सिर्फ बिहार जैसे पिछड़े राज्य में जहां से आए दिन खबर मिलती है किसी पुल के गिर जाने की, किसी नई सड़क के बरसात के कारण टूट जाने की। यकीन था मुझे कि महाराष्ट्र जैसे संपन्न, विकसित राज्य में महत्त्वपूर्ण सरकारी ठेकों में भ्रष्टाचार न के बराबर है।

आज हाल यह है कि गांव के सरपंच से लेकर इस राज्य के बड़े नेताओं तक भ्रष्टाचार इतनी बड़ी समस्या बन गया है कि हर दूसरे दिन कोई नया किस्सा सुनने को मिलता है। मेरा एक दोस्त है जो कोशिश कर रहा है मुंबई से कोई सौ किलोमीटर दूर एक छोटे गांव में कोठी बनाने के लिए।

सेहत की समस्याएं हैं उसको और उसके पोते को भी दमा है, तो जब

मुंबई की हवा बहुत प्रदूषित हो जाती है, तब उसके परिवारवालों को काफी तकलीफ होती है। हुआ यह कि जमीन खरीद कर उसने जब घर बनाना शुरू किया, तो गांव की पंचायत के कुछ लोग पहुंच गए घर का निर्माण रोकने। काफी पैसे देकर सुलह हुई, लेकिन कुछ दिन बाद फिर आ गए वही लोग पैसा मांगने। जब उसने इनकार किया, तो धमकाने लगे कि उसके परिवार को गांव में नहीं रहने देंगे।

मैं खुद महाराष्ट्र में समंदर किनारे गांव में

मैं सिर्फ एक बार मिली थी उनसे और राजनीति की कोई बात नहीं हुई, लेकिन जो उनको जानते थे अच्छी तरह, उनका कहना है कि वे अपने चुनाव क्षेत्र के लोगों से मिलने से कभी नहीं भागते थे और उनके पास जब भी कोई समस्या लेकर आता था, तो दिल लगा कर उसका समाधान ढूंढ़ने में लग जाते थे।

इस दौर में कुछ भी नहीं हो सकता है बिजली के बिना। न हमारे फोन चल सकते हैं, न कंप्यूटर और न ही एआइ सेवाएं उपलब्ध हो सकती हैं। एआइ के लिए बिजली और भी ज्यादा लगती है। यानी नुकसान होता है भ्रष्टाचार के कारण, लेकिन अपने देश में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी मजबूत और गहरी हो गई हैं कि शायद ही कोई राजनेता इस भ्रष्टाचार को समाप्त कर सकेगा निकट भविष्य में।

काफी समय बिताती हूं और देखते-देखते एक स्थानीय नेता को राजा बनते देखा है। जहां पहले उसका एक छोटा होटल था और कुछ थोड़ी बहुत जमीन। अब उसके पास करोड़ों की जमीन है और रहता है ऐसी शान से कि जैसे देश के सबसे धनवान उद्योगपति रहते हैं। चर्चा खूब होती है गांव के लोगों में उसके अचानक धनवान हो जाने की, लेकिन सब स्वीकार करते हैं कि आज के सब राजनीतिक ऐसे ही हैं। यहां तक कि सरपंच भी हर छोटे काम के लिए गलत तरीकों से पैसा कमाते हैं।

जब हाल यह है हर जगह, तो लोग ऐसे नेताओं का सम्मान करते हैं जो उनके लिए काम कर सकें। चाहे उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हों या न हों। अजित पवार पर लगे हर आरोप को उनके समर्थकों ने अनदेखा किया, इसलिए कि सुबह से देर शाम तक वह लगे रहते थे जनता की सेवा में। निजी तौर पर उनकी लोकप्रियता तब से इसी तरह बढ़ती रही, जब से उन्होंने राजनीति में कदम रखा था। लोकप्रिय थे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री। उनको आखिरी बार विदा करने इतने लोग आए कि जैसे बारामती का हर नागरिक पहुंच गया हो। उस हुजूम को देख कर मैं इस बात को स्वीकार करने पर मजबूर हुई कि इस %नए भारत% में लोग भ्रष्टाचार और परिवारवाद को अनदेखा करते हैं उन राजनीतिकों में जो उनके लिए काम करके दिखाते हैं। नुकसान होता है, तो सिर्फ देश का इसलिए कि जो पैसा हमारे राजनीतिक कमाते हैं गलत तरीकों से, वह पैसा भी तो जनता का ही है जो लग सकता था देश के विकास में न कि राजनीतिकों के परिवार के विकास में।

जिन देशों में भ्रष्टाचार कम होता है, उन देशों में लोगों के लिए वे सारी चीजें बन जाती हैं जिनकी सख्त जरूरत है किसी देश के विकसित होने के लिए। अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल, अच्छी सड़कें, साफ पीने का पानी घर के नल से और भरोसेमंद बिजली। इस दौर में कुछ भी नहीं हो सकता है बिजली के बिना। न हमारे फोन चल सकते हैं, न कंप्यूटर और न ही एआइ सेवाएं उपलब्ध हो सकती हैं। एआइ के लिए बिजली और भी ज्यादा लगती है। यानी नुकसान होता है भ्रष्टाचार के कारण, लेकिन अपने देश में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी मजबूत और गहरी हो गई हैं कि शायद ही कोई राजनेता इस भ्रष्टाचार को समाप्त कर सकेगा निकट भविष्य में। चाहे भ्रष्टाचार को समाप्त करने का उसका पक्का इरादा क्यों न हो। वह जमाना गया जब भारतीय जनता पार्टी अपने आपको 'अलग किस्म' की राजनीतिक पार्टी कहलाया करती थी। अब कड़वा सच यह है कि राजनीति के हमाम में सब एक जैसे ही हैं।

-तवलीन सिंह

बजट 2026

क्लाइमेट स्मार्ट खेती संग गैर-कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने से मजबूत होंगे गांव, बनेगा विकसित भारत

ग्रामीण भारत को सिर्फ खेती-बाड़ी तक सीमित नजरिये से देखने के बजाय समग्र रूप से देखना चाहिए। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में क्लाइमेट स्मार्ट खेती, सोलर ऊर्जा, माइक्रो-इरिगेशन और गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देकर गांवों की तस्वीर बदल सकती है। इस तरह, विकसित भारत का सपना पूरा करने में गांवों की बड़ी भूमिका हो सकती है। अब समय है कि हम सोच बदलें और ग्रामीण भारत को नई ऊर्जा दें। पढ़ें विस्तार से...

ग्रामीण भारत को अब केवल खेती-किसानी तक सीमित नजरिये से देखने का समय बीत चुका है। विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी, जब गांवों का विकास समग्र रूप से किया जाए। आने वाले वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों के सामने सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन से जुड़ी है, जो खेती को सीधे प्रभावित कर रहा है।

आज जरूरत है क्लाइमेट प्रूफ एग्रीकल्चर की - ऐसी कृषि व्यवस्था की, जो बदलते मौसम, सूखे और बेमौसम बारिश का सामना कर सके। इसके लिए विभिन्न मंत्रालयों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है, ताकि किसानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज और सटीक मौसम की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध हो सके।

दूसरी ओर, लगातार सिकुड़ते खेतों का आकार यह संकेत दे रहा है कि केवल खेती पर निर्भर रहकर ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षित नहीं की जा सकती। औसत किसान परिवार के पास एक एकड़ से कम जमीन है, जिससे गुजारा मुश्किल है। इसीलिए, भविष्य की बड़ी संभावना रूरल गैर-कृषि सेक्टर में दिख रही है, जहां स्थानीय कौशल (जैसे लकड़ी का काम, मिट्टी के बर्तन) पर आधारित स्टार्टअप्स गांवों में ही रोजगार सृजित कर सकते हैं और इन्हें वैश्विक बाजार से जोड़कर पलायन को रोक सकते हैं।

साथ ही, पानी और ऊर्जा के मोर्चे पर भी सोच बदलनी होगी। खेती में पानी का अंधाधुंध उपयोग एक गंभीर समस्या है। माइक्रो-इरिगेशन और सोलर पंप जैसे समाधान किसानों की लागत घटा सकते हैं। मुफ्त बिजली के बजाय सोलर पावर को बढ़ावा देना होगा। सोलर पंप न केवल बिजली बचाते हैं, बल्कि किसानों की लागत भी शून्य कर देते हैं। वर्तमान में हम अपनी क्षमता का बहुत छोटा हिस्सा ही उपयोग कर रहे हैं।

किसी भी सरकारी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे जमीन पर कौन लागू कर रहा है। पंजाब के मोगा जिले के %रणसिंहपुर% गांव का उदाहरण हमारे सामने है, जहां सरपंच के नेतृत्व ने पराली प्रबंधन का मॉडल पेश किया। जब तक ग्राम पंचायतें सक्रिय नहीं होंगी और सामुदायिक भागीदारी नहीं बढ़ेगी, तब तक बदलाव संभव नहीं है।

विकसित भारत का रास्ता गांवों से होकर गुजरता है। खाद्य सुरक्षा को पोषण सुरक्षा में बदलने और गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रभावी नीतियों, आधुनिक तकनीक तथा मजबूत सामुदायिक नेतृत्व का मेल ही ग्रामीण भारत को नई उम्मीद दे सकता है।

-प्रोफेसर प्रताप सिंह बिरथल,
(निदेशक, आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली)

फरवरी में बढ़ेगी गर्मी, रबी फसलों पर मंडराया खतरा

उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान सामान्य से अधिक, बारिश औसत से कम रहने का अनुमान

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने फरवरी महीने के लिए जारी मासिक पूर्वानुमान में चेतावनी दी है कि इस साल देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है, जबकि बारिश औसत से कम होने की संभावना है। खासतौर पर उत्तर-पश्चिम भारत में कम बारिश और बढ़ते तापमान से रबी की खड़ी फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई गई है। आईएमडी के अनुसार पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में फरवरी के दौरान अधिक तापमान के कारण रबी फसलों की वृद्धि तेज हो सकती है। इससे गेहूं और जौ जैसी फसलें समय से पहले पक सकती हैं, जिसे जबरन पकाव कहा जाता है। इसका नतीजा बालियों का आंशिक रूप से बंजर होना और दानों का हल्का रहना हो सकता है, जिससे कुल पैदावार घटने की आशंका है। सरसों, चना, मसूर और मटर जैसी फसलों में सामान्य से अधिक तापमान जल्दी फूल आने और समय से पहले पकने का कारण बन सकता है। इससे फलियां पूरी तरह विकसित नहीं होंगी और बीज छोटे रह सकते हैं। साथ ही गर्म मौसम में एफिड्स और अन्य चूसने वाले कीटों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आलू, प्याज, लहसुन, टमाटर, फूलगोभी और बंदगोभी जैसी सब्जियों में अधिक तापमान कंद, फूल और फल विकास को प्रभावित कर सकता है। फलों में आम, सिट्रस, केला और अंगूर में जल्दी फूल आने, असमान फल लगने और फल झड़ने की संभावना बढ़ सकती है। आईएमडी ने बताया कि उत्तर भारत में बोया गया 80 प्रतिशत से अधिक गेहूं गर्मी सहन करने वाली किस्मों का है और सिंचाई सुविधाएं भी बेहतर हुई हैं। इसके बावजूद किसानों को मौसम के अनुसार फसल प्रबंधन और कृषि विभाग की सलाह पर अमल करने की जरूरत है।

तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी के दाम 49 रुपए बढ़ाए

नई दिल्ली। एजेंसी। तेल कंपनियों ने रविवार को 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 49 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर 1,740.50 रुपये में मिलेगा। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलो) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस फैसले से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और कैटरिंग कारोबार से जुड़े लोगों पर सीधा असर पड़ा है। गैस महंगी होने से खाना बनाने की लागत बढ़ गई है, जिससे कारोबारियों की परेशानियां फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी तेल कंपनियां कमर्शियल गैस की कीमतें बढ़ा चुकी हैं। पिछली बार 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 111 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत 1,580.50 रुपये से बढ़कर 1,691.50 रुपये हो गई थी। हालांकि बीते कुछ महीनों में कमर्शियल गैस के दाम अपेक्षाकृत नरम रहे थे। अप्रैल 2025 से अब तक छह बार कीमतों में कटौती की गई थी और कुल मिलाकर 223 रुपये तक की राहत मिली थी। लेकिन अब लगातार बढ़ोतरी से एक बार फिर कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है।

बजट से पहले सोना-चांदी रिकॉर्ड स्तर से बुरी तरह टूटे

नई दिल्ली। एजेंसी। आम बजट 2026 के पेश होने से पहले रविवार 1 फरवरी को घरेलू वायदा बाजार में विशेष ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया गया। बाजार खुलते ही सोने और चांदी के वायदा भाव में जोरदार बिकवाली देखने को मिली। पिछले सप्ताह गुरुवार को रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद शुक्रवार से ही दोनों धातुओं में तेज गिरावट का सिलसिला जारी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 4,489 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,164 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 13,468 रुपये टूटकर 1,36,185 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान सोने ने 1,46,800 रुपये का उच्च स्तर और 1,36,185 रुपये का निचला स्तर छुआ। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वकालिक उच्च स्तर बनाया था। वहां से अब तक सोना करीब 44,600 रुपये यानी लगभग 24.66 फीसदी गिर चुका है। चांदी के वायदा भाव भी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर मार्च कॉन्ट्रैक्ट 7,099 रुपये की गिरावट के साथ 2,84,826 रुपये प्रति किलो पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें और कमजोरी आई और यह 26,273 रुपये गिरकर 2,65,652 रुपये तक फिसल गया। दिन का उच्च स्तर 2,84,826 रुपये और निचला स्तर 2,65,652 रुपये रहा। पिछले महीने चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलो का रिकॉर्ड बनाया था, जहां से यह अब तक करीब 1,54,396 रुपये यानी 36.75 फीसदी टूट चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रिकॉर्ड तेजी के बाद मुनाफावसूली हावी है। हालांकि रविवार को कॉमेक्स बाजार बंद रहा। पिछले सप्ताह गुरुवार को सोना 5,586.20 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था, लेकिन अगले ही दिन यह गिरकर 4,700 डॉलर तक आ गया। इसी अवधि में चांदी भी 121.79 डॉलर से फिसलकर 74 डॉलर प्रति औंस के निचले स्तर तक पहुंच गई।

ईरान और अमेरिका के बीच जंग हुई तो खतरे में पड़ जाएगी दुनिया की अर्थव्यवस्था

तेहरान। एजेंसी। मिडिल ईस्ट इस समय एक बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती तल्खी ने युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है। दोनों देशों के बीच जुबानी जंग अब सैन्य शक्ति प्रदर्शन में तब्दील हो चुकी है। ईरान ने स्पष्ट लहजे में कहा है कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मूज पर उसकी पकड़ मजबूत है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, अमेरिका ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में किसी भी असुरक्षित या उकसावे वाली कार्रवाई को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। इस बढ़ते टकराव के बीच अरब देशों, अरब लीग और कई वैश्विक शक्तियों ने चिंता जताई है कि यदि हालात बिगड़े, तो इसका खामियाजा सिर्फ मिडिल ईस्ट को ही नहीं, बल्कि पूरी

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बजट के कारण रविवार को खुला रहा पर इस विशेष कारोबारी सत्र में भारी गिरावट रही। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट 2026 भाषण शुरु होते ही बाजार गिरने लगा और अंत तक यही स्थिति रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1546.84 अंक की गिरावट के साथ ही 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) अंत में 495.20 अंक टूटकर गिरकर 24,825.45 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनसार बजट में सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को ब ?ाने की घोषणा से बाजार में गिरावट आई है क्योंकि इससे विदेशी निवेशकों में बिकवाली की आशंका बढ़ गयी। इससे बेंचमार्क इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा गिर गए। इसके साथ ही मेटल स्टॉक्स में भारी बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कमोडिटी फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी करने की घोषणा की है।

प्रस्ताव के तहत ऑप्शंस प्रीमियम पर एसटीटी को 0.1 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी कर दिया गया है। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई का शेयर सबसे ज्यादा गिरा। इसमें 5.61 फीसदी की गिरावट रही। वहीं अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, मारुति, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर टीसीएस लगभग 2 फीसदी उछलकर बंद हुआ। इसके अलावा इंफोसिस, सन फार्मा और टाइटन के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2.24 फीसदी नीचे आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.73 फीसदी गिरा। आज आईटी को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स में बिकवाली हावी रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 5.57 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी मेटल 4.05 फीसदी, ऑटो 2.09 फीसदी, बैंक 2 फीसदी, फाइनेंशियल सर्विसेज 2.31 फीसदी, एफएमसीजी 2.29 फीसदी, रियल्टी 2.22 फीसदी नीचे आये। वित्त मंत्री ने कहा कि हम विकसित भारत के विजन की तरफ काम करते रहेंगे। हम ग्लोबल मार्केट के साथ लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट के विजन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि हम दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की तरफ बढ़ रहे हैं।

लिथियम-आयन सेल बनाने में उपयोगी पूंजीगत वस्तुओं पर कर छूट बढ़ाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय बजट 2026-27 में बैटरी और सौर ऊर्जा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने कहा है कि बैटरी के लिए लिथियम-आयन सेल के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली पूंजीगत वस्तुओं पर मूल सीमा शुल्क में छूट का विस्तार किया जाएगा। इसके अलावा सौर कांच के निर्माण में प्रयुक्त सोडियम एंटी मोनेट के आयात पर भी मूल सीमा शुल्क में छूट देने का प्रस्ताव रखा गया है। बजट में भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण के लिए आवश्यक पूंजीगत वस्तुओं के आयात पर मूल सीमा शुल्क से छूट देने का भी प्रस्ताव है। इससे देश में खनिज आधारित उद्योगों और निर्माण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि बायोगैस मिश्रित सीएनजी पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की गणना करते समय बायोगैस के संपूर्ण मूल्य को बाहर करने का प्रस्ताव है। इससे बायोगैस आधारित ईंधन सस्ता और प्रतिस्पर्धी होगा, और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। सरकार दुर्गापुर में एक सुव्यवस्थित केंद्र के साथ एक एकीकृत पूर्वी तट औद्योगिक गलियारा विकसित करेगी। इसके अलावा पांच पूर्वोदय राज्यों में पांच पर्यटन स्थलों के निर्माण और पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध स्थलों के लिए 4,000 ई-बस उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। बजट में भारत में निर्मित वस्तुओं या कम आयात वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क छूट समाप्त करने का प्रस्ताव भी रखा गया है, जिससे घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और आयात निर्भरता कम होगी।

जनवरी 2026 में जीएसटी संग्रह 1.93 लाख करोड़, मजबूत बढ़ोतरी जारी

जीएसटी कलेक्शन में 6.2 फीसदी की वार्षिक बढ़ोतरी

नई दिल्ली। एजेंसी। जनवरी 2026 में भारत का कुल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 1.93 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 6.2 फीसदी अधिक है। यह दिसंबर 2025 के 1.75 लाख करोड़ रुपये से भी ऊपर है। शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 7.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुल जीएसटी रिफंड में 3.1 फीसदी की गिरावट हुई और यह 22,665 करोड़ रुपये पर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, रिफंड में कमी के बावजूद कर संग्रह में स्थिरता आर्थिक गतिविधियों और मजबूत टैक्स कलेक्शन को दर्शाती है। जनवरी में तंबाकू उत्पादों से उपकर 5,768 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष जनवरी के 13,009 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है, क्योंकि सरकार ने सितंबर 2025 से विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर उपकर घटा दिया और केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर क्षतिपूर्ति उपकर लागू किया। घरेलू लेनदेन से जीएसटी संग्रह 4.8 फीसदी बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि आयात से राजस्व 10.1 फीसदी बढ़कर 52,253 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के बावजूद टैक्स कलेक्शन मजबूत बना हुआ है। दिसंबर 2025 में कुल जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें नेट जीएसटी 1.45 लाख करोड़ रुपये था। घरेलू जीएसटी 1.22 लाख करोड़ और आयात जीएसटी 51,977 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इस अवधि में रिफंड 28,980 करोड़ रुपये तक पहुंचा। विश्लेषक मानते हैं कि जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद संग्रह में तेजी से आर्थिक मजबूती और कर प्रशासन की दक्षता दर्शाती है।

मेष- आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है। आप अपने किसी काम को लेकर यदि लंबे समय से परेशान थे, तो वह भी पूरा हो सकता है। जीवनसाथी से चल रही अनबन भी बातचीत के जरिए दूर होगी और आप दोनों एक-दूसरे के साथ समय बिताएंगे, जिससे आप अपने आगे के भविष्य को लेकर भी बातचीत करेंगे। राजनीति में कदम बढ़ा रहे लोगों को कोई नया पद मिल सकता है, जिससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

वृषभ- आज आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके व्यवसाय के लिए बेहतर रहेंगी, लेकिन किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। संतान नौकरी में प्रमोशन आदि मिलने से कहीं बाहर जा सकती है। आपको अपने किसी पुराने प्यार से मुलाकात होगी, लेकिन आप उनसे रिश्ते में आगे बिल्कुल ना पड़ें। यदि आपने बैंक से कोई लोन अप्लाई किया था, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा।

मिथुन- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी और आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। संतान की नौकरी को लेकर आप कोई फार्म भरवा सकते हैं, लेकिन नौकरी से संबंधित किसी काम में आप आज अपने जूनियर से मदद ले सकते हैं। आप अत्यधिक काम रहने के कारण थकान आदि का अनुभव करेंगे। आपकी भाई-बहनों से खूब पटेगी और किसी सदस्य के विवाह को लेकर भी आप अपने मित्र से बातचीत करेंगे।

कर्क- आज का दिन वैवाहिक जीवन जी रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको अपनी माताजी से किए हुए वादे को पूरा करना होगा और किसी नई प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त की योजना आप बनाएंगे, जिसमें आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह अवश्य करें। आपके मन में काम को लेकर नए-नए आइडिया आएंगे, जिससे आपका बिजनेस पहले से बेहतर रहेगा और आप अपने बॉस से दिल जीतने में कामयाब रहेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएंगे, जिससे आपको अपने रिश्तों को बेहतर करने का मौका मिलेगा। आप लंबे समय से किसी बिजनेस डील को लेकर यदि परेशान थे, तो वह फाइनल हो सकती हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, क्योंकि आपको किसी पैतृक संपति की भी प्राप्ति होगी और आपकी इन्कम बढ़ने से आपको खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। जीवनसाथी को भी आप कुछ मनचाही चीजों पर खरीदारी करेंगे, लेकिन आपको कोई इंवेस्टमेंट थोड़ा समझदारी दिखाते हुए करना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आप कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें। किसी पार्टी आदि में जाने का आपको मौका मिलेगा। वहां आप किसी से कोई बात सोच समझकर बोले। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। वाहनों का प्रयोग आपको थोड़ा सावधान रहकर करने की आवश्यकता है। आपको अपने किसी मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आप अपनी सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतें, इसलिए अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल करने की कोशिश करें। आपको किसी काम को लेकर अक्समात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बिजनेस संबंधित यदि कोई समस्या चली आ रही थी, तो वह भी आपके भाइयों की मदद से दूर होगी।

धनु- आज आपकी कोई मन की इच्छा पूरी न होने से आप परेशान रहेंगे और आपका मन काम करने में भी नहीं लगेगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह सलाह लेने से बचें और परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर आपको भागदौड़ करनी होगी। आपको किसी बात को लेकर जीवनसाथी से वाद-विवाद में नहीं पड़ना है, नहीं तो इससे आपके रिश्ते में खटास उत्पन्न होगी। कार्यक्षेत्र में भी कोई विरोधी आपके खिलाफ षड्यंत्र रच सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके बिजनेस में अच्छा लाभ मिलने से खुशी होगी और आपका डूबा धन भी आपको मिल सकता है। रोजगार की तलाश में भटक रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन होगा, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, क्योंकि उन्होंने यदि परीक्षा को दिया था, तो उसका परिणाम आ सकता हैं। आप किसी काम को लेकर धन उधार बिल्कुल ना लें और किसी नई नौकरी के लिए आप अप्लाई कर सकते हैं, जो आपको आसानी से मिल जाएगी।

मीन- आज आपके मन में काम को लेकर उथल-पुथल रहेगी, क्योंकि आपके बिजनेस में उतार-चढ़ाव लगे रहेंगे। यदि कोई पार्टनरशिप की थी, तो पार्टनर से आपको धोखा मिल सकता है, इसलिए आप अपनी आंख और कान खुले रखें। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा।

शब्दजाल - 8158

शब्द जाल में 10 खनिजों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	अ	मे	बॉ	क्सा	इ	ट	मैं	र	प	गो
न	का	क	अ	भ्र	क	ने	ग	ति	मा	यू
डो	दा	र	ला	मा	ग	अं	नी	ह	प	रे
ज	लो	ल	का	को	न	स	ज	ह	लि	नि
त	अ	मा	र	न	य	मे	ह	तां	न	य
अ	ना	का	इ	व	प	ला	त	बा	र	म
ग	ही	लौ	मा	ट	अ	ला	को	मा	न	ग
र	रा	भा	ह	न	प	स	र	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	अ	का	र	ण्ड	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	य	क	म	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स्क	त्ता	प	र	र

बॉक्साइट, अभ्रक, यूरेनियम, कोयला, तांबा, डोलोमाइट, मैंगनीज, हीरा, लौह अयस्क, कोरण्डम

शब्दजाल - 8157 का हल

म	ज	य	पु	र	व	दौ	ज	ग	ल	चि
रा	वि	ली	प्रे	क	प	सा	द	ज	कां	त्तो
चु	मे	ष	बा	दी	छ	मि	उ	ब	वृ	ड़
गं	गा	न	ग	र	जो	स	द	ल	ष	ग
बी	अ	ज	मे	र	च	ध	य	न	भी	ढ़
का	ल	न	र	रा	क	ल	पु	ण	ल	र
ने	सिं	जै	ग	ट्रे	न	र	र	र	वा	स
र	ह	ज	स	द	अ	क	फ	चो	झ	क
रा	म	तु	ला	ल	ज	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	मे	र	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	र	र	य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 33 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 01.53 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 22.48 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 07.21 बजे तदनन्तर सौभाग्य 04.46 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बालव 14.42 बजे तदनन्तर कौलव 01.53 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 16° 52' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872608 **जूलियन दिन** 2461073.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 13

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.21 बजे से
चंद्र	कर्क में	मीन	08.53 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.24 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.02 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.16 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.32 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.44 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.54 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	वृश्चिक	01.09 ब.से
		धनु	03.25 बजे से
		मकर	05.30 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: चमत्कारी पौधा

एक थका-हारा भिखारी एक गांव में आया। उसने दो दिन से कुछ नहीं खाया था। पेट में बैठी भूख ने उसको एक सुझाव दिया। भिखारी को जो भी आदमी मिलता उसके कान में कहता- मैं एक ऐसे चमत्कारी पौधे के बारे जानता हूं जो ऐसे आदमी में भी जान डाल सकता है तो कब्र में जाने ही वाला हो। मैं उसका रहस्य आपको बता सकता हूं। एक अमीर आदमी से जब उसने यह बात कही तो उसने उसे अपने घर पर बुलाया। उसको बढ़िया खाना खिलाया। जब खाना पूरा हो गया तो अमीर आदमी ने उसको वायदे की याद दिलाई। मेहमान बने भिखारी ने कहा, आइए मेरे साथ। वह पौधा आपके इस गांव में ही है। वे दोनों साथ-साथ निकले। जब गांव के कुछ ही बाहर निकले तो भिखारी ने उस आदमी को धान के खेत की ओर इशारा किया- यह रहा वह चमत्कारी पौधा। अमीर आदमी ने पूछा- क्या? धान? तुम मजाक कर रहे हो क्या? नहीं, बिल्कुल नहीं। अगर आपके घर मैंने अभी धान नहीं खाया होता तो मैं अब तक मर गया होता। भिखारी ने अपनी बात समझाई। अमीर आदमी उसकी चालाकी पर गुस्साया तो वह धूर्त भाग खड़ हुआ।

फिल्म वर्ग पहेली - 7102

1	■	2		3	■	4	5		6
7			■	8		■		■	
	■	9	10		■	11	■	12	
■	13	■		■	14		15	■	
16		17	■	18		■	19		■
	■	20		■	21	22		■	23
■	24		■	25	■		■	26	
27	■	28	29		30	■	31	■	
32		■		■	33			■	
	■	34				■	35		

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३

४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२

७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३

८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२

९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३

१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२

१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३

१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३

१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२

१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२

२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२

२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३

२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२

२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२

२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४

३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२

३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३

३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४

३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३

२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३

३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३

५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२

६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४

१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२

११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२

१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२

१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३

१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३

१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२

१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४

२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२

२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२

२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२

२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३

२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३

३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३

३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7101

रि	प्यू	जी	■	बे	मि	सा	ल	■	क
शि	■	न	म्र	ता	■	या	■	फ	र्ज
ता	क	त	■	बी	ना	■	सु	र	■
■	र्त	■	श	■	स्ति	■	■	दी	पा
दि	व्य	श	क्ति	■	क	न्या	दा	न	■
ल	■	ग	■	रो	■	■	ग	■	ई
से	ह	ग	■	श	र्मी	ली	■	घा	त
■	थि	■	स	नी	■	ला	ग	■	का
द	या	वा	न	■	पॉ	■	जा	लि	म
स	र	■	म	न	च	ली	■	सा	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7411

★★★ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7410 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 8626

■	1		■	2	3		4	5
6		■	7			■	8	
9		10	■	11			■	
■	12		13	■		■	14	
15	■	16				17	■	
18		■		■	19		20	■
	■	21		22	■	23		24
25	26	■	27			■	28	
29			■		■	30		■

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8625 का हल

■	क	वि	ता	■	क	या	स	■
भ	ला	■	क	■	री	■	ही	न
र	■	म	त	ल	ब	■	■	ह
म	द	द	■	क्ष	■	फि	तू	र
■	■	भ	क	■	र्शी	त	■	■
से	हा	ग	■	यं	■	र	ज	त
ह	■	■	ज	हा	ल	त	■	मी
त	ल	■	मा	■	की	■	आ	ज
■	ब	हा	ब	■	र	वा	ना	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

विशाल रैली के साथ दुल्हापुर में हुआ मानव धर्म भव्य सेवक सम्मेलन

चार तत्व, तीन शब्द, पांच नियम का पालन करना ही भगवत प्राप्ति का मार्ग है

पद्मेश न्यूज। लांजी।

परमात्मा एक सेवक समिति मंडल लांजी के तत्वावधान में भगवान बाबा हनुमान के सेवक-सेविकाओं द्वारा 31जनवरी को मानव मंदिर प्रार्थना स्थल बालाघाट रोड़ दुलापुर में मानव धर्म के संस्थापक महानत्यागी बाबा जुमदेवजी एवं भगवान बाबा हनुमानजी की कृपा से मानव जनजागृति, अंधश्रद्धा, व्यसन मुक्ति, भ्रूणहत्या के प्रति जागृत करना एवं भगवन प्राप्ति करने वाले तत्व शब्द, नियमों का पालन कराने मानव को मानवता का मार्ग दिखाने वाले एक भगवान का सामुहिक हवन कार्य एवं भव्य सेवक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के तहत प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक मानव मंदिर भवन में सामुहिक हवन कार्य संपन्न कराया गया। इसके उपरान्त प्रातः 9 बजे से प्रमुख मार्गदर्शक हिम्मत किरमें के निवास स्थान सुन्दरटोला से बाबा हनुमानजी एवं बाबा जुमदेवजी की प्रतिमाओं को रथ में रखकर बैंड बाजे के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में लांजी, बालाघाट, बैहर, रायपुर, गोंदिया, गढ़चिरौली, ब्रम्हपुरी, नागपुर एवं क्षेत्र के ग्रामों से आये परमात्मा एक सेवक समितियों के सेवक सेविकाएं अपने गांवों से डीजे एवं बेंड बाजे के साथ हजारों की संख्या में पहुंचकर डीजे की धून पर थिरकते हुए विशाल मानव श्रृखला बनाये रैली के रूप में शामिल हुये।

हजारों की संख्या में सेवक सेविकाएं पहुंचे मानव मंदिर

परमपूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल लांजी के तत्वावधान में ग्राम दुलापुर स्थित मानव मंदिर प्रार्थना स्थल, दुलापुर में भव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे, रामदास माथुरे रामटेक, युवराज टेम्भरे, सी एल डोले रायपुर के मुख्यातिथ्य में व चमनलाल सहारे की अध्यक्षता में तथा उद्घाटक अशोक नारायण नन्दनवार, के आर अगासे, जैराम जी महाजन, कार्यक्रम के संरक्षक एच टी किरमे, सुन्दर लाल पांचे, धनीराम कावरे, प्यारेलाल नौखरे, तथा कार्यक्रम के संचालक नान्हूराम तेलासकर, रूपचंद खरे, कमल चंद्र जामरे, प्रमुख अतिथि के आर नखाते, मोरेश्वर भरझाड़े, निशिष दुलपचारे, सतीश बंधारे के आतिथ्य में एवं कमलचंद जामरे, गनपतराव पंजरे, प्रमुख अतिथि के आर नखाते, मोरेश्वर भरझाड़े, निशिष दुलपचारे, सतीश बंधारे, संतोष चोरनेले, गिरीश पारधी, ओमकार मंडलवार, सुनील नेताम, राजू पांचे, नन्दू राउत, ओमप्रकाश जोशी, पप्पू उपराड़े, प्रहलाद पारधी, पिन्टू लिल्हारे, तुलाराम कोहपरे, बलवीर संभलकर, युवराज केलजकर, गोविंद राव नाकतोड़े, दलसिंह मरकाम, कमलेश मेरावी, अंतूलाल हरिनखेड़े, रूमेश पंद्रे, रामप्रसाद नागफांसे, ओमप्रकाश मरावी, सुधा किरमे, सुषमा उइके, सकुनबाई वरकड़े, हेमलाल बिसेन, पुष्पा जांमरे सहित अतिथिगणों की उपस्थिति में मंचासीन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिन्होंने बारी बारी से अपने विचार व्यक्त किए एवं इस मार्ग में आने के पूर्व एवं बाद के अपने अनुभवों को साझा किया। इस दौरान 12 वी कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मार्ग से जुड़े परिवार के बच्चों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। इस दौरान सर्वप्रथम बाबा हनुमान एवं बाबा जुमदेव के छायाचित्र पर उक्त समस्त अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण किया गया तदोंपरात संगीतमय कार्यक्रम के तहत परमात्मा एक भजन संध्या आर्केस्ट्रा ग्रुप लांजी द्वारा प्रस्तुती दी गई साथ ही मानव जनजागृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

सत्य मर्यादा प्रेम से चलने ही मानव धर्म है-हिम्मत किरमे

कार्यक्रम के दौरान परमात्मा एक सेवक मण्डल लांजी के अध्यक्ष एचटी किरमे ने कहा कि भगवान बाबा जूमदेव जी ने अपना पूरा जीवन इसमें समर्पित किया और बता दिया भगवान मंदिर एवं मस्जिद में नहीं है भगवान तो मानव के पास है। मानव क्या क्या कर्म करता है उसके कर्मों से दिखता है। बाबा ने कहा कि तू मानव मानवता से चल, सत्य, मर्यादा, प्रेम का आचरण कर और तमाम बुराइयों को दूर कर, जो विकार है वो निराकार नहीं होता। आज हमनें इस धर्म में लाकर विकारों को दूर किया, जिससे आज इतने लोग हमारे साथ है। परमात्मा एक सेवक इतने लोग यहां आए यह हमारी एकता की पहचान है। यह एकता मानव धर्म की भी पहचान है। हमारा उद्देश्य होता है कि मानव को मानवता के प्रति जागरूक करना। इस मार्ग पर जो दैवीय शक्ति प्राप्त हुई है वह हमेशा के लिए जागृत है, वह आत्मा को चैतन्य बनाती है, इसलिए इस मार्ग पर आने वाले लोगों के कष्ट दुःख एक पल में नष्ट होते हैं।सत्य मर्यादा प्रेम से चलना यही इस मार्ग का उद्देश्य है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में कैरियर मेला का आयोजन

छात्र छात्राओं को कैरियर आधारित विशेष विषयों पर दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग के द्वारा निर्देशित सभी शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों में कैरियर मार्गदर्शन या कैरियर मेले का आयोजन किया जा रहा है ताकि कक्षा 9 से लेकर 12वीं तक के छात्र छात्राऐं यह जाने की आगे हमे किस क्षेत्र में कार्य करना है कौनसे विषय लेकर अध्ययन करना, हमारा लक्ष्य

हमारा गोल क्या हो सकता है। इन सभी के लिये विद्यालयो में प्रत्येक क्षेत्र से संबधित अतिथियों को आमंत्रित किया जाता है ताकि वे अपने अपने क्षेत्र के विषय में तथा छात्र छात्राओं को जानकारी प्रदान कर सके ताकि जब वे उच्च शिक्षा में कदम रखेंगे तो उन्हे उपयोगी साबित होगा। इसी कड़ी 31 जनवरी को लांजी विकास खण्ड के अन्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला मे कैरियर मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बहेला थाना प्रभारी रामकुमार रघुवंशी, मप्र ग्रामीण बैंक शाखा प्रबंधक पौनीकर जी, प्राचार्य गणेश फरदे, संस्था के शिक्षक श्रीमती रीता अजनार, सुश्री आशू बोरकर, चन्द्र कुमार सोनी, सुखदेव रहांगडाले, बी. आर. लिल्हारे, प्रेमानंद लिल्हारे, चन्द्र प्रकाश लिल्हारे, देवेन्द्र लिल्हारे आदि शिक्षक उपस्थित रहे। सर्वप्रथम प्राचार्य गणेश फरदे द्वारा अतिथियों का पुष्पमाला द्वारा स्वागत किया गया है। थाना प्रभारी राम कुमार रघुवंशी ने कैरियर के संबंध में जानकारी दी तत्पश्चात ग्रामीण बैंक बहेला के मेनेजर पौनीकर जी ने बैंकिंग सेक्टर से संबंधित जानकारी से छात्रों को अवगत कराया इसी क्रम में संस्था की उच्च माध्यमिक शिक्षिका श्रीमती रीता अजनार जो अभी अभी सहायक प्राध्यापक के लिए चयनित हुई है ने कैरियर के संबंध में सारगर्भित जानकारी दी। सुश्री आशू बोरकर मेडम ने कैरियर के संबंध में बताया कि आगे किन किन क्षेत्रों में अपना कैरियर बना सकते हैं। कार्यक्रम में व्यावसायिक प्रशिक्षक प्रेमानंद लिल्हारे, चन्द्र प्रकाश लिल्हारे, देवेन्द्र कुमार लिल्हारे ने भी कैरियर मेला के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्था के शिक्षक श्रीमती रेखा लिल्हारे, सुखमन खुलासे, संतोष कुमार कुराहे, धनेन्द्र कुमार मरकाम, सुमंत कुमार कार्तिकेय, श्रीमती डिलेश्वरी फरदे, शिवनारायण दहीकर, गोविंद भोयर, भेरसिंह लिल्हारे, युगेश गिरेपुंजे, पंकज खरें, रामनिवास अवसरे श्रीमती ज्योति मोहारे, शीला ढोके, रोशनी अवसरे,पुष्पा लिल्हारे, जैशिला दशरिया, माया तुरकर, महिमा जड़ें, शशिकला कुराहे, डालेंद्र दशरिया, राजेंद्र दशरिया, रविशंकर मेहरकर, संकेत वासनिक, दुर्योधन लिल्हारे आदि सभी शिक्षकों की उपस्थिति रही। अंत में बी. आर लिल्हारे द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, छात्रों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया । कार्यक्रम का सफल संचालन सुखदेव रहांगडाले, डालीराम उपराड़े एवं धनेन्द्र मरकाम द्वारा किया गया।

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कारंजा में कॅरियर मार्गदर्शन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्यार्थियों की सुप्त प्रतिभाओं को जागृत कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए वैचारिक, शैक्षणिक एवं व्यावहारिक रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कारंजा में 'कॅरियर मार्गदर्शन 2026' शिविर का अत्यंत भव्य, अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक ज्ञान-सत्र विद्यालय के प्राचार्य आर.के. घोरमारे की गरिमामयी अध्यक्षता एवं कैरियर प्रभारी व नोडल अधिकारी वाय.के. राहांगडाले के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 12:00 बजे विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का औपचारिक एवं भावभीना स्वागत कर शिविर की उद्देश्यपूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इस सम्पूर्ण बौद्धिक व प्रेरणादायी सत्र का सशक्त, ओजस्वी और अनुशासित संचालन आर.के. चौधरी (उच्च माध्यमिक शिक्षक) द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी प्रभावी शैली से विद्यार्थियों में निरंतर उत्साह बनाए रखा।

मार्गदर्शकों का अमृत-पाथेय (विशेषज्ञ विचार)

शिविर में विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी एवं प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने अनुभवों और ज्ञान का सार विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया मुख्य अतिथि सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय किरनापुर डॉ. पल्लवी रिन्हायत आपने उच्च शिक्षा के विविध आयामों पर प्रकाश डालते हुए सेना में एन.डी.ए. के माध्यम से लेफ्टिनेंट बनने, विशेष रूप से महिला विद्यार्थियों सहित सभी छात्र-छात्राओं को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन एवं निरंतर स्वाध्याय द्वारा शिखर तक पहुँचने की प्रेरणा दी। डॉ. दीनदयाल चचाने क्रीड़ा अधिकारी ने खेल को केवल मनोरंजन न मानकर अनुशासन, नेतृत्व और उज्वल करियर का सशक्त माध्यम बताते हुए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेल अवसरों की जानकारी दी। शशांक नेवारे सहायक प्राध्यापक ने गणित के प्रति व्याप्त भय को दूर कर उसे तार्किक क्षमता और प्रतियोगी परीक्षाओं की सफलता की कुंजी बताया। सौरभ मसूरकर कृषि विस्तार अधिकारी आधुनिक कृषि, तकनीकी नवाचार और स्वरोजगार के व्यापक अवसरों को उजागर करते हुए कृषि को भविष्य की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का आधार बताया। शिविर में विद्यालय के समस्त शिक्षकवृंद एवं विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं तन्मयता से सहभागिता की। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने अपने करियर से संबंधित जिज्ञासाएँ विशेषज्ञों के समक्ष रखीं, जिनका व्यावहारिक, तार्किक और प्रेरणादायी समाधान प्राप्त हुआ। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य आर.के. घोरमारे ने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति एकाग्रता, कठोर परिश्रम और अटूट लगन को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए निरंतर आगे बढने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नोडल अधिकारी वाय.के. राहांगडाले ने सभी अतिथियों, मार्गदर्शकों, शिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

क्षेत्रीय पंवार संगठन ने मनाया चक्रवती सम्राट राजा भोज की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्रीय पंवार संगठन के द्वारा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में चक्रवती सम्राट राजा भोज जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी लांजी संगठन के द्वारा 1 फरवरी को नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में समाज के सभी पदाधिकारी गण एवं सामाजिक गणों की गरीमामयी उपस्थिती में चक्रवती सम्राट राजा भोज जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप क्षत्रीय पंवार समाज संगठन के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन, ब्लॉक लांजी अध्यक्ष महेन्द्र पटले, धनीराम सोनवाने नेहल गौतम, देवेश ऐडे, रूपकुमार बिसेन, राहुल बिसेन, पंकज चौधरी, कुलदीप सोनवाने, नीलकण्ठ ठाकरे, नगर अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे, मुकेश हरिनखेड़े डीलेन्द्र चौधरी, रामकुमार रहांगडाले, रूपलाल कटरे, लक्ष्मीचंद बिसेन, तेजराम पटले, मदन पटले, सुनील ऐड़े, गणेश हरिनखेडे, गणेश पटले, ओमप्रकाश सोनवाने, नोहर पटले, रोमनकुमार ठाकरे, किताबचंद बिसेन, लिकेश ऐडे, युवराज टेंभरे, धर्मेन्द्र ठाकरे आदि के उपस्थित में कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ गढ़कालिका देवी के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। सर्वप्रथम समस्त पंवार समाजिक गणों के द्वारा नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन अतिथियों को पुष्प गुच्छ एवं शाल श्रीफल भेंट सम्मानित किया गया। अग्रिम कड़ी में सांस्कृतिक आयोजन किये गये जहां बच्चो अपने उद्बोधन प्रस्तुत किये गये जिसमे उन्होने समाज के गौरवशाली इतिहास, चक्रवती सम्राट राजा भोज जी के विचारों को समाज

से प्रभात फेरी आतिशबाजी एवं बाजे गाजे के साथ राजा भोज जी प्रतिमा के साथ नगर का भ्रमण किया गया जों कि सुभाष चौक बस स्टैण्ड होते हुये नगर के सभी मुख्य मार्गो का भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल सिद्धेश्वर मंगल भवन पहुंचे। सामाजिक गणों के द्वारा सभी के द्वारा एक से बढकर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियॉ दी गई। इसी कड़ी समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मान किया गया जो कि शिक्षा सहित अन्य क्षेत्र में समाज का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित मंचासीन अतिथियों के द्वारा अपने के हर व्यक्ति तक पहुंचाने, सामाजिक समरसता सहित अन्य विषयो पर अपने वक्तव्य रखे। साथ ही समाज के सभी प्रतिभावान छात्र छात्राओं को भी बधाई प्रेषित करते हुये उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

सेनि शिक्षक घासीराम बेदरे का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम भानेगांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक घासीराम बेदरे का निधन 90 वर्ष की आयु में 1 फरवरी को दोपहर 2:30 मीनट पर निज निवास में निधन हो गया। आप अपने पीछे 4 पुत्र एवं पुत्री सहित नाती पोतो से भरा पुरा परिवार छोड इस दुनिया से विदा हो गये। आपका अंतिम संस्कार आज 2 फरवरी को स्थानीय मोक्षधाम में दोपहर 12 बजे सामाजिक रीति रिवाजो के साथ किया जायेगा। आपके निधन पर जनप्रतिनिधि, सामाजिक गणो, ईष्ट मित्रो,नाते रिश्तेदारों के द्वारा शोक संवेदना व्यक्त करते हुये परमपिता परमेश्वर से मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की गई है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

फ्री राशन के लिए ई-केवायसी अनिवार्य

- मप्र में एक साल में 20 लाख नए गरीब परिवार जुड़े, अपात्रों की होगी छंटनी

भोपाल। मध्य प्रदेश में फ्री राशन योजना का लाभ लेने वाले नए गरीब परिवारों के लिए अब ई-केवाईसी अनिवार्य कर दी गई है। सरकार ने अपात्र और दोहरे हितग्राहियों को सूची से हटाकर वास्तविक जरूरतमंदों को जोडऩे की प्रक्रिया तेज कर दी है। बीते एक साल में प्रदेशभर में 20 लाख नए हितग्राहियों के नाम राशन सूची में जोड़े गए हैं।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि फ्री राशन योजना के तहत नए पात्र परिवारों को पात्रता पर्ची जारी की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पात्रता पर्ची बनाने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। 5.47 करोड़ लोगों को हर माह मुफ्त राशन दिया जा रहा है। वर्तमान में अंत्योदय अन्न योजना के तहत प्रति परिवार 35 किलो अनाज जबकि प्राथमिकता श्रेणी के परिवारों को 5 किलो प्रति

सदस्य खाद्यान्न दिया जा रहा है। प्रदेश में कुल 5.47 करोड़ आबादी को प्रतिमाह निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है।

1 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके

दो साल पहले नीति आयोग की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मध्यप्रदेश में 1 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। इसके बावजूद फ्री राशन योजना के दायरे में नए गरीब परिवारों को लगातार जोड़ा जा रहा है। आयोग की रिपोर्ट बताती है कि जमकर गरीबों को मिलने वाले राशन में भ्रष्टाचार भी हुआ है। हालांकि यह बात भी सही है कि गरीबों के अनाज पर दूसरों की नजर रहती है। वहीं कई ऐसे ममले आये हैं जहां गरीब परिवार राशन को व्यापरियों को दोबरा बेंच देते है।

राशन कार्ड को लेकर आई शिकायतें

प्रदेश के कई इलाकों से शिकायतें सामने आई हैं कि लोग दो साल से राशन कार्ड के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन उन्हें अब तक पात्रता पर्ची नहीं मिली। इस पर विभाग का कहना है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद प्रक्रिया तेज होगी।

ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

नए आवेदकों की ई-केवाईसी, पीओएस मशीन, फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से करने के बाद 3 दिन के अंदर पात्रता पर्ची जारी करने का प्रावधान किया है। 5 साल से कम उम्र के बच्चों को छोडक़र, सभी पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी अनिवार्य किया गया है। उचित मूल्य दुकान पर लगी मशीन या भारत सरकार के 'मेरा ई-केवाईसी' मोबाइल ऐप से फेस ऑथेंटिकेशन द्वारा की जा सकेगी।

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम वही, कमर्शियल 50 रुपए तक महंगा

- लागू हुए बढ़े हुए दाम, बड़े दिनों बाद कंपनियों ने की बढ़ोतरी

भोपाल । पेट्रोल कंपनियों ने रविवार से कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम में वृद्धि कर दी है। कई महीनों बाद राहत देने के बाद यह वृद्धि की गई है। वृद्धि में यह भी ध्यान रखा गया है कि घरेलू गैस सिलेंडर के उपभोक्ताओं पर कोई भार नहीं पड़े। यानी घरेलू गैस सिलेंडर अभी 881 रुपए का ही पड़ेगा।

बढ़े हुए रेट आज से लागू हो गए हैं। अभी तक 14.2 किलोग्राम का घरेलू गैस सिलेंडर 881 रुपए में आ रहा था, जो फरवरी में भी 881 रुपए में ही आएगा, वहीं 19 किलो के कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 47 रुपए 50 पैसे बढ़ा दिए गए हैं। अब यह सिलेंडर 1845 रुपए 50 पैसे में आएगा। पहले यह 1798 रुपए में मिल रहा था, वहीं 47.5 किलोग्राम का कमर्शियल गैस सिलेंडर 4610 रुपए 50 पैसे में पड़ेगा, जिसमें 120 रुपए 50 पैसे की वृद्धि की गई है। वहीं 5 किलो का अप्पू सिलेंडर जो अभी तक 515 रुपए में आता था, वह अब 555 रुपए में आएगा। इसके दाम में 39 रुपए की वृद्धि की गई है। इस वृद्धि का असर कमर्शियल उपभोक्ताओं पर निश्चित तौर पर पड़ेगा, वहीं 5 किलो का सिलेंडर लेने वालों पर भी अतिरिक्त भार आएगा।

10वीं,12वीं बोर्ड परीक्षा के लीक पेपर और फर्जी प्रश्नपत्रों से रहें सावधान

साइबर क्राइम पुलिस ने छात्रो के लिये जारी की एडवाइजरी

भोपाल। 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के लीक पेपर एवं फर्जी प्रश्नपत्रों से सावधान रहने के लिये साइबर क्राइम पुलिस द्वारा छात्रो के लिये एडवाइजरी जारी की गई है। एडवायजरी में बताया गया है कि हाल ही में बोर्ड परीक्षाओं से पहले लीक पेपर और फर्जी प्रश्नपत्र सोशल मीडिया, मैसेजिंग ऐप्स और अन्य माध्यमों पर फैलाए जा रहे हैं। इनसे छात्रों और अभिभावकों में भ्रम की स्थिति पैदा होती है, और कई बार आर्थिक धोखाधड़ी भी की जाती है।

- पुलिस की चेतावनी

किसी भी अनजान लिंक, ग्रुप या व्यक्ति से प्राप्त प्रश्नपत्र को असली न मानें क्योकिं सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले पेपर या सॉल्यूशन फर्जी हो सकते हैं। वहीं पैसे लेकर पेपर उपलब्ध कराने वाले लोग धोखेबाज हैं, और ऐसे मामलों में शामिल होना भी कानूनन अपराध है।

- छात्रों और अभिभावकों के लिए सुझाव

एडवायजरी में कहा गया है की केवल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट और स्कूल-कॉलेज प्रशासन से मिली जानकारी पर ही भरोसा करें। इसके अलावा किसी भी संदिग्ध मैसेज या फर्जी पेपर के संज्ञान में आने पर तुरंत पुलिस या स्कूल प्रशासन को सूचित करें। परीक्षा की तैयारी पर ध्यान दें, अफवाहों से बचें।

किसी भी व्यक्ति को पैसे देकर पेपर खरीदने की कोशिश न करें।

- बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र केवल परीक्षा केंद्र पर ही मिलता है

विभाग द्वारा जारी एडवायजरी में इस बात पर जोर देकर कहा गया है की बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र केवल परीक्षा केंद्र पर ही मिलता है। सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से मिलने वाला कोई भी पेपर फर्जी है। ऐसे लोगों से सावधान रहें और तुरंत पुलिस को सूचित करें। संदिग्ध पेपर या मैसेज मिलने पर अथवा किसी भी प्रकार की सायबर काईम संबंधित घटना होने की सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन अथवा सायबर क्राइम भोपाल के हेल्पलाइन नम्बर 9479990636 अथवा राष्ट्रीय हेल्पलाईन नंबर 1930 पर दें।

इंदौर सीवरेज घोटाले में फोटोकॉपी को सबूत मानने के फैसले को हाईकोर्ट ने किया रद्द

-नगर निगम ने 150 करोड़ के घोटाले में पांच से ज्यादा एफआइआर दर्ज करवाई थी

भोपाल। 2 साल पहले सामने आए करोड़ों रुपए के इंदौर सीवरेज घोटाले में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में पेश की गई फोटोकॉपी को सबूत मानने के फैसले को रद्द कर दिया है। जस्टिस गजेंद्रसिंह की कोर्ट ने साफ कहा कि कानून की अनिवार्य शर्ते पूरी किए बिना फोटोकॉपी दस्तावेजों को साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं की जा सकती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में नगर निगम ने 150 करोड़ के कथित घोटाले में अलग-अलग पांच से ज्यादा एफआइआर करवाई थी। निगम के ही कार्यपालन यंत्री अभय राठौर सहित अन्य को आरोपित बनाया गया था। इस घोटाले से जुड़े 17 मामलों में ट्रायल कोर्ट में धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र सहित अन्य धाराओं में चालान के साथ 31 जुलाई 2025 को घोटाले से जुड़े दस्तावेजों की फोटोकॉपी दी गई थी। कोर्ट में एक आवेदन पुलिस की ओर से लगाया गया था, जिसमें कहा गया था कि मामले से जुड़े मूल दस्तावेज नगर निगम के आधिपत्य में थे जो गुम हो गए हैं। इनके मिलने की भी संभावना नहीं है। फोटो कॉपी को ही सबूत माना जाए।

कोर्ट ने साफ कहा है कि किसी भी दस्तावेज को सेकंडरी एविडेनस मानने के लिए यह साबित करना जरुरी है कि फोटोकॉपी मूल दस्तावेज से बनाई गई है, फोटोकॉपी का मिलान मूल दस्तावेज से किया गया हो, केवल मूल दस्तावेज के गुम होने का दावा पर्याप्त नहीं है। वरिष्ठ वकील के मुताबिक साक्ष्य अधिनियम में केस चलाने के लिए साक्ष्य पेश करने के लिए नियम तय हैं। धोखाधड़ी और ऐसे गंभीर मामलों में मूल दस्तावेज जिन्हें प्राथमिक साक्ष्य कहा जाता है, कोर्ट में पेश करना जरूरी है।

यदि किसी दस्तावेज को पेश नहीं किया जा सकता है तो उसकी की फोटोकॉपी जिन्हें द्वितीयक साक्ष्य कहा जाता है वो पेश किए जाते हैं, लेकिन उसकी भी प्रक्रिया है। सुनवाई में मूल दस्तावेज को पेश करना ही होगा। यदि वो पेश नहीं किए जाते हैं तो उस स्थिति में ये सिद्ध किस तरह से किया जाएगा कि घोटाला हुआ है। दस्तावेज गायब होने की दशा में केस चलाने का आधार ही नहीं रहता है।

प्रदेश में 10 हजार महिलाएं जांचेंगी पानी की गुणवत्ता

- जल एवं सीवेज के काम में लेतलाली करने वाले ठेकेदार ब्लैकलिस्ट

- नगरीय प्रशासन आयुक्त ने योजनाओं की समीक्षा में दिए निर्देश

भोपाल। इंदौर दूषित जल से मौतों के बाद प्रदेश सरकार पानी की गुणवत्ता को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में जल परीक्षण के लिए 10 हजार महिला अमृत मित्रों की तैनाती की जाएगी। नगरीय प्रशासन आयुक्त एवं मप्र अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे ने नगरीय निकायों की जल प्रदाय एवं सीवरेज योजनाओं की समीक्षा के दौरान यह निर्देश निर्देश। उनहोंने काम में लेटलाती करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि सभी परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें। भोंडवे ने कहा कि जल प्रदाय की लाइन किसी भी स्थिति में सीवरेज लाइन से न मिले, जिससे पेयजल की स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने जल परीक्षण के लिए एमपीयूडीसी के माध्यम से 10 हजार महिला अमृत मित्र तैनात करने के भी निर्देश दिए। यह अमृत मित्र जल स्वच्छता की जांच करेंगी। उन्होंने कहा कि एमपीयूडीसी की सभी परियोजनाओं की समीक्षा अब हर माह की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता वे स्वयं करेंगे। उन्होंने पूर्ण हो चुकी 35 नगरीय निकायों एवं प्रगतिरत 52 नगरीय निकायों की जल प्रदाय एवं सीवरेज प्रोजेक्ट्स की विस्तृत समीक्षा की। एकीकृत विकास परियोजना बुधनी के ठेकेदार वाज इंडिया को टर्मिनेट करने एवं ब्लैक लिस्ट करने, पसान के मुख्य ठेकेदार द्वारा नियुक्त सब कांट्रेक्टर कात्यानी, शहडोल सीवरेज में मुख्य ठेकेदार द्वारा नियुक्त सब कांट्रेक्टर ईफिल तथा सांची सीवरेज परियोजना के ठेकेदार 3 आरएम को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए गए। वही ईपीसीएल को प्रदर्शन न सुधरने पर टर्मिनेट करने की चेतावनी दी गई।

दुष्कर्म-पॉक्सो मामले में बंद एडवोकेट के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज

भोपाल। नाबालिग से दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के मामले में बीते चार महीने से भोपाल सेंट्रल जेल में बंद एडवोकेट यावर खान के खिलाफ एक प्लॉट को अवैध रूप से बेचने की कोशिश के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है। बताया गया है की यह प्रकरण वेस्ट सेंट्रल रेलवे की जीएम शोभना बंदोपाध्याय और रिटायर्ड आईएएस संजय बंदोपाध्याय के ई-3 अरेरा कॉलोनी स्थित प्लॉट को अवैध रूप से बेचने के प्रयास का है। मामले में हबीबगंज पुलिस ने 30 जनवरी को यावर और उसके साथी सोहेल खान उर्फ साहब खान के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। यह वकील यावर के खिलाफ छठवीं एफआईआर है। इससे पहले 19 जनवरी को भी शाहजहांनाबाद थाने में उसके खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था। ताजा प्रकरण की जॉच में सामने आया की अगस्त 2025 में यावर और सोहेल खान उर्फ साहब खान ने उक्त प्लॉट को बेचने की जाहिर सूचना प्रकाशित कराई थी। जबकि प्लॉट मालिकों ने किसी समाचार पत्र में विज्ञापन नहीं दिया था। हबीबगंज पुलिस के मुताबिक संजय बंदोपाध्याय रिटायर्ड आईएएस हैं, और उनकी पत्नी शोभना बंदोपाध्याय वेस्ट सेंट्रल रेलवे की जनरल मैनेजर हैं। अपनी शिकायत में उन्होनें बताया कि थाना कमला नगर में पदस्थ एएसआई जयवीर सिंह सेंगर ने 18 अगस्त 2025 को प्लॉट बिक्री के विज्ञापन की जानकारी दी थी। इसके बाद उन्हें इसकी जानकारी लगी ओर शिकायत की गई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार यावर पर तलैया, अशोका गार्डन, कमला नगर, शाहजहांनाबाद और हबीबगंज थानों में अलग-अलग धाराओं में अपराध दर्ज हैं। 5 एफआईआर होने पर पुलिस ने उसे आदतन अपराधी घोषित करते हुए धारा 110 के तहत इस्तेगासा पेश कर बाउंड ओवर किया है। धारा 110 का उल्लंघन होने पर उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पीएससी की राज्य और वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा में बदलाव

– 26 अप्रैल को प्रदेशभर के केंद्रों पर होगी दोनों परीक्षाएं।

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा और वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 को लेकर आयोग ने बड़ा बदलाव किया है। इस बार परीक्षा का सिलेबस पहले से अलग होगा। इसमें दूसरे प्रश्न पत्र में संशोधन किए गए हैं। अप्रैल में इन्ही संशोधनों पर आधारित परीक्षा होगी। आयोग ने उक्त दोनों परीक्षाएं 26 अप्रैल को प्रदेशभर के विभिन्न केंद्रों पर रखी है। वही प्रारंभिक परीक्षा का संशोधित सिलेबस भी सार्वजनिक कर दिया है, ताकि अभ्यर्थी समय रहते अपनी तैयारी को नए पैटर्न के अनुसार ढाल सकें।

आयोग के नए सिलेबस अनुसार, प्रारंभिक परीक्षा के दूसरे प्रश्न पत्र यानी सामान्य अभिरुचि परीक्षण को अब सात अलग-अलग भागों में बांटा गया है। इसमें बोधगम्यता, संप्रेषण कौशल, तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता, निर्णय लेने और समस्या समाधान की योग्यता, सामान्य मानसिक क्षमता, आधारभूत संख्यात्मकता और हिंदी भाषा में बोधगम्यता से जुड़े विषय शामिल किए गए हैं। इन विषयों को अधिक व्यावहारिक बनाया गया है, ताकि अभ्यर्थियों की सोचने और समझने की क्षमता का बेहतर आकलन किया जा सकें।

24 घंटे काम की अनुमति तभी 2029 तक पूरा होगा प्रोजेक्ट

– केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए कंपनी ने सरकार को दिया प्रपोजल

भोपाल। केन-बेतवा लिंक परियोजना का काम कर रही नागार्जुन कंपनी ने सरकार को प्रपोजल दिया है कि अगर 2029 तक परियोजना को पूरा करना है, तो 24 घंटे काम करने की अनुमति दी जाए। कंपनी ने दावा किया है कि काम की गति बढने से इसी साल से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 65 लाख लोगों को सिंचाई के लिए पानी मिलने लगेगा। वर्तमान में कंपनी को सुबह 6 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक काम करने की अनुमति है।

वहीं केंद्र और राज्य सरकार की भी मंशा है कि परियोजना वर्ष 2029 तक पूरी हो सके, क्योंकि उसी साल लोकसभा चुनाव हैं। फिलहाल परियोजना को पूरा करने की डेड लाइन वर्ष 2030 रखी गई है। परियोजना में करीब 20 जिलों के किसानों को सिंचाई और पीने के लिए पानी मिल सकेगा।

जल संसाधन मंत्रालय ने प्रस्ताव भेजा

जल संसाधन मंत्रालय ने कंपनी के इस प्रस्ताव को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को भेजा है। मंत्रालय को यह गारंटी दी गई है कि कंपनी के काम से पर्यावरण और वहां के जलवायु को किसी तरह से क्षति नहीं पहुंची है और न ही वाइल्ड लाइफ प्रभावित होने की संभावना है। राष्ट्रीय नदी जोड़ो नीति के तहत केन-बेतवा पहली परियोजना से मध्य प्रदेश के 10 जिलों के 44 लाख और उत्तर प्रदेश के 21 लाख लोगों को पीने का पानी मिलेगा। परियोजना की लागत लगभग 44,605 करोड़ रुपए है। इससे 2 हजार गांवों के 7.18 लाख किसान परिवारों को फायदा होगा। साथ ही, 103 मेगावॉट जलविद्युत और 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा भी बनेगी।

मप्र में बस यात्रा महंगी, टैक्स 50 फीसदी बढ़ाया

शादी-विवाह और धार्मिक यात्राओं के लिए चुकाना होगा ज्यादा किराया

भोपाल। प्रदेश में बस से यात्रा करने पर अब जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। क्योंकि सरकार ने बसों के परमिट टैक्स में 50 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी कर दी है। जिसका भार यात्रियों की जेब पर पड़ेगा। शादी-विवाह और धार्मिक यात्राओं के लिए ज्यादा किराया चुकाना होगा। क्योंकि अस्थाई परमिट शुल्क 12 रुपए प्रति सीट से बढ़ाकर 18 रुपए कर दिया है। खास बात यह है कि अब बस कंडेक्टर (परिचालक) की सीट का भी टैक्स लिया जाएगा। जिसका भार भी यात्रियों पर पड़ेगा। इस संबंध में परिवहन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

बसों के स्थाई एवं अस्थाई परमिट शुल्क को बढ़ाने के संबंध में परिवहन विभाग ने 10 अक्टूबर 2025 को सूचना जारी की गई थी। जिसमें 65 फीसदी टैक्स बढ़ाने की तैयारी थी, लेकिन बस ऑपरेटरों के विरोध के चलते परिवहन विभाग ने 50 फीसदी परमिट शुल्क बढ़ा दिया है। परिवहन विभाग की सूचना के बाद प्रदेश भर के कई बस ऑपरेटरों ने परमिट शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव का विरोध किया था।

ऐसे समझिए टैक्स का गणित

यूं तो यात्री बसों से प्रति सीट के हिसाब से टैक्स वसूली जाता है। शादी-विवाह एवं अन्य यात्राओं के लिए बसों को दिन के हिसाब से परमिट जारी होते हैं। अभी तक 52 सीटर बस को बारात परमिट 624 रुपए प्रतिदिन (12 रुपए प्रति सीट) के हिसाब से मिलता है। इसके बढ़ाकर 18 रुपए प्रति सीट प्रति दिन कर दिया है। ऐसे में 52 सीटर बस के एक दिन के परिमिट के लिए 924 रुपए चुकान होंगे। पहले कंडेक्टर सीट का टैक्स नहीं लगता था। अब लगेगा। ऐसे में 53 सीट बस का एक दिन का परमिट 942 रुपए में मिलेगा। नगरीय क्षेत्र में बस परमिट 150 रुपए प्रति सीट प्रति तिमाही होगा। 100 किमी तक का बस परमिट 200 रुपए प्रति सीट प्रति महीना, उसके बाद 10 किमी या उसके भाग के लिए 12 रुपए प्रति सीट प्रति माह देना होगा।

ये यात्राएं होंगी महंगी

यात्रा परमिट टैक्स बढ़ाने न सिर्फ सामान्य यात्राएं महंगी होंगी। बल्कि बारात, पिकनिक, धार्मिक, पिंडदान, अनुष्ठानों के लिए की जाने वाली यात्राएं भी महंगी हो जाएंगी।

कहीं पिता बेटे से छोटा तो कहीं 6 संतानों का रिकॉर्ड

एसआईआर में खामियां : 7 लाख मतदाताओं के डेटा में मिली अजीब गड़बडिय़ां

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान के दौरान डेटा में ऐसी विसंगतियां सामने आई हैं, जिन्होंने निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन के होश उड़ा दिए हैं। जिले में करीब 7 लाख मतदाताओं के डिजिटल रिकॉर्ड में तार्किक त्रुटियां पाई गई हैं। इनमें सबसे चौंकाने वाले मामले वे हैं जहां तकनीकी गड़बड़ी के कारण माता-पिता की उम्र उनकी संतान से भी कम दर्ज हो गई है।

बीएलओ एप के जरिए की गई छंटनी में भोपाल और मध्यप्रदेश स्तर पर लाखों गड़बडिय़ां पकड़ी गई हैं। भोपाल में 1.19 लाख और प्रदेश में 39 लाख ऐसे मतदाता मिले हैं, जिनकी उम्र उनके माता-पिता से महज 15 साल कम या उससे भी कम दर्ज है। करीब 18 हजार मामलों में माता-पिता की उम्र मतदाता से 50 साल से भी ज्यादा बड़ी दिखाई गई है। दादा-दादी की उम्र पोते-पोतियों से 40 साल कम दर्ज होने के 15 हजार से ज्यादा मामले भोपाल में मिले हैं। जिले के 46 हजार मतदाताओं के रिकॉर्ड में 6 या उससे अधिक संतानें दर्ज पाई गई हैं। पिता के नाम में मिसमैच और जेंडर की गड़बड़ी के भी लाखों मामले सामने आए हैं।

गड़बडिय़ों की वजह

डिजिटलाइजेशन के दौरान पुराने रिकॉर्ड को नए सॉफ्टवेयर से जोडऩे पर कई कारण सामने आए हैं। पुराने रिकॉर्ड में डीके लिखा था, जिसे सॉफ्टवेयर ने नए नाम देवेंद्र कुमार से मैच नहीं किया। सरनेम न होने पर एप ने उसे अलग व्यक्ति मानकर सूची से बाहर कर दिया। एक मामले में पिता ने बेटों का लिंक खुद से और बेटियों का लिंक दादा के रिकॉर्ड से जोड़ दिया, जिससे डेटा मिसमैच हो गया। पिता या माता का नाम गलत टाइप होने से सॉफ्टवेयर ने रिकॉर्ड रिजेक्ट कर दिया। इन विसंगतियों के कारण चुनाव आयोग को डेटा जमा करने की समय-सीमा कई बार बढ़ानी पड़ी है। अब भोपाल कलेक्टर ने 14 फरवरी तक सभी त्रुटियों को सुधारने का लक्ष्य दिया है।

2 लाख मतदाताओं को नोटिस

जिले के 181 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। शेष बचे 2 लाख मतदाताओं को नोटिस देकर सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है। यदि बीएलओ आपके घर आता है और मौके पर ही दस्तावेजों के आधार पर सुधार हो जाता है, तो आपको दफ्तर जाने की जरूरत नहीं होगी।

कागजों में सिमटा सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग

- मप्र में सामान्य वर्ग की अनदेखी...

भोपाल। मप्र सरकार का दावा है कि उसका फोकस प्रदेश के हर वर्ग के संरक्षण और कल्याण पर है। लेकिन हकीकत यह है कि मप्र में सामानय वर्ग के साथ लगातार अनदेखी हो रही है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सामान्य वर्ग के लिए गठित सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग का कही नाम-पता नहीं रख गया है। आयोग कागजों में सिमट कर रह गया है। आयोग में पदाधिकारी न होने से सवर्णों की आवाज उठाने वाला कोई नहीं है। यही नहीं मुख्यमंत्री मेधावी योजना पर भी बजट का संकट है। जबकि एससी-एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यकों के लिए जहां अलग विभाग है, वहीं योजनाओं और बजट की भरमार है।

एससी-एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यकों की समस्याओं को लेकर सरकार हमेशा सजग रहती है। वहीं सामान्य वर्ग को लेकर कभी भी संवेदनशीलता नजर नहीं आती है। सरकार ने सामान्य वर्ग के हितों के संरक्षण के लिए मध्य प्रदेश राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग का गठन तो किया, लेकिन यह केवल कागजों तक सीमित रह गया है। स्थिति यह है कि आयोग में लंबे समय से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या किसी भी पदाधिकारी की नियुक्ति नहीं हुई है। नेतृत्व के अभाव में सामान्य वर्ग के निर्धन लोगों की सुनवाई पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे इस वर्ग में सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर गहरा असंतोष है।

सामान्य वर्ग के लिए कोई प्रभावी तंत्र नहीं

यूजीसी के नए नियमों को लेकर उपजा विवाद भले ही सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद कानूनी रूप से थमता दिख रहा हो, लेकिन इसने मध्य प्रदेश में सामान्य वर्ग की उपेक्षा के पुराने जख्मों को फिर से हरा कर दिया है। प्रदेश में एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए तो समर्पित विभाग और वित्त निगम सक्रिय हैं, लेकिन सामान्य वर्ग के कल्याण के लिए कोई प्रभावी तंत्र नजर नहीं आ रहा है। इसे लेकर अब समाज के विभिन्न हलकों में वर्ग भेद और विभाजन की लकीरें गहरी होने की चिंता जताई जा रही है। मध्य प्रदेश में संवैधानिक समानता के दावों के बीच प्रशासनिक ढांचा वर्गों में बंटा नजर आता है। अल्पसंख्यक समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए वर्ष 1991 से ही अलग विभाग काम कर रहा है। इसी तरह एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों की समस्याओं और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पृथक विभाग व वित्त विकास निगम गठित हैं। इन वर्गों की शिकायतों की सुनवाई के लिए राज्य और केंद्र स्तर पर शक्तिशाली आयोग भी मौजूद हैं। इसके उलट, सामान्य वर्ग के लिए न तो कोई अलग विभाग है और न ही शिकायतों की सुनवाई के लिए कोई प्रभावी आयोग। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना एक बड़ा सहारा थी। इसके माध्यम से मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे महंगे कोर्सेज की फीस सरकार भरती थी। लेकिन अब बजट की कमी के चलते यह योजना भी बुरी तरह प्रभावित हो गई है। ऐसे में सामान्य वर्ग के प्रतिभाशाली छात्रों के सामने उच्च शिक्षा का संकट खड़ा हो गया है, जबकि अन्य आरक्षित वर्गों के लिए विशेष वित्तीय सहायता और छात्रवृत्तियां पूर्ववत जारी हैं।

सामान्य वर्ग में बढ़ रहा असंतोष

मध्य प्रदेश में सामान्य वर्ग के निर्धन लोगों की अनदेखी एक गंभीर मुद्दा है, जहां मध्य प्रदेश राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष और पदाधिकारियों की नियुक्ति न होने से निष्क्रिय हो गया है। हालांकि सामान्य वर्ग की आबादी 25 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है, लेकिन राजनीतिक फोकस अन्य वर्गों पर अधिक है, जिससे सामान्य वर्ग में असंतोष बढ़ रहा है। इस मुद्दे पर सियासत भी गरमाई हुई है। वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल भार्गव का कहना है कि सामाजिक समरसता और भेदभाव दूर करने के लिए सामाजिक न्याय विभाग पहले से ही कार्यरत है। वहीं, कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने सामान्य वर्ग की आवाज बुलंद करते हुए कहा कि जब अन्य सभी वर्गों के कल्याण के लिए आयोगों और समितियों को कानूनी दर्जा प्राप्त है, तो सामान्य वर्ग के लिए पृथक विभाग और प्रभावी आयोग का गठन अनिवार्य रूप से होना चाहिए। मप्र मंत्रालय अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक कहते हैं कि भारत के संविधान की यह सुस्पष्ट मंशा है कि सभी वर्गों के नागरिकों का कल्याण होना चाहिए परंतु देखा जा रहा है कि सामान्य वर्ग को हर कल्याणकारी योजना में छोड़ दिया जाता है। पिछले एक दशक से पदोन्नतियां बंद हैं जबकि हाई कोर्ट अपने कई फैसलों में कह चुका है कि सामान्य वर्ग की पदोन्नति पर कोई रोक नहीं है।

बांग्लादेश के समर्थन में 15 फरवरी के मुकाबले का बॉयकॉट

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच नहीं होगा। दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो में एक-दूसरे से भिडने वाली थी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी थी। इसके विरोध में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट कर दिया।

पाकिस्तान ने रविवार को घोषणा की कि वह टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करेगा। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद लिया है, बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंता जताई थी। सरकार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी वर्ल्ड टी-20 में हिस्सा लेने की मंजूरी देती है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

प्रधानमंत्री से मिले थे पीसीसी चीफ

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी ने 26 जनवरी को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में पाकिस्तान के वर्ल्ड कप पार्टिसिपेशन और भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर बाते हुईं। नकवी ने कहा था कि शुक्रवार या सोमवार तक आखिरी फैसला लिया जाएगा। अब रविवार को सरकार ने इस पर फैसला ले लिया।

अर्शदीप टी20 में सबसे अधिक रन लेकर पांच विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम। युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पांच विकेटों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने पांचवे और अंतिम टी20 में न्यूजीलैंड को 46 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने ये सीरीज 4-1 से जीती पर मैच में पांच विकेट लेने के बाद भी अर्शदीप के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हुआ जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। अर्शदीप इसी के साथ ही किसी अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में सबसे ज्यादा रन देकर 5 या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ के नाम दर्ज था। जोसेफ ने जोहानसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2023 में 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एंगिडी ने साल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्टल में 39 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

गौरतलब है कि अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से ही अर्शदीप ने 76 मैचों में 118 विकेट लिए हैं। यह पहला मौका था, जब अर्शदीप ने एक पारी में 5 विकेट लिए।

वैभव यूथ एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने

बुलावायो। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर-6 राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में 11 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली। अब उनके यूथ एकदिवसीय में 1150 रन हो गये हैं। इस मैच के दौरान जैसे ही वैभव ने अपने 11 रन पूरे किए। वह भारत के लिए यूथ एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शामिल हो गये हैं। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 22 गेंदों का सामना करते हुए कुल 30 रन बनाए जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था। अब वैभव की नजरें यूथ एकदिवसीय में सबसे रन बनाने वाले बल्लेबाजों पर टिक गई हैं। वह जल्द ही विजय जोल के 1404 रन और यशस्वी जयसवाल के 1386 रन के रिकार्ड भी तोड़ सकते हैं।

क्रिकेट इतिहास का वह अनोखा मैच जो आज तक दोबारा नहीं खेला गया

नई दिल्ली। क्रिकेट के लंबे और रोचक इतिहास में कई ऐसी घटनाएं दर्ज हैं, जिनकी मिसाल आज भी दी जाती है। कुछ रिकॉर्ड दोहराए जाते हैं, तो कुछ कभी दोबारा संभव ही नहीं हो पाते। ऐसी ही एक ऐतिहासिक घटना 17 फरवरी 1883 को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर घटी, जिसने टेस्ट क्रिकेट की किताब में एक ऐसा अध्याय जोड़ा, जो आज भी अनोखा है। यह वही मैच है जिसे 'एक्स्ट्रा टेस्ट' कहा जाता है और जिसने खेल के नियमों को हमेशा के लिए बदल दिया। यह मुकाबला उस दौर में खेला गया था, जब एशेज की शुरुआत हो चुकी थी। इंग्लैंड को अपने घर में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी और ब्रिटिश मीडिया ने इसे क्रिकेट का अंत करार दिया था। अखबारों में तक लिखा गया कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ट्रॉफी के साथ इंग्लैंड क्रिकेट की राख ले गई है। इस हार का बदला लेने इंग्लैंड टीम इवो ब्लाइ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया पहुंची और यहीं से एशेज की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता की नींव मजबूत हुई।

इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया दौरा और निर्णायक मुकाबला

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज रखी गई। पहला टेस्ट मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया ने जीता, वहीं दूसरा मुकाबला इंग्लैंड ने अपने नाम कर सीरीज बराबर कर दी। तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा और माना गया कि इंग्लैंड एशेज अपने नाम कर चुका है। लेकिन दोनों टीमों ने रोमांच बढ़ाते हुए एक अतिरिक्त टेस्ट खेलने पर सहमति बनाई, जिसे सीरीज का चौथा और टेस्ट इतिहास का 13वां मुकाबला माना गया। यह मैच 17 से 21 फरवरी 1883 तक खेला गया और ऑस्ट्रेलिया ने इसे चार विकेट से जीत लिया।

हर दिन नई पिच पर मैच-क्रिकेट इतिहास की अनोखी घटना

इस मैच को खास बनाने वाली बात वह करार था जो मुकाबले से

पहले हुआ। दोनों टीमों ने निर्णय लिया कि यह टेस्ट हर दिन एक नई पिच पर खेला जाएगा। हालांकि यह मैच चार दिन में समाप्त हो गया, क्योंकि दूसरा दिन विश्राम दिवस था। क्रिकेट इतिहास में इससे पहले और इसके बाद कभी भी कोई टेस्ट मैच इस तरह नहीं खेला गया। टेस्ट के नियमों के अनुसार पाँच दिनों का पूरा खेल एक ही पिच पर होता है, लेकिन इस 'एक्स्ट्रा टेस्ट' में हर दिन नई पिच का प्रयोग किया गया, जो इसे अनोखा और अविस्मरणीय बनाता है।

मैच का रोमांचकारी घटनाक्रम

इंग्लैंड ने पहली पारी में एलन स्टील के शानदार 135 रनों की बदौलत 263 का स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलिया जवाब में एक रन से पीछे रह गया और 262 पर आउट हो गया। दूसरी पारी में इंग्लैंड 197 पर ढेर हुआ और ऑस्ट्रेलिया को 199 रनों का लक्ष्य मिला। जॉर्ज बोनर (87 रन) और जैक ब्लैकहैम (57 रन) के पहले पारी के महत्वपूर्ण योगदान के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य छह विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह मैच सिर्फ स्कोर या नतीजे के कारण नहीं, बल्कि उसके खेले जाने के तरीके के कारण इतिहास में अमर है। 'एक्स्ट्रा टेस्ट' आज भी क्रिकेट के नियमों और परंपराओं में अद्वितीय उदाहरण के रूप में याद किया जाता है।

मोहम्मद अजहरुद्दीन का अनोखा कीर्तिमान

डेब्यू और आखिरी टेस्ट में शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू मैच में शतक जमाना किसी भी बल्लेबाज के लिए गर्व और यादगार उपलब्धि होती है। अगर यह शतक टेस्ट क्रिकेट में हो, तो इसका महत्व और बढ़ जाता है। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लाला अमरनाथ, गुंडप्पा विश्वनाथ, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा और शिखर धवन जैसे दिग्गजों ने टेस्ट करियर की शुरुआत शतक से की है। लेकिन अपने आखिरी टेस्ट मैच में शतक लगाकर इस यात्रा को शानदार अंत देने का कमाल सिर्फ तीन भारतीय कर पाए हैं। इन सबके बीच ऐसा अनोखा रिकॉर्ड सिर्फ एक भारतीय बल्लेबाज के नाम है, जिसने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत और अंत दोनों शतक के साथ किए और वह नाम है मोहम्मद अजहरुद्दीन।

भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने टेस्ट डेब्यू 1984 में इंग्लैंड के खिलाफ किया था। इस मैच की पहली ही पारी में उन्होंने 110 रन ठोककर अपने आगमन की जोरदार घोषणा की थी। इसके बाद अजहरुद्दीन लगातार दो और टेस्ट मैचों में भी शतक जमाने में सफल रहे। डेब्यू के बाद लगातार तीन टेस्ट मैचों में सेंचुरी लगाने का यह विश्व रिकॉर्ड आज भी उनके नाम दर्ज है और दुनिया का कोई भी बल्लेबाज इस उपलब्धि की बराबरी नहीं कर सका है। अजहरुद्दीन ने 2 मार्च 2000 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला। टीम इंडिया की दूसरी पारी में उन्होंने 102 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर को शानदार अंदाज़ में अलविदा कहा।

भारत के लिए आखिरी टेस्ट में शतक लगाने वाले अन्य दो बल्लेबाज विजय मांजरेकर और विजय मर्चेंट रहे हैं। मांजरेकर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 102 रन बनाए थे, जबकि विजय मर्चेंट ने इंग्लैंड के खिलाफ 154 रनों की यादगार पारी खेली थी।

अजहरुद्दीन के अलावा दुनिया में केवल चार और क्रिकेटर हैं जिन्होंने अपने टेस्ट करियर के पहले और आखिरी मैच में शतक लगाए हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया के ग्रेग चैपल, रेजिनाल्ड डफ, विलियम पोंसफोर्ड और इंग्लैंड के महान बल्लेबाज एलिस्टर कुक शामिल हैं। अजहरुद्दीन का यह अनोखा रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा खास स्थान रखेगा। डेब्यू और विदाई दोनों को शतक से सजाने की उनकी क्षमता उन्हें क्रिकेट की दुनिया में अलग पहचान देती है।

बैहर नगर परिषद के नयें भवन का सपना हुआ साकार, भूमि पूजन कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से संपन्न

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर के लिए एक ऐतिहासिक और बहुप्रतीक्षित क्षण उस समय साकार हुआ जब नगर परिषद कार्यालय भवन निर्माण का भूमि पूजन कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ। वर्षों से किराए के भवन में संचालित हो रही नगर परिषद को अब अपना स्थायी कार्यालय भवन मिलने जा रहा है, जिसकी नींव विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रखी गई।

नगर परिषद भवन पूजन पंडित सुनील पांडे तीरथ प्रसाद द्विवेदी निरंजन शर्मा के द्वारा पूजन मंत्रोच्चार पश्चातअध्यक्ष यशवंती गुड्डा मरकाम पूर्व विधायक भगत नेताम सांसद श्रीमती भारती पारधी द्वारा कुदाल चला कर कार्यक्रम स्थल पहुंचे लांजी विधायक राजकुमार कराहे के मुख्य अतिथि में कार्यवाही प्रारंभ की गई मंच में पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन मध्य प्रदेश शासन अर्पित गुप्ता आई स अनुविभागीय दंडाधिकारी अधिकारी राजस्व बैहर सुरेंद्र गुड्डा मरकाम सांसद प्रतिनिधि भैया सुनील धारवे उपाध्यक्ष नगर परिषद बैहर मानसिंह मेरावी अध्यक्ष नगर पालिका मोहगांव मलाजखंड संभल सिंह धुर्वे जनपद अध्यक्ष परसवाड़ा मीणा रहने वाले श्री विजय भाजपा मंडलअध्यक्ष उकवा श्रीमती संध्या परतें श्रीमती इक वंती तेकाम पूर्व सरपंच जिला पंचायत सदस्य श्रीमती त्रिवेदी त्रिवेणी गोस्वामी उपाध्यक्ष नगर पालिका मोहगांव मलाजखंड सुश्री कीर्ति शुक्ला श्रीमती राजकुमारी श्रीवा त्री श्रीमती कुंमभलवार, दिलीप बांडेबूचे मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद बैहर संकेत राठौर मंडल अध्यक्ष बैहर श्रीमती रोजिया डोंगरे उप यंत्री नगर परिषद बैहर कार्यक्रम का संचालन गजेंद्र सिंह मेरावी योजना प्रभारी नगर परिषद बैहर ने किया ,के तत्पश्चात सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया के पश्चात् सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र गुप्ता मरकाम द्वारा नगर परिषद भवन पूजन मैं सभी उपस्थित गणमान्यों सभी का स्वागत करते हुए नगर परिषद के आय के स्रोत नहीं है क्योंकि नगर परिषद की भूमि नहीं है सभी भूमि जनपद पंचायत बैहर की है ।

नगर परिषद कार्यालय भी किराए में चल रहा है सन 80 तक यह ग्राम पंचायत थी चुनाव हुआ जिसमें पहली बार गैर कांग्रेसी पंचायत बनी इसके अध्यक्ष गोपाल प्रसाद अवाधिया पराजित कांग्रेसी जनो ने सहयोग नहीं किया पूर्ण बहुमत वाली पंचायत को भंग करा के कुछ दिनों पश्चात नगर पालिका घोषित की गई प्रशासक बैठाया गया सन् ,83 में चुनाव हुए जिसमें कांग्रेस की नगर पालिका बनी पंचायत नियम के अनुसार ग्राम पंचायत से नगर पालिका बनती है तो ग्राम पंचायत की संपूर्ण भूमि नगर पालिका को स्थानांतरित हो जाना था उस समय बैहर से भोपाल ,दिल्ली तक एक ही दल का शासन था इस प्रकार 42 वर्ष बाद भी आज भी परिषद की दो डिस मिल भूमि नहीं है।नगर परिषद का अपना कार्यालय भवन का आज भूमि पूजन के रूप में हुआ है। प्रदेश के नए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा यह राशि प्राप्त हुई है । इसकी लागत 1 करोड़ 74 लाख रुपए से निर्माण होना है इसकी खुशी सभी को है बैहर का क्षेत्रफलक्षेत्र लंबा चौड़ा है क्षेत्र की मूलभूत सुविधा के साथ अन्य प्रगति के कार्य होंगे। बैहर की मूल समस्या को हल करने में लांजी के विधायक राजकुमार कराहे का सहयोग मिला है भूमि अधिग्रहण कराने में एसडीएम अर्पित गुप्ता जी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है आपके द्वारा सभी जटिल से जटिल अवरोध को दूर कर भूमि हस्तांतरित करने में मिल का पत्थर है जिसका फल आज नए नगर परिषद भवनभूमि पूजन के रूप में हो सका है । साथ ही

जनपद पंचायत बैहर की अध्यक्षा श्रीमती भगवंती सैयाम के बीच भूमि का 80 और ,20 में समझौता हुआ है बहुत बहुत धन्यवाद आपकी इस भूमिका को सदा याद रखेंगे आपको बहुत-बहुत धन्यवादऔर इस प्रकार अब नगर में विकास के नए कार्य एवं नगर को साफ सुथरा और स्वच्छ बनाने में अग्रसर होगा लांजी के विधायक राजकुमार कराहे जी के प्रयास ने विकास के आयाम पर लाने में महत्वपूर्ण योगदान है और आगे भी इसी प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा ऐसी अपेक्षा है । विधायक राजकुमार कराहे ने अपने संबोधन में नगर परिषद कार्यालय के भूमि पूजन के पश्चात इसी वर्ष कार्यालय बनकर संचालित हो कर देखना चाहता हूं लांजी विधानसभा क्षेत्र से बैहर विधानसभा क्षेत्र लगा है बैहर आने के लिए हमें चोर दरवाजे से आना जाना पड़ा । मुझे नगर परिषद कार्य और चुनाव के लिए तीन बार यहां की विकट समस्या से निजात दिलाने अवगत था,आना पड़ा है, बैहर लांजी दोनों क्षेत्र संवेदनशील है में हमारा कोई विधायक नहीं है इसलिए बैहर क्षेत्र के विकास के लिए मुझे पालक मंत्री का दायित्व सोपा गया है ।परिषद के पक्ष विपक्ष मिलकर विकास करें नया भवन शीघ्र बनकर देखना चाहता हूं विकास के लिए सभी लोग एक मतेन हो बैहर क्षेत्र के विकास के लिए में सदा आपके साथ हूं नगर परिषद का नया भवन कार्यालय बनने में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का सहयोग से हो पाया। लांजी से बैहर आने में गोदरी पंचायत से भगतपुर के आगे 5 किलोमीटर की सड़क और इसके आगे सोन नदी पर छोटे-बड़े पुल बन जाने से किरनापुर से बिठली ,पाथरी उकवा होते बाहर आने में आसान होगा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा इससे समय की बचत भी होगी वर्षा हो या ठंड ,गर्मी हो आने जाने में आसान होगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन मध्य प्रदेश शासन ने बैहर कोअपना स्वयं का नगर परिषद कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में पहुंचकर मुझे अत्यंत खुशी हो रही है मैं इसे शीघ्र बनकर देखना चाहता हूं नगर परिषद में सुरेंद्र गुड्डा मरकाम और नगर परिषद अध्यक्ष यशवंती गुड्डा मरकाम की जुगल जोड़ी शालीनता की मिसाल और संस्कृति की मिसाल है।परिषद को अच्छे से चला रहे हैं पूरी टीम का नेतृत्व करने वाली जोड़ी संगठन के कार्य में भी अग्रसर है गुड्डा मरकाम लंबे समय से संगठन के कार्य में लगे हैं । मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री दिलीप बाड़े बुचे को सभा में बुलाया कर कहा की कार्यालय भवन शीघ्र बनने की करवाई प्रारंभ कर गुणवत्ता का ध्यान रखें।

आज का दिन बैहर के लिए ओर हम सब लोगों को नगर परिषद भवन बनने से के लिए ऐतिहासिक दिन है अब बैहर का तरफ विकास दिखेगा विकास के लिए पक्ष विपक्ष आपस में मिले। सांसद श्रीमती भारती पारधी ने नगर परिषद भवन भूमि पूजन कार्य में उपस्थित हुई कार्यालय भवन बनने में सब की आत्माएं जुड़ी है। अब बैहर नगर को रेल लाईन से जोड़ने का कार्य होगा जो मलाजखंड तक तथा आगे तक होगी मेरे द्वारा लोक सभा में मांग रख चुकी हूं एक फरवरी को बजट पेश होना है । गोदिया से जबलपुर तक डबल रेल लाइन बनकर पूर्ण होकर संचालित हो मेरा प्रयास ही नहीं पक्का विश्वास है और यह कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा।सभा समाप्त होने के पूर्व विपिन चौधरी वार्ड प्रभारी नगर परिषद द्वारा 80 हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भवन निर्माण प्रारंभ करने का स्वीकृति पत्र वार्ड मेंबर के साथ हितग्राही को दिया गया शेष हितग्राहीयो को बाद में दिया जाएगा

कार्यक्रम में शासन के समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक भी भारी संख्या में उपस्थित हुए बैहर मे सांसद श्रीमती भारती पारधी जी लोकसभा चुनाव मैं विजय के बाद का प्रथम आगमन कार्यक्रम हुआ है। कार्यक्रम अति उत्साह उम्मीद और शांति के साथ संपन्न हुआ।

बजट में खेलों पर भी जोर , 'खेलो इंडिया मिशन' होगा शुरु

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के रविवार को पेश किये गये आम बजट में खेलों पर भी काफी जोर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस मिशन का लक्ष्य अगले 10 साल में प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास कर नई प्रतिभाओं को सामने लाना रहेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और करियर के कई अवसर पैदा करता है। उन्होंने बताया कि साल 2017 में शुरू किए गए खेलो इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सरकार अब इसे एक व्यापक और एकीकृत मिशन के रूप में लागू करना चाहती है, जिससे खेल क्षेत्र में और भी बदलाव आयें।

सीतारमण ने कहा कि खेलो इंडिया मिशन के तहत, प्राथमिक, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा कोचों और सहायक स्टाफ का भी व्यवस्थित विकास किया जाएगा। इसमे खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक को प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, देशभर में प्रतियोगिताओं और लीगों के आयोजन को भी बढ़ावा दिया जाएगा, प्रशिक्षण और मुकाबलों के लिए खेल अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा, इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सामने आने के लिए बेहतर मंच और संसाधन मिलेगा। कम कीमतों में उच्च गुणवत्ता के खेल सामान निर्माण की दिशा में भी सरकार काम करने जा रही है। इससे उपकरण डिजाइन, सामग्री विज्ञान, विनिर्माण अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस कार्यबल ने उच्च गुणवत्ता वाले कोच तैयार करने और उनके लिए लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम जैसी योजना शुरू करने पर जोर दिया है।

सूर्यकुमार ने एक ही मैच में बनाये दो रिकार्ड

तिरुवनंतपुरम। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवे टी20 मैच में सूर्यकुमार ने अर्धशतकीय पारी खेलकर दो रिकार्ड अपने नाम किये। सूर्यकुमार ने इसी के साथ ही सीरीज के 5 मैचों में 3 अर्धशतकों की सहायता से 242 रन बनाए। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सूर्यकुमार को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला। इसी के साथ ही सूर्यकुमार ने छठी बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता और वह इस प्रारुप में सबसे अधिक खिताब जीतने के मामले में श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा के साथ ही संयुक्त रुप से दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा साल बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के नाम है। विराट ने 7 बार ये अवार्ड जीता है। अब सूर्या के पास अगली सीरीज में विराट का ये रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। सूर्यकुमार ने इसी मैच में अपने 3,000 रन भी पूरे किए। अब उनके 104 टी20 मैचों की 98 पारियों में 3,030 रन हो गये हैं। इस दौरान उन्होंने चार शतक और 24 अर्धशतक भी लगाये हैं। सूर्या के इस प्रदर्शन से उनके फार्म पर सवाल

इस रिकार्ड में ब्रैडमैन से भी आगे हैं क्लाइड वालकॉट

नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास में सर डॉन ब्रैडमैन को सर्वकालिक महान बल्लेबाज माना जाता है। उनके नाम ऐसे कई रिकॉर्ड दर्ज हैं, जो दशकों से कायम हैं और जिन्हें तोड़ना तो दूर, उनकी बराबरी करना भी बेहद मुश्किल रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ब्रैडमैन ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगाकर अपने शानदार करियर को अमर बना दिया, लेकिन एक खास मामले में वेस्टइंडीज का एक दिग्गज बल्लेबाज ब्रैडमैन से भी आगे निकल गया। यह खिलाड़ी कोई और नहीं, बल्कि क्लाइड वालकॉट हैं, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा पांच शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है, जिसे आज तक कोई नहीं तोड़ सका है। यह ऐतिहासिक कारनामा ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज में देखने को मिला था, जब कंगारू टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के

लिए वेस्टइंडीज दौरे पर आई थी।

भले ही उस सीरीज में वेस्टइंडीज को एक भी जीत नसीब नहीं हुई, लेकिन क्लाइड वालकॉट की बल्लेबाजी ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वालकॉट ने इस सीरीज के पांच टेस्ट मैचों में कुल 827 रन बनाए और इस दौरान उनके बल्ले से पांच शतक निकले। इसी के साथ उन्होंने एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने का ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जो आज भी अटूट है। इससे पहले यह उपलब्धि डॉन ब्रैडमैन के नाम थी। ब्रैडमैन ने 1930 में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में चार शतक लगाए थे। उस सीरीज में ब्रैडमैन ने कुल 964 रन बनाए थे, जो आज भी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रनों का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। हालांकि, शतकों के मामले में वालकॉट ने ब्रैडमैन को पीछे छोड़ दिया और इतिहास रच दिया। वालकॉट के इस रिकॉर्ड की बराबरी करने के बेहद करीब कई महान बल्लेबाज पहुंचे, लेकिन कोई भी पांच शतक नहीं लगा सका। इस सूची में भारत के सुनील गावस्कर और विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ जैसे दिग्गज शामिल हैं, जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में चार-चार शतक जड़े। मौजूदा भारतीय कप्तान शुभमन गिल भी पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर एक टेस्ट सीरीज में चार शतक लगाने का कारनामा कर चुके हैं, लेकिन वालकॉट का

रायबाकिना ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता

मेलबर्न । कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस खिताब जीता है। रायबाकिना ने महिला एकल के खिताबी मुकाबले में बेलारुस की आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। दोनो खिलाड़ियों के बीच ये मुकाबला करीब सवा 2 घंटे तक चला। वहीं पिछले सत्र में कजाकिस्तान की खिलाड़ी किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंचीं थीं। इससे पहले रायबाकिना ने साल 2022 में विंबलडन खिताब जीता था। इस बार मुकाबले में रायबाकिना ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 6-4 से जीता। इसके बाद सबालेंका के शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा सेट जीतकर वापसी की। वहीं तीसरे सेट में कड़े संघर्ष के बाद कजाकिस्तान की खिलाड़ी ने जीत दर्ज की। सबालेंका ने तीसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद अपनी सर्विस होल्ड की और चेंजओवर से पहले 3-0 की बढ़त बना ली। वहीं इसके बाद रायबाकिना ने सबालेंका की सर्विस तोड़कर अच्छी वापसी कर स्कोर 3-3 से बराबर करने के बाद सर्विस गेम में ब्रेक अंक का सामना करने के बाद अपना तीसरा ब्रेक हासिल किया। वहीं अंतिम। आखिरी गेम में उन्होंने ऐस लगाकर मुकाबला जीत लिया। इसी के साथ एलेना रायबाकिना ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। इस ऐतिहासिक जीत के साथ उन्हें इनामी राशि के तौर पर 2.75 मिलियन डॉलर (लगभग 25 करोड़ 21 लाख भारतीय रुपए) मिले। इससे पहले साल 2022 में विंबलडन खिताब जीतकर वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं।

रिहायशी इलाकों में शराब दुकानें, बढ़ती आबादी के बीच बिगड़ रहा सामाजिक संतुलन!!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर में रिहायशी क्षेत्रों के बीच संचालित हो रही शराब दुकानों ने अब गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक सवाल खड़े कर दिए हैं। आम नागरिकों के बीच यह चर्चा तेज़ हो गई है कि क्या आबादी बढ़ने के साथ नगर के भीतर और घरों के आसपास शराब दुकानों का संचालन वास्तव में जनहित में है या यह स्थिति सामाजिक असुरक्षा, दुर्घटनाओं और पारिवारिक विवाद को बढ़ावा दे रही है।

करीब 30ङ्क35 वर्ष पूर्व बालाघाट नगर की जनसंख्या सीमित थी और उस समय शराब दुकानों की संख्या भी कम थी। तब नगर के बस स्टैंड, महावीर चौक और हनुमान चौक जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में केवल अंग्रेजी शराब की दुकानें संचालित होती थीं, जबकि देसी शराब की दुकानें नगर से बाहर या सीमावर्ती क्षेत्रों जैसे भटेरा चौकी, मोती नगर, बूढ़ी बालाघाट, सरेखा और बैहर चौकी में स्थापित की गई थीं। उस दौर में शराब सेवन करने वालों की संख्या भी अपेक्षाकृत कम थी और सामाजिक प्रभाव सीमित था।

लेकिन समय के साथ नगर की आबादी कई गुना बढ़ी और शराब दुकानों का दायरा भी उसी अनुपात में फैलता चला गया। वर्तमान में स्थिति यह है कि कई अंग्रेजी शराब दुकानों में देसी शराब की भी बिक्री की जा रही है, जिससे रिहायशी इलाकों में भीड़भाड़, अव्यवस्था और असामाजिक गतिविधियाँ बढ़ रही हैं। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को आए दिन असहज

परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

नगरवासियों का कहना है कि शराब दुकानों के आसपास अक्सर शराब पीकर हुड़दंग, गाली-गलौज और मारपीट की घटनाएँ सामने आती रहती हैं। इससे न केवल सामाजिक माहौल खराब होता है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी कई गुना बढ़ जाती है। स्कूल, मंदिर, कॉलोनियाँ और बाजार जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के पास शराब दुकानों का होना आम लोगों के लिए चिंता का विषय बन चुका है।

वारासिवनी रोड, ग्राम गर्रा का मामला बना उदाहरण

वारासिवनी रोड स्थित ग्राम गर्रा में संचालित देसी एवं विदेशी शराब दुकान प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। यह दुकान मुख्य सड़क से मात्र 10 फीट से भी कम दूरी पर स्थित है, जबकि नियमों के अनुसार शराब दुकानों को मुख्य मार्ग से कम से कम 200 मीटर की दूरी पर स्थापित किया जाना चाहिए। इसके बावजूद यह दुकान खुलेआम मुख्य सड़क से सटी हुई संचालित हो रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस दुकान के कारण सड़क पर हर समय शराबियों की आवाजाही बनी रहती है, जिससे जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। कई बार छोटे वाहन, पैदल यात्री और स्कूली बच्चे इसकी चपेट में आ चुके हैं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

प्रशासनिक अनदेखी या व्यवस्था की मजबूरी?

यह प्रश्न भी उठ रहा है कि क्या यह स्थिति प्रशासन की अनदेखी का परिणाम है या फिर राजस्व के दबाव में नियमों से समझौता किया जा रहा है। शराब से मिलने वाला राजस्व शासन के लिए भले ही महत्वपूर्ण हो, लेकिन यदि इसके कारण जनसुरक्षा और सामाजिक संतुलन प्रभावित हो रहा है तो इस पर पुनर्विचार आवश्यक है।

नगर के प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक

संगठनों का कहना है कि शराब दुकानों को नगर की सीमा से बाहर, औद्योगिक क्षेत्रों या ऐसे स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए जहाँ रिहायशी आबादी कम हो। इससे एक ओर सामाजिक वातावरण सुरक्षित रहेगा और दूसरी ओर प्रशासन को कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी आसानी होगी।

जनमानस की मांग

नगरवासियों की स्पष्ट मांग है कि जिला प्रशासन शराब दुकानों के स्थान निर्धारण की पुनः समीक्षा करे, नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करे और रिहायशी इलाकों से शराब दुकानों को हटाने की दिशा में ठोस कदम उठाए। यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में इसके सामाजिक और कानूनी दुष्परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दे पर कितनी संवेदनशीलता दिखाता है और क्या आम नागरिकों को सुरक्षित, शांत और संतुलित वातावरण मिल पाएगा या नहीं।

वारा ग्राम पंचायत भवन में रविदास जयंती मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के पंचायत भवन में १ फरवरी को संत शिरोमणि रविदास महाराज की ६४९ वीं जयंती का आयोजन किया गया। यह जयंती स्वजातीय बंधु सहित गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा सर्वप्रथम संत शिरोमणि रविदास महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित जनों ने द्वारा संत शिरोमणि रविदास महाराज पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज महान समाज सुधारक दार्शनिक और कवि संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती हैं। वह १५ वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन के समय जन्मे संत रविदास ने अपने विचारों से समाज को एक नई दिशा दी। संत रविदास का मानना था कि व्यक्ति अपने जन्म या कर्मकांडों से नहीं बल्कि अपने गुणों और कर्मों से महान बनता है। उन्होंने समाज में फैली छुआछूत, ऊंच.नीच और भेदभाव जैसी बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई। उनकी भक्ति इतनी निष्छल थी कि उन्होंने कहा था मन चंगा तो कठौती में गंगा यानि यदि आपका मन शुद्ध है और आपके इरादे नेक हैं तो आपको ईश्वर की

खोज में कहीं भटकने की जरूरत नहीं है ईश्वर आपके हृदय में ही वास करते हैं। उन्होंने बेगमपुरा ऐसा शहर जहाँ कोई गम ना हो की कल्पना की थी जहाँ हर इंसान को समानता न्याय और सुख मिले। उनकी शिक्षा आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी सदियों पहले थीं। वे श्रम के सम्मान के प्रतीक थे और उन्होंने कर्म को ही पूजा माना। आज के युग में जब समाज को भाईचारे और प्रेम की सबसे अधिक आवश्यकता है संत रविदास के उपदेश हमें मानवता का मार्ग दिखाते हैं। हम उनके बताए हुए सत्य अहिंसा और समानता के मार्ग पर चलने का संकल्प लें। इस अवसर पर सरपंच सूर्यभानसिंह पुसाम, पूर्व सरपंच वाईकर पारधी, उपसरपंच शाहीर पटले, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष सुनील बंटी पारधी, रमेश कनौजे,विनय बिसेन, राजेन्द्र कनौजे, रामसिंह पटेल, रविन्द्र कनौजे, नंदलाल पचौरी, रमेश पचौरी, झनकलाल बिसेन, गीता कनौजे, महेन्द्र कनौजे, गौतम पटले, रामकिशोर पांजरे, सुनील देव्हारे, पुष्पा कनौजे, प्रवीण खरोले, महेश कनौजे, अरवन कनौजे, देव कनौजे, मनोहर कनौजे, धनेन्द्र कनौजे, संतोष कनौजे, दीपक कनौजे, अंकेश कनौजे, के के पांडे, लोकेश कनौजे मौजूद रहे।

पी एम श्री विद्यालय बैहर में विदाई समारोह धूमधाम से मनाया गया

पद्मेश न्यूज। बैहर। पी एम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया इस विदाई समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया। जिसमें जूनियर छात्राओं द्वारा सीनियर छात्राओं का स्वागत किया गया एवं छात्राओं द्वारा टास्क बेस्ट एक्टिविटी एवं मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसमें विद्यालय के प्रिंसिपल श्री एनसी पटले ,वरिष्ठ व्याख्याता श्री त्यागी सर, श्री सिंह एस एल मरावी, श्रीमती के. श्रीवास्तव मैडम तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं सह छात्राओं की उपस्थिति रही।इस विदाई समारोह कार्यक्रम का सफल मंच संचालन कु जानवी कावरे कक्षा 11 वीं बायोलॉजी की

छात्रा द्वारा किया गया । इस विदाई समारोह कार्यक्रम में शिक्षिका श्रीमती कामना श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा जिससे छात्राओं के हौसले बुलंद हुए और छात्राओं ने इस विदाई कार्यक्रम में खूब आनंद लिए।इस कार्यक्रम में जूनियर छात्राओं द्वारा अपने सीनियर छात्राओं का स्वागत कर छात्राओं द्वारा टास्क बेस्ट एक्टिविटी एवं मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस विदाई समारोह में विद्यालय के प्राचार्य श्री एन . सी. पटले, वरिष्ठ व्याख्याता श्री पी सी त्यागी , श्री एस एल मेरावी , शिक्षिका श्रीमति कामना श्रीवास्तव , विद्यालय के समस्त शिक्षक/शिक्षिकाएं तथा छात्राओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम समापन पश्चात छात्राओं सहित सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

ब्रह्मकुमारीज़ द्वारा बुजुर्गों के सम्मान में प्रेरणादायक कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बालाघाट द्वारा बुजुर्गों के सम्मान में एक भव्य, गरिमामय एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 200 से अधिक बुजुर्गों ने सहभागिता की। जिला समन्वयक नूपुर झा, पूर्व टीआई. टी .सी. बालाधारे एवं जिला पेंशनर संघ के अध्यक्ष बी.एल. चौधरी की विशेष उपस्थित में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने अपने उद्बोधन में बताया कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभव और संस्कार आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा बुजुर्गों के मानसिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण के

लिए किए जा रहे प्रयासों को अत्यंत सराहनीय बताया।इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बालाघाट की मुख्य संचालिका माधुरी बहनजी, वारासिवनी सेवाकेंद्र की संचालिका बीके उर्वशी दीदी,गर्रा सेवा केंद्र की संचालिका अनुसूया दीदी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जीवन के इस पड़ाव में आध्यात्मिक शांति, आत्मसम्मान और ईश्वर से जुड़ाव बुजुर्गों के लिए सबसे बड़ा सहारा है। राजयोग ध्यान के माध्यम से तनावमुक्त, सकारात्मक एवं संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा दी गई।कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों को राजयोग ध्यान का व्यावहारिक अभ्यास, सकारात्मक सोच एवं आत्मिक मूल्यों की जानकारी दी गई, जिससे उनमें नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ। कार्यक्रम स्थल पर शांति, स्नेह और आत्मीयता का वातावरण बना रहा।उपस्थित बुजुर्गों एवं नागरिकों ने ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा वर्षों से किए जा रहे इस निस्वार्थ, अनुकरणीय एवं समाजोपयोगी सेवा कार्य की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और ऐसे आयोजनों को समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।यह आयोजन न केवल बुजुर्गों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ, बल्कि समाज को यह प्रेरक संदेश भी प्रदान करता है कि ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मानवीय मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहा है।इस दौरान सीनियर सिटीजन फोरम के केवल धुवारे के साथ अन्य सीनियर सिटीजन भी उपस्थित रहे।

हाई स्कूल घोटी में आयोजित हुआ कैरियर काउंसलिंग मेला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/ खैरलांजी। शासन के निर्देश के अनुसार बच्चों को कक्षा दसवीं के बाद कौनसा विषय या संकाय का चयन करना चाहिए। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शासकीय हाई स्कूल घोटी में कैरियर काउंसलिंग मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर काउंसलर दुर्गेश टेंभरे के द्वारा विद्यार्थियों को किस संकाय को लेकर किस क्षेत्र में जाया जा सकता है और अपना भविष्य बनाया जा सकता है। इस बारे में सभी को विस्तार से बताया गया। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा, परस्पर संवाद, प्रतियोगिता परीक्षा, परंपरागत और नवनिर्मित कॅरियर के बारे में जानकारी दी गई। आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कैसे करने और विषय चयन को लेकर आ रही समस्याओं से अवगत कराया गया और उनके निराकरण के बारे में बताया। इस अवसर पर चेतन लाल दमाहे,राजेंद्र कुमार ठाकरे, दुर्गेश डहारे, संजू कुमार लिल्हारे, मीनाक्षी अटराहे,स्वाति नगपुरे,लक्ष्मी बनकर उपस्थित रहे।

नाटा से पंडाटोला मार्ग पर 3.30 करोड़ रुपए की लागत के दो पुलों का निर्माण प्रस्तावित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई बालाघाट-1 की महाप्रबंधक द्वारा 25 जनवरी 2026 को मीडिया में देश की पहली पूर्ण सड़क पर पुल बनाना भूले शीर्षक से प्रसारित एवं प्रकाशित खबर को तथ्यहीन और भ्रामक बताया गया है।

प्राधिकरण द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बालाघाट जिले में पीएम-जनमन योजना अंतर्गत देश की पहली सड़क पंडाटोला से बीजाटोला (लंबाई 0.809 किमी) का निर्माण कार्य 26 अगस्त 2024 को पूर्ण कर लिया गया था। इस मार्ग के एकरेखण में कोई बड़ा नाला या नदी नहीं है तथा निर्माण के दौरान केवल एक पुलिया (1म600 मि.मी. व्यास) का निर्माण किया गया है।

विभागीय अधिकारियों द्वारा बताया गया कि समाचार पत्र में प्रकाशित फोटो का मिलान कार्यस्थल पर किए जाने पर यह पाया गया कि वह छायाचित्र पीएम-जनमन योजना अंतर्गत नाटा से पंडाटोला मार्ग के चैनेज 4100 मीटर पर स्थित नाले का है, न कि पंडाटोला-बीजाटोला मार्ग का। नाटा से पंडाटोला मार्ग का निर्माण कार्य 2 फरवरी 2025 को पूर्ण किया गया है।

इस संबंध में यह भी स्पष्ट किया गया है कि पीएम-जनमन योजना के तहत स्वीकृत मार्गों पर 15 मीटर से अधिक स्पान के पुलों की स्वीकृति पृथक से लिए जाने के निर्देश हैं। इसी क्रम में नाटा से पंडाटोला मार्ग पर प्रस्तावित दो उच्च स्तरीय पुलों की स्वीकृति हेतु प्रक्रिया प्रचलन में है। इस मार्ग के चैनेज 2800 मीटर पर 16.50 मीटर लंबाई का पुल (अनुमानित लागत 88.02 लाख रुपये) तथा चैनेज 4100 मीटर पर 55.50 मीटर लंबाई का पुल (अनुमानित लागत 242.58 लाख रुपये) प्रस्तावित हैं। दोनों पुलों का डीपीआर तैयार कर स्वीकृति हेतु मुख्यालय भोपाल भेजा जा चुका है। अंतिम स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात एजेंसी का चयन कर पुल निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

महाप्रबंधक, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई बालाघाट-1 ने आमजन से अपील की है कि भ्रामक समाचारों पर विश्वास न करें तथा सही जानकारी के लिए संबंधित विभाग से संपर्क करें।

ग्राम वरुड़ में चक्रवती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा हुआ अनावरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम पंचायत वरुड़ में क्षत्रीय पवार समाज संगठन के तत्वावधान में चक्रवती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा का अनावरण का आयोजन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। जिसमें प्रातः १० बजे ग्राम में प्रभात फेरी शोभायात्रा निकाली गई। जो ग्राम के मुख्य मार्गों से होती हुई कार्यक्रम स्थल तक पहुंची। इसके पश्चात राजा भोज की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । पूजा अर्चना एवं आरती कर अतिथियों का गरिमामय स्वागत.सत्कार किया गया कार्यक्रम पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी, विशाल बिसेन, ओंकार बिसेन, जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन, बागेश्वरी तुरकर, भोजराज देशमुख, वरुण

देशमुख,सौरभ ठाकरे, विवेक बिसेन, गीता गन्नुलाल बिसेन, नंदकिशोर बिसेन, झनकलाल ठाकरे सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समस्त वक्ताओं ने अपने संबोधन में राजा भोज के जीवन दर्शन उनके द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों तथा न्यायप्रिय और प्रजावत्सल शासन व्यवस्था की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजा भोज ना केवल एक शक्तिशाली शासक थे बल्कि विद्या संस्कृति कला स्थापत्य और समाज सुधार के भी महान संरक्षक रहे हैं। उनके आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उस काल में थे। उन्होंने जाति धर्म वर्ग से ऊपर उठकर जनकल्याण को प्राथमिकता दी। इस आयोजन के माध्यम से समाज को उनके जीवन मूल्यों से जोड़ने और युवाओं को उनकी प्रेरणा से आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

देवलगांव, दहेगांव, सिंगोला के किसानों ने 24 घंटे विद्युत प्रदाय किये जाने की मांग को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव, दहेगांव एवं सिंगोला से लगभग आधा सैकड़ा किसान 31 जनवरी को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के निवास पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें केवल 10 घंटे विद्युत सप्लाई होने के चलते किसान अपनी फसलों को लेकर चिंतित है तथा 24 घंटे विद्युत प्रदाय किये जाने की बात कही है वही यह भी बात सामने आई है कि केवल उक्त तीन ग्रामों के किसानों के साथ ही यह दुर्व्यवहार किया जा रहा है जबकि अन्य किसानो को 24 घंटे विद्युत सप्लाई हो रही है। ज्ञापन में लेख है कि हम सभी तीन ग्रामों के द्वारा रबी फसलें लगाई जा रही है। वर्तमान में हम तीन ग्राम किसानों को मात्र 10 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है जिसमें 6 घंटे और 4 घंटे के अलग अलग दो शेड्यूल दिये गये है। जिससे हमारी फसलों को

पूर्ण रूप से शत प्रतिशत पानी नही मिल पा रहा है जबकि हमारे ग्राम में कारंजा फीडर से सप्लाई हो रही है तथा हमारे तीन ग्राम को छोड़कर अन्य सभी ग्रामों में किसानो को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है। किसानो ने यह कहा है कि जब सभी को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति हो रही है तो हमारे साथ विद्युत विभाग सौतेला व्यवहार क्यों कर रहा है या तो हमे 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जाये या सभी को 10 घंटे आपूर्ति की जाये जो कि लगातार 10 घंटे सप्लाई होनी चाहिये। ज्ञापन सौंपने के दौरान संजय टेंभरे, संजित ठाकरे, कमलकिशोर ठाकरे, सुरेन्द्र चौधरी, नरेश पटले, सुरेन्द्र टेंभरे, राजू टेंभरे, प्रदीप टेंभरे, रतन ठाकरे, जगतराम टेंभरे, मनोह ठाकरे, नानू भोण्डे, डीलेश्वर ठाकरे, ओमप्रकश बरई, सुभाष मेश्राम, चैतराम ठाकरे, राजकुमार चौरे, नीलचंद कामरकर, इन्द्राज ठाकरे, प्रकाश सोनवाने, कृष्णा चौधरी, वासुदेव रहांगडाले आदि किसान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जराहमोहगांव में कबड्डी और भानेगांव स्कूल को मिली बास्केटबॉल मैदान की सौगात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री श्री योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02 द्वारा जिले के दो शासकीय विद्यालयों में आधुनिक खेल मैदानों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे।

कार्यपालन यंत्री मनोज धुर्वे ने जानकारी देते हुए बताया कि कटंगी विकासखंड के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल जराहमोहगांव में कबड्डी खेल मैदान तथा लांजी विकासखंड के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भानेगांव में बास्केटबॉल खेल मैदान का निर्माण कराया गया है। दोनों खेल मैदानों का निर्माण 5-5 लाख रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने बताया कि इन खेल मैदानों के निर्माण से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण खेल वातावरण मिलेगा। अब छात्र-छात्राएं विद्यालय परिसर में ही व्यवस्थित ढंग से अभ्यास कर सकेंगे, जिससे उनकी

शारीरिक क्षमता के साथ-साथ खेल प्रतिभा का भी विकास होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अधोसंरचना का अभाव अक्सर बच्चों की प्रतिभा को आगे बढ़ने से रोकता है। ऐसे में पीएम श्री योजना के तहत किए जा रहे ये निर्माण कार्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगे। स्थानीय अभिभावकों और शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना की है और इसे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक कदम बताया है।

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि इन खेल मैदानों से न केवल खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता जैसे गुण भी विद्यार्थियों में विकसित होंगे। आने वाले समय में इन सुविधाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी जिला और राज्य स्तर तक अपनी पहचान बना सकेंगे। प्रधानमंत्री श्री योजना के तहत इस प्रकार के निर्माण कार्य यह दर्शाते हैं कि सरकार शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं शारीरिक विकास को भी समान रूप से महत्व दे रही है।

बालाघाट
सोमवार 02 फरवरी 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

श्रवण नगर में दो सूने घरों पर चोरों का धावा कृषि अधिकारी के घर से लाखों के गहने चोरी

चोरों ने इसी नगर में शिक्षक के घर की सीसीटीवी देख तोड़ दिया

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बीती रात किन्ही अज्ञात चोरों ने नगर के वार्ड नं 5 श्रवण नगर के 2 सूने मकानों को अपना निशाना बनाया है। जहां अज्ञात चोरो ने शिक्षक के घर मे घुसकर चोरी का असफल प्रयास किया तो वही कृषि विभाग बालाघाट में पदस्थ एक अधिकारी के सुने घर का ताला तोड़कर घर मे रखे सोने चांदी के जेवरात चुराकर भाग गए।हालांकि चोरों की यह काली करतूत शिक्षक के घर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।उधर शनिवार की रात मकान में चोरी हो जाने की सूचना मिलते ही मकान मालिक दम्पति ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।जहा मिली शिकायत पर पुलिस द्वारा मौके स्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

शिक्षक के घर चोरी का किया प्रयास

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर 5 श्रवण नगर निवासी अनिल रहांगडाले केंद्रीय विद्यालय सिवनी में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं, जो फिलहाल अपने परिवार के साथ सिवनी में ही निवास कर रहे हैं। जबकि उनके घर पर उनकी साली निवास करती है जो की नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है।बताया गया कि नर्सिंग की पढ़ाई करने वाली छात्रा अपने गांव गई हुई थी। जबकि शिक्षक अनिल राहंगडाले के मकान के ऊपर माले में दो किराएदार रहते हैं,जो घटना के वक्त अपने परिवार के साथ अपने कमरे में सोए हुए थे।जानकारी के अनुसार रात्रि करीब 01 से 1:30 बजे के बीच कुछ अज्ञात चोरों ने दीवार फांदकर उनके घर के भीतर प्रवेश किया,पहले तो उन अज्ञात चोरों ने घर के चारों तरफ से घर की रेकी की, लेकिन वहां सीसीटीवी कैमरे लगे होने के चलते उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम नहीं दिया और कैमरे को क्षतिग्रस्त करके वहां से भाग गए। लेकिन उनकी यह काली करतूत मकान में लगे दूसरे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई ।

ताला तोड़ चोरी की वारदात को दिया अंजाम

उधर अज्ञात चोरों ने वार्ड नंबर 5 श्रवण नगर के ही दूसरे मकान में ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रवण नगर निवासी जगदीश श्रीनाग, कृषि विभाग बालाघाट में अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं। जबकि उनकी पत्नी शशि श्रीनाग जिला कटनी के एक स्कूल में शिक्षिका के पद पर पदस्थ हैं।वही उनके दोनों बच्चे भोपाल में पढ़ाई कर रहे हैं।बताया गया की घटना के वक्त श्रीमती शशि श्रीनाग कटनी में थी,जबकि कृषि विभाग बालाघाट में पदस्थ अधिकारी जगदीश श्रीनाग घर पर ताला लगाकर किसी काम से 2 दिनों के लिए नागपुर गए हुए थे। जब भी शनिवार की शाम घर वापस आए तो उन्हें मुख्य द्वार के दरवाजे का कुंदा टूटा हुआ दिखाई दिया। घर के भीतर प्रवेश करने पर अलमारी, व पेटी खुली हुई दिखाई दी और घर का सामान बिखरा हुआ था। जिसकी जानकारी उन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती शशि श्रीनाग को दी, जब उनकी पत्नी ने घर पर आकर देखा तो घर में रखी 3 जोड़ी चांदी का खुचना, 2 जोड़ी चांदी की बिछिया, बेटी के लिए खरीदकर रखे गए सोने के कान के टॉप्स, 2 सोने की लौंग, 01 हीरे की लौग,और् 1 चांदी का है हाय सहित अन्य जेवरात चोरी हो गए थे, जिसकी सूचना उन्होंने रविवार को कोतवाली पुलिस को दी।उधर सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोरी का प्रयास

उधर एक ही वार्ड और एक ही मोहल्ले में दो जगह चोरी हो जाने की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया।इसी दरमियान स्थानीय लोगो ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे फुटेज की तलाशी ली, जहां केंद्रीय केंद्रीय विद्यालय सिवनी में पदस्थ अनिल रहांगडाले के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में अज्ञात चोरों की काली करतूत कैद हो गई। जहां सीसीटीवी फुटेज में अज्ञात चोर दीवार फांदकर घर पर प्रवेश करते और घर में के चारों तरफ घूमकर चोरी का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं।वीडियो फुटेज भी मकान मालिक द्वारा पुलिस को उपलब्ध करा दी गई है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर मामले की जानकारी मिलते ही रविवार दोपहर मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी एकत्र की, तो वहीं पर पीड़ितों के बयान दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक मामले की जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस द्वारा जल्द ही इस मामले में लिप्त आरिपियो को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किए जाने की बात कही गई है।

पुलिस की पेट्रोलिंग पर उठ रहे सवाल

नगर में फिर हुई चोरी की इस वारदात ने पुलिस पेट्रोलिंग पर एक बार फिर से सवाल उठा दिए हैं जिस जगह पर चोरी हुई वह सामान्य इलाका है। सरेखा बायपास होने के चलते देर रात तक चहल-पहल बनी रहती है। बावजूद इसके भी वहाँ चोरी की वारदात होने पर पुलिस की पेट्रोलिंग पर भी सवाल उठने लगे हैं जिस पर ऐतराज जताते हुए पीड़ित परिजनों ने पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाए जाने की मांग की गई है।

इंस्टाग्राम पर पहले दोस्ती, फिर प्यार और दुष्कर्म के बाद धोखे की कहानी

इंदोर की लसुड़िया पुलिस ने गोंगलई से युवक को गिरफ्तार किया

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला मुख्यालय के समीप ग्राम गोंगलई में उस वक्त हड़कंप मच गया।जब ग्रामीण थाना पुलिस के साथ साथ इंदौर की पुलिस ने गांव पहुँचकर एक युवक की तलाश शुरू कर दी।जहा युवती से दुष्कर्म, बच्चा गिराने के आरोप में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया और उसे अपने साथ इंदौर ले गई।बताया गया कि ग्रामीण थाना अंतर्गत गोंगलई निवासी युवक क्रिस उर्फ कृष्णा पिता पूनम टेंभरे पढ़ाई करने के लिए इंदौर गया था।उधर इंदौर में रहकर पढ़ाई और जॉब कर रही अपने से बड़ी उम्र की युवती से कृष्णा की इंस्टाग्राम में दोस्ती हो गई। जिसके बाद उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई।आरोप है कि युवक कृष्णा ने युवती को शादी का प्रलोभन देकर उसका दैहिक शोषण किया। जिससे युवती को तीन माह का गर्भ ठहर गया।जिसकी जानकारी के बाद युवक ने युवती का गर्भ गिराकर, उसे छोड़कर बालाघाट भाग आया। जिसकी पुलिस से शिकायत पर इंदौर पुलिस ने बालाघाट पहुचकर युवक को गिरफ्तार कर लिया।

इंदौर के लसुडिया थाने से आई थी पुलिस

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना की शिकायत युवती ने इंदौर के लकसुडिया थाने में की थी। जिसमें पुलिस ने गोंगलई निवासी आरोपी कृष्णा टेंभरे के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया था। जिसकी तलाश करती हुई इंदौर पुलिस बालाघाट पहुंची थी। रविवार को इंदौर पुलिस ने ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल से मामले में चर्चा की। जिसके बाद इंदौर पुलिस का सहयोग करते हुए थाना क्षेत्र के आरोपी की तलाश कर ग्रामीण पुलिस ने इंदौर पुलिस को सौंपा। जिसके बाद इंदौर पुलिस आरोपी कृष्णा को अपने साथ लेकर इंदौर रवाना हो गई है।उधर इंदौर पुलिस ने आरोपी युवक से मामले को लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

18 जनवरी को युवती ने की थी शिकायत- जादौन

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान इंदौर के लकसुडिया थाने से पहुंचे प्रधान आरक्षक विक्रमसिंह जादौन ने बताया कि आरोपी कृष्णा ने युवती को शादी का प्रलोभन देकर, उसके साथ संबंध बनाए और गर्भवती होने पर उसका बच्चा गिरा दिया। 18 जनवरी को मामले की शिकायत थाने में की गई थी। जिसके बाद आज वे आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंचे है।

चांगोटोला के ग्राम घंघरिया में तीन मासूम बच्चे को डांटने पर 35 किमी. दूर रिश्तेदार के घर भागे।।

तीन नाबालिग बच्चों को पुलिस ने सकुशल किया बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले की चांगोटोला थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घघरिया में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई।जब इसी ग्राम के तीन मासूम बच्चे लापता हो गये। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने महज दो घन्टे के भीतर इन तीनों मासूम बच्चों को उन्हीं के रिश्तेदारी ग्राम सुरिया से दस्तयाब कर सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिए। चांगोटोला पुलिस के मुताबिक 31 जनवरी को 3 बजे से ग्राम घघरिया में तीन नाबालिग बच्चे घर मे दिखाई नही दे रहे थे। इन तीनों मासूम बच्चों को उनके परिजनों ने अपने स्तर पर गांव मोहल्ले में खोजबीन किये किंतु तीनों बच्चों के नहीं मिलने पर उनके परिजनों ने गुम होने की सूचना चांगोटोला थाने में दी थी। गुमशुदा बच्चों की उम्र क्रमश: 6 वर्ष, 12 वर्ष एवं 13 वर्ष बताई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी शशांक राणा द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा बालाघाट एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श कांत शुक्ला बैहर तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अरविंद शाह परसवाड़ा के मार्गदर्शन में थाना परसवाड़ा, लामटा एवं चांगोटोला के लगभग 75 पुलिसकर्मियों की अलग-अलग टीमें गठित कर बच्चों की खोजबीन शुरू की गई। लगातार प्रयासों, परिजनों एवं ग्रामीणों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि तीनों बच्चे लामता थाने की चरेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुरिया में हैं। जो ग्राम घघरिया से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित है। सूचना मिलते ही अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अरविंद शाह परसवाड़ा के नेतृत्व में एक टीम परिजनों के साथ ग्राम सुरिया पहुँची। जहाँ तीनों बच्चे अपने रिश्तेदार के घर पर सकुशल मिले।पूछताछ में परिजनों ने बताया कि बच्चे लगभग सुबह 9 बजे सुरिया पहुँचे थे। बच्चों ने बताया कि माता-पिता की डाँट से नाराज़ होकर वे ट्रेन से चरेगांव पहुंचे और वहाँ से सुरिया चले गए थे। आवश्यक पूछताछ के पश्चात तीनों बच्चों को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

सराहनीय भूमिका

इस सफल कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अरविंद शाह परसवाड़ा, थाना प्रभारी शशांक राणा थाना चांगोटोला, थाना प्रभारी नितिन पटले थाना लामता, थाना प्रभारी मदनलाल इवने थाना परसवाड़ा, तीनों थानों के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं एसएएफ बल की सराहनीय भूमिका रही।

बोलेरो वाहन की टक्कर से दो युवक घायल, वाहन फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड पर स्थित ग्राम धनसुआ में गांगुलपारा ढाबा के पास बोलेरो मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई।। मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों घायल युवक को जिला अस्पताल लाया गया। जिनमे गंभीर रूप से घायल युवक नितिन पिता अशोक सोनेकर 31 वर्ष सी सी एफ बंगला पुलिस लाइन के पास रहने वाले इस युवक को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है वहीं इस सड़क दुर्घटना में इस युवक के साथी हिमांशु पिता मेश्राम शरणाग 30 वर्ष वार्ड नंबर 24 बालाघाट निवासी भी घायल हुआ है। जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 जनवरी की शाम 7:00 बजे नितिन सोनेकर अपने साथी हिमांशु शरणागत के अलावा अन्य साथियों के साथ अलग-अलग मोटरसाइकिल में बैहर रोड टेकाड़ीखाना खाने गए थे और रात्रि 8:00 बजे सभी टेकाड़ी से खाना खाने के बाद मोटरसाइकिल में अपने घर लौट रहे थे। नितिन सोनेकर, हिमांशु शरणागत साथ में थे तभी ग्राम धनसुआ में गांगुलपारा ढाबा के पास सामने से आ रही बोलेरो कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस दुर्घटना में नितिन सोनेकर और हिमांशु शरणागत दोनों घायल हो गए। जिन्हें डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जिनमे अत्यधिक चोट लगने से घायल नितिन सोनेकर को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। हिमांशु शरणागत का इलाज जिला अस्पताल में किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने नितिन सोनेकर के साथी अंकित बाघमारे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है। मोटरसाइकिल पर ठोस मारकर फर्क बोलेरो का नंबर एमपी 50 जेड बी 66 49 बताया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

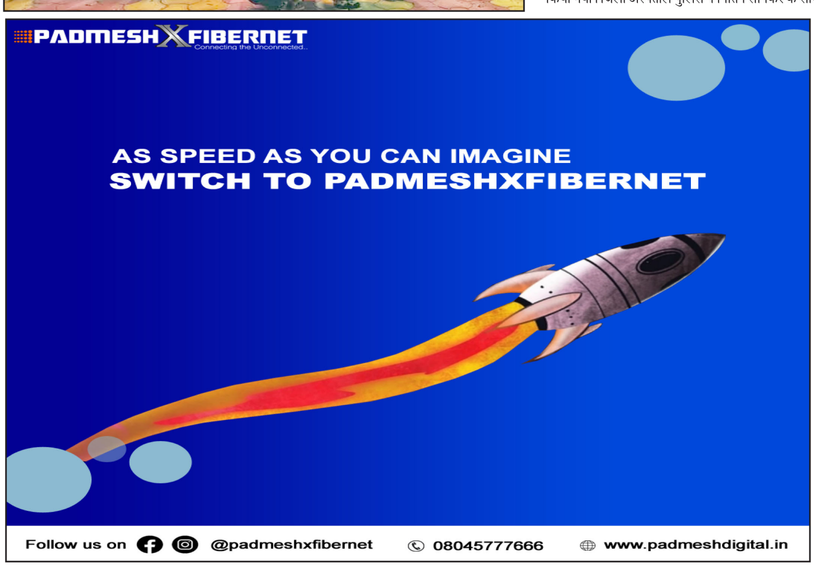

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट